श्रावण कृष्ण पक्ष षष्ठी 09:02 उपरांत
सप्तमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 16 जुलाई 2025
वर्ष 6, अंक 236, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

बेरोजगारी दर जून में 5.6 प्रतिशत पर स्थिर 12

आतंकवाद से निपटने पर कायम रहे एससीओ 14

...कुछ नया जन्म लेने वाला है

नई सोच हमेशा नई राहों पर ले जाती है।
इसी तरह नई शुरुआत नए जीवन से रू-ब-रू कराती है।
यही निरंतरता की स्थिति होती है।

अमृत विचार
www.amritvichar.com

शुभांशु की वापसी पर झूमे लोग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सीएमएस,लखनऊ ऑडिटोरियम में सजीव प्रसारण देख रहे लोगों ने एकदूसरे को दी बधाई
- शुभांशु के पिता ने कहा- बेटे की अंतरिक्ष यात्रा भारतवासियों के सामूहिक विश्वास का परिणाम

अमृत विचार: शुभांशु शुक्ला के स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन अंतरिक्ष यान ने मंगलवार को भारतीय समयानुसार अपराह्न 3:01 बजे जैसे ही प्रशान्त महासागर के कैलीफोर्निया तट पर सफल लैंडिग की, देशवासी खुशी व गर्व से झूम उठे। सिटी मांटेसरी स्कूल (सीएमएस), कानपुर रोड ऑडिटोरियम में शुभांशु के माता-पिता और परिजनों के साथ सैकड़ों लोगों ने इस ऐतिहासिक क्षण को लाइव देखा। जैसे ही कैप्सूल ने प्रशांत महासागर की सतह को छुआ, ऑडिटोरियम का माहौल अत्यन्त भावुक हो उठा। पूरा ऑडिटोरियम भारत माता की जय के नारे व तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

शुभांशु 25 जून को फाल्कन-9 रॉकेट से अंतरिक्ष की उड़ान पर रवाना हुए थे। 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जुड़ गए थे। उन्होंने अंतरिक्ष में 18 दिन बिताए। 310 से अधिक कक्षाएं पूरी कीं और लगभग 1.3 करोड़ किमी की दूरी तय की। इस दौरान उन्होंने इसरो द्वारा सौंपे गए सातों सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण प्रयोगों को सफलतापूर्वक पूरा किया। मांसपेशी पुनर्जनन, टार्डिग्रेड परिक्षण, बीज अंकुरण, शैवाल संवर्धन, फसल सहनशीलता, विकिरण प्रभाव एवं मानव शरीर विज्ञान संबंधी अध्ययन शामिल थे। ये प्रयोग भारत के आगामी गगनयान कार्यक्रम हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। शुभांशु के अन्तरिक्ष यान के पानी में उतरने के साथ ही सीएमएस प्रबंधन एवं शुभांशु के परिवार ने त्रि-स्तरीय केक काटा। इस केक के तीन स्तर लांच, आईएसएस पर प्रवास और धरती पर वापसी के प्रतीक स्वरूप थे। इस अवसर पर पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर शुभांशु के पिता शम्भू दयाल शुक्ल ने भावुक होकर कहा कि यह उपलब्धि भारतवासियों के सामूहिक विश्वास का परिणाम है। उन्होंने डा. भारती गांधी, प्रो. गीता गांधी किंगडन और सीएमएस परिवार का आभार व्यक्त करता हूं। सीएमएस प्रबंधक प्रो. गीता गांधी किंगडन ने कहा कि शुभांशु की सफलता ने हमारे छात्रों की कल्पनाशक्ति को पंख दिए हैं। वह सीएमएस के आदर्श वाक्य 'जय जगत' का जीवंत उदाहरण हैं और सिद्ध करते हैं कि अंतरिक्ष कोई कल्पना नहीं, बल्कि हमारा भविष्य है। सीएमएस अलीगंज कैम्पस, जहां शुभांशु ने शिक्षा प्राप्त की थी, वहां के छात्र भी अत्यधिक प्रेरित दिखे। कक्षा 9 की छात्रा अनन्या मिश्रा ने कहा कि अब मैं भी अंतरिक्ष यात्री बनना चाहती हूं,अगर वो कर सकते हैं, तो मैं भी कर सकती हूं। कक्षा 11 के आदित्य वर्मा ने कहा, 'पहले यह सपना दूर लगता था। आज यह वास्तविक है।

सीएमएस की संस्थापक-निदेशिका डा. भारती गांधी ने समापन में कहा, 'शुभांशु हमारे मार्गदर्शक सितारे हैं। साक्षात प्रमाण हैं कि गहरे मूल्यों और साहसी सपनों के साथ सितारों तक पहुंचा जा सकता है।

आईएसएस से आखिरी कॉल कर रहा हूं मां - शुभांशु

लखनऊ। यह मेरी इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से आखिरी कॉल है... अब लौट रहा हूं, जल्द मिलूंगा। एस्ट्रोनॉट ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने जैसे ही ये शब्द कहे, लखनऊ स्थित उनके घर में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया और परिवार के लोगों की आंखें खुशी के आंसुओं से छलक उठीं। 18 दिनों की ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा के अंतिम चरण में यह कॉल शुभांशु के परिवार के लिए सबसे भावुक क्षण बन गई। सोमवार सुबह 4:30 बजे एक्सिओम मिशन-4 के तहत शुभांशु का आईएसएस से अनडॉकिंग शेड्यूल थे। उसी से कुछ घंटे पहले उन्होंने अपने माता-पिता को सेटेलाइट कॉल की। यह बातचीत परिवार के दिल में हमेशा के लिए दर्ज हो गई।

ये कॉल अलग थी

शुभांशु की बहन शुचि मिश्रा ने कहा कि, अब तक की हर कॉल में हम हंसते थे। बात करते थे, सवाल पूछते थे। लेकिन, इस बार जैसे सभी ने चुप रहने का मन बना लिया था। मां आशा शुक्ला की आंखों से लगातार आंसू बहते रहे। उन्होंने कहा, मैं कुछ बोल नहीं पाई। बस उसकी आवाज सुनी और रोती रही। वो जानता था कि मैं रो रही हूं, लेकिन फिर भी शांत रहा। हमें ढांढस देता रहा। कहता रहा कि सब ठीक होगा। परिवार ने माना कि यह कॉल भले ही भावुक थी, लेकिन उसी ने उन्हें हिम्मत भी दी। मां आशा शुक्ला कहती हैं, वो स्वस्थ लग रहा था, उसकी आंखों में चमक थी। उस कॉल ने हमारे बहुत सारे डर मिटा दिए।

पिता ने किया सुंदरकांड पाठ

अंतरिक्ष से लौटते समय देशभर की नजरें जिस वीर बेटे पर टिकी थीं। उसके परिवार ने रात भर ईश्वर से उसकी सलामती की प्रार्थना की। लखनऊ निवासी अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के परिवार के लिए बीती रात बेहद तनावपूर्ण और भावनात्मक रही। शुभांशु का रिटर्न कैप्सूल पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है, उनके पिता शंभू दयाल शुक्ला ने सोमवार सुबह सुंदरकांड का पाठ किया।

पूरी रात जागते रहे

शुभांशु के पिता ने बताया, हमारे लिए बीती रात बहुत भारी रही। नींद तो जैसे आंखों से कोसों दूर थी। बस भगवान से यही प्रार्थना कर रहे थे कि हमारा बेटा सुरक्षित जमीन पर उतर जाए। वो जिस तरीके से एक बंद कैप्सूल में आ रहा था, उसे सोचकर दिल बैठा जा रहा था।

शुभांशु शुक्ला की वापसी के बाद केक काटकर जश्न मनाते माता- पिता और अन्य परिजन।

शुभांशु का मानो दूसरा जन्म हो

शुभांशु की वापसी को परिवार पुनर्जन्म के तौर पर देख रहा है। बहन शुचि कहती हैं, जैसे वो पृथ्वी से किसी और ही दुनिया में गए और अब वापस लौट रहे हैं। नए अनुभवों और यादों के साथ। जैसे वो फिर से जन्म लेकर आ रहे हों। मां आशा ने बताया कि मिशन के अंतिम चरण में उन्होंने घर पर 18 दिन तक विशेष पूजा करवाई। हमारे लिए वो दोबारा जन्म लेकर आ रहा है।

मां रो पड़ी, पिता ने लहराया तिरंगा

शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट 20 दिन अंतरिक्ष यात्रा के बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। शुभांशु के सकुशल लौटने पर उनका परिवार बेहद खुश है। लखनऊ के सीएमएस स्कूल में माता-पिता ने बेटे की लाइव लैंडिंग देखी। यह क्षण परिवार के लिए भावुक और गर्व से भर देने वाला था। पिता शंभू दयाल मुस्कराते हुए तिरंगा लहराकर बेटे का हौसला बढ़ा रहे थे।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य क्रू सदस्यों के मंगलवार को सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लौटने पर मुरादाबाद के स्कूली में जश्न मनाते छात्र।

शुभांशु के 17 अगस्त तक भारत आने की संभावना

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के मिशन बाद की कई प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद 17 अगस्त तक भारत पहुंचने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कुछ मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया जाना है... उनका पुनर्वास, डीब्रीफिंग सत्र और इसरो की टीम के साथ कई चर्चाएं। हम 17 अगस्त तक उनके दिल्ली पहुंचने की उम्मीद कर सकते हैं। इस मिशन को "अभूतपूर्व" बताते हुए सिंह ने कहा कि कक्षीय प्रयोगशाला में अपने प्रवास के दौरान शुक्ला द्वारा किए गए प्रयोग मानव अस्तित्व और सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में जीवन से निकटता से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, "ये प्रयोग न केवल भारतीयों के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए उपयोगी होंगे।

शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष से लौटने पर बधाइयों का तांता, देश में जश्न

नई दिल्ली। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से 18 बाद पृथ्वी पर लौटने का मंगलवार को देश में जश्न मनाया गया। राष्ट्रपति मुर्मू ने आईएसएस पर एक्सिओम मिशन-4 के संचालन में शुक्ला की भूमिका की सराहना की, जिसने भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए नया मील का पत्थर स्थापित किया। उन्होंने एक्स पर कहा, इस मिशन में शामिल लोगों को मेरी बधाई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि यह वास्तव में भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक निर्णायक क्षण है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, आईएसएस पहुंचने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में, उनकी अटूट प्रतिबद्धता और पेशेवर उत्कृष्टता ने प्रत्येक नागरिक को अत्यधिक गौरवान्वित किया है। धनखड़ ने कहा, भारत की अंतरिक्ष क्षमता लगातार नयी ऊंचाइयों को छू रही है और यह मिशन महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष यात्रियों और वैज्ञानिकों की पीढ़ियों को अंतरिक्ष में आगे तक पहुंचने के लिए प्रेरित करेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुभांशु के पिता से बात कर कहा- पूरे देश को है गर्व

लखनऊ। रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष में रिकॉर्ड बनाकर धरती पर वापसी पर खुशी और गर्व व्यक्त किया और लखनऊ में शुभांशु के पिता से फोन पर बात कर कहा कि देश को उनके पुत्र पर गर्व है। शुभांशु 18 दिन बाद अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथ्वी पर लौटे हैं। राजनाथ ने एक्स पर लिखा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक एक्सिओम-4 मिशन से सफल वापसी हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने न केवल अंतरिक्ष को छुआ है, बल्कि भारत की आकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक उनकी यात्रा और वापसी केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत की बढ़ती अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए गौरवपूर्ण कदम है।

शुक्ला ने भारत का गौरव बढ़ाया, वैज्ञानिकों में फिर से विश्वास जगाया : अमित शाह

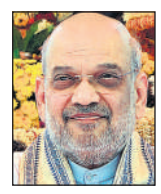

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुभांशु शुक्ला को आईएसएस की यात्रा के बाद पृथ्वी पर लौटने पर मंगलवार को बधाई दी। शाह ने कहा कि शुक्ला ने ऐसी विजय गाथा लिखी है, जिसने न केवल देश का गौरव बढ़ाया है, बल्कि भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों एवं वैज्ञानिकों में अपनी प्रतिभा और साहस को लेकर विश्वास भी जगाया है। शाह ने एक्स पर लिखा कि शुभांशु शुक्ला को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा के बाद पृथ्वी पर उनकी सफल वापसी पर हार्दिक बधाई। भारत की महानता की खोज में उन्होंने विजय की ऐसी गाथा लिखी है, जिसने न हमारा गौरव बढ़ाया, बल्कि भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों व वैज्ञानिकों में अपनी प्रतिभा और साहस के प्रति विश्वास भी जगाया है। शाह ने कहा कि इस यात्रा के दौरान अर्जित ज्ञान व अनुभव अंतरिक्ष अभियानों में भारत के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

श्रावण कृष्ण पक्ष षष्ठी 09:02 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 16 जुलाई 2025

वर्ष 6, अंक 236, पृष्ठ 16

2 राज्य, 6 संस्करण

मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

बेरोजगारी दर जून में 5.6 प्रतिशत पर स्थिर 12

आतंकवाद से निपटने पर कायम रहे एससीओ 14

शुभ आगमन

18 दिन आईएसएस पर रहने के बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौटे शुभांशु शुक्ला

बेटे की वापसी पर भावुक हो गए शुभांशु के माता-पिता।

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिन के प्रवास के बाद मंगलवार को खुशी और मुस्कुराहट के साथ शुभांशु शुक्ला पृथ्वी पर लौट आए। यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान की महत्वाकांक्षाओं को साकार करने का वादा करती है। लखनऊ में जन्मे शुक्ला और निजी एक्सिओम-4 मिशन के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री प्रशांत समयानुसार रात 2:31 बजे (भारतीय समयानुसार अपराह्न 3:01 बजे) कैलिफोर्निया के सैन डिएगो के निकट प्रशांत महासागर में उतरे। पूरे भारत में खुशी की लहर दौड़ गई।

भारतीय वायु सेना में ग्रुप कैप्टन शुक्ला अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय हैं। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत रूस मिशन के तहत यात्रा की थी। वह ऐसे पहले भारतीय भी बन गए हैं, जिन्होंने पृथ्वी की कक्षा में सबसे लंबे समय (20 दिन) तक रहकर अंतरिक्ष की यात्रा की। भारत, हंगरी और पोलैंड के लिए इस मिशन ने मानव अंतरिक्ष उड़ान की वापसी को साकार किया है, क्योंकि इन देशों के अंतरिक्ष यात्रियों ने 40 वर्षों से अधिक समय बाद पहली बार अंतरिक्ष की यात्रा की है। कक्षीय प्रयोगशाला में शुक्ला, कमांडर पैगी व्हिटसन तथा पोलैंड के स्लावोज उज्नान्सकी-विस्नीवस्की और हंगरी के टिबोर कापू सहित एक्सिओम-4 मिशन दल ने अगले 18 दिन 60 प्रयोगों और 20 संपर्क सत्रों में बिताए। ड्रैगन यान ने 28 हजार किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से यात्रा करते हुए एक्सिओम-4 चालक दल के सदस्यों को लेकर धीरे-धीरे गति कम करने और पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने के लिए कई प्रक्रियाएं पूरी कीं तथा महासागर में उतरने से पहले तीव्र गर्मी का सामना किया। कुछ मिनटों बाद यान को स्पेसएक्स के रिकवरी शिप शैनन के ऊपर ले जाया गया।

भारतीय समयानुसार अपराह्न 3:01 बजे कैलिफोर्निया के सैन डिएगो के प्रशांत महासागर में उतरे

कैलिफोर्निया : ड्रैगन अंतरिक्ष यान से मुस्कुराते हुए बाहर निकलते अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला।

तीन सप्ताह तक भारहीनता की स्थिति में रहने के बाद धरती पर रखा कदम

आईएसएस पर तीन सप्ताह तक भारहीनता की स्थिति में रहने के बाद पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण के साथ तालमेल बिठाने के लिए पैरों के सहारे चलवाने में शुक्ला की ग्राउंड स्टाफ ने मदद की। हेलीकॉप्टर के जरिए तट पर ले जाए जाने से पहले एक्सिओम-4 के चालक दल को जहाज पर ही कई चिकित्सीय जांचों से गुजरना पड़ा। चारों अंतरिक्ष यात्रियों के सात दिन पुनर्वास कार्यक्रम में रहने उम्मीद है।

माता-पिता की आंखों से खुशी के आंसू छलके

लखनऊ में शुक्ला के माता-पिता ने अपने बेटे के पृथ्वी पर लौटने पर राहत की सांस ली। शुक्ला के पिता शंभू दयाल शुक्ला और मां आशा देवी की आंखों से खुशी के आंसू निकल आए। उनकी बहन शुचि मिश्रा ने भी नम आंखों और हाथ जोड़कर अपने भाई के पृथ्वी पर उतरने का स्वागत किया। शंभू दयाल शुक्ला ने कहा, वह अंतरिक्ष में गए और वापस आए तथा हम बहुत खुश हैं, क्योंकि इस मिशन का देश के गगनयान कार्यक्रम के लिए अपना महत्व है।

शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि ने करोड़ों सपनों को किया प्रेरित : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में शुक्ला ने अपने समर्पण, साहस और अग्रणी भावना से करोड़ों सपनों को प्रेरित किया है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह हमारे अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन - गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर है।

शुभांशु साहस, समर्पण और विज्ञान के प्रति संकल्प का प्रतीक : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने सोशल मीडिया मंच एक्स के माध्यम से बधाई देते हुए उनकी उपलब्धि को उत्तर प्रदेश और देश के लिए गौरव का क्षण बताया। योगी ने लिखा है कि वेलकम बैक टू अर्थ! ऐतिहासिक मिशन को सकुशल संपन्न कर सफल वापसी पर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला व उनकी टीम को हार्दिक बधाई।

स्किल्ड युवा ही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत: योगी

विश्व युवा कौशल दिवस पर मुख्यमंत्री ने लखनऊ में कौशल मेले का किया उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सीएम योगी ने एआई व डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि स्किल्ड युवा ही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत है। डबल इंजन सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है।

वह मंगलवार को विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित दो दिवसीय कौशल मेले और प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। योगी ने युवाओं को विश्व युवा कौशल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि उनकी प्रतिभा के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। इस वर्ष की थीम 'एआई और डिजिटल स्किल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण' प्रदेश के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है। सीएम ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति युवाओं को एक साथ डिग्री और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने की सुविधा देती है। पिछले आठ वर्षों में 2 करोड़ युवाओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध करने के लक्ष्य समेत टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से 150 आईटीआई को न्यू-एज टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ने का जिक्र किया।

लखनऊ में आयोजित कौशल मेले में युवती को यूथ आईकॉन सम्मान देते योगी।

प्रदेश में खुल रहे निवेश और रोजगार के नए अवसर

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में निवेश के क्षेत्र में हुई प्रगति का भी जिक्र किया। कहा कि 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। यह लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित कर रहे हैं। उन्होंने उद्योगों और शैक्षिक संस्थानों के बीच तालमेल को आवश्यक बताते हुए कहा कि इससे उद्योगों की मांग के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए जा सकते हैं। 'सीएम युवा' योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि अब तक 50 हजार से अधिक युवा लाभान्वित हो चुके हैं।

डेढ़ करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार

योगी ने कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) और मुख्यमंत्री विश्वकर्मा श्रम सम्मान जैसी योजनाओं के माध्यम से परंपरागत उद्यमों को पुनर्जीवित किया गया है। ओडीओपी के तहत डेढ़ करोड़ को रोजगार मिला जबकि विश्वकर्मा योजना के तहत एक लाख हस्तशिल्पियों टूलकिट दिए गए।

15 युवाओं को दिया यूथ आईकॉन सम्मान

सीएम ने 15 युवाओं को यूथ आईकॉन सम्मान और 11 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इसके अलावा, प्रदेश के लिए पांच स्किल रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उन्होंने उद्योग प्रतिनिधियों को 'इंडस्ट्री एम्बेसडर' सम्मान से भी सम्मानित किया।

पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई

नई दिल्ली। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सिफारिश 31 जुलाई तक की जा सकती है। इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस पर की जाती है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सिफारिश राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन की जा सकती है।

पद्म पुरस्कारों में पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री शामिल हैं और इनकी शुरूआत वर्ष 1954 में की गयी थी। पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रदान किए जाते हैं।

निलंबित आईएएस अभिषेक को रिश्वतकांड में चार्जशीट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री के अनुमोदन के बाद 400 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे इन्वेस्ट यूपी के पूर्व सीईओ पर कार्रवाई

अमृत विचार: इन्वेस्ट यूपी और डिफेंस कॉरिडोर घोटाले में आरोपी निलंबित आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को आखिरकार चार्जशीट थमा दी गई है। मुख्यमंत्री के अनुमोदन के बाद 400 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे इन्वेस्ट यूपी के पूर्व सीईओ पर यह कार्रवाई की गई है।

चार्जशीट में निलंबित आईएएस अधिकारी के खिलाफ इन्वेस्ट यूपी में निवेशकों से सौदे के नाम पर मोटी रिश्वत मांगने के आरोप हैं। साथ ही डिफेंस कॉरिडोर परियोजना में भूमि आवंटन एवं अनियमितता की जांच और प्रभावशाली पद पर रहते हुए आर्थिक अनुशासन के उल्लंघन के प्रकरण भी शामिल है। मालूम हो कि, लखनऊ के पूर्व डीएम और एलडीए के पूर्व वीसी अभिषेक प्रकाश को घूसखोरी कांड में निलंबित किया गया था। आरोप है कि उन्होंने उद्योग लगाने के बदले व्यापारी से पांच प्रतिशत कमीशन की मांग की थी।

दरअसल, जो चार्जशीट अभिषेक प्रकाश को थमाई गई है, उसमें मुख्यतः एक ही आरोप लगाया गया है। जिसमें सौर ऊर्जा के कलपुर्जे बनाने का संयंत्र लगाने वाली कंपनी एसएईएल सोलर पी-6 प्राइवेट लिमिटेड की उस फाइल का जिक्र है, जिसमें पांच प्रतिशत कमीशन (400 करोड़) के चक्कर में लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) कम्पनी को नहीं जारी किया गया था।

अशोका फोम

SUMMER SALE

UPTO 70%

CURTAIN & SOFA FABRIC
MATTRESS & PILLOW
BED SHEET & BED COVER
TOWEL | WALL PAPER

Readymade Garments

FLAT 50% TO 80%

मिशन अस्पताल के सामने बरेली
मो. +91-9720031000

खाई में गिरी जीप, 8 की मौत

संवाददाता, पिथौरागढ़

- पिथौरागढ़ में हुआ हादसा, मृतकों में पांच महिलाएं और तीन पुरुष

अमृत विचार: पिथौरागढ़ जिले में मंगलवार शाम भीषण हादसा हो गया। तहसील देवलथल अन्तर्गत पिथौरागढ़-थल मुवानी मोटर मार्ग पर भंडारीगांव सूनी पुल के पास एक टैक्सी जीप अनियंत्रित होकर गहरी खाई में दुर्घटनाग्रस्त होकर नदी में जा गिरी। इस हादसे में पांच महिलाओं और तीन पुरुषों सहित आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे का शिकार हुए सभी लोग ग्राम बोकटा, तहसील देवलथल के निवासी हैं।

थानाध्यक्ष थल शंकर सिंह रावत ने बताया कि मंगलवार शाम करीब 5:20 बजे जीप के अनियंत्रित होकर ताड़केश्वर नदी में गिरने की सूचना मिली थी। जिसके बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही एसडीआरएफ और स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते हुए आठ लोगों के शवों को खाई से निकाला जबकि गंभीर घायल 6 व्यक्तियों को पीएचसी मुवानी में प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़ रेफर कर दिया गया।

पीएम व सीएम ने जताया शोक, राहत राशि की घोषणा : देहरादून। प्रधानमंत्री मोदी ने सड़क हादसे में मारे गये लोगों के प्रति गहरा शोक व्यक्त करते हुए परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष से सहायता की घोषणा की।

दिव्यांगजनों को राशन दुकानों के आवंटन में मिलेगा 4% आरक्षण

लखनऊ। प्रदेश में सरकारी राशन दुकानों के आवंटन में दिव्यांगजनों को तीन से बजाय चार प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। पिछड़ा वर्ग कल्याण व दिव्यांगजन राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप की अध्यक्षता में मंगलवार को योजना भवन में दिव्यांगजनों के लिए गठित राज्य सलाहकार बोर्ड की बैठक में इससे जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। साथ ही सभी विभागों में दिव्यांगजनों के खाली पद भरे जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। शिक्षण संस्थानों में छात्रों के प्रवेश में आरक्षण को चार प्रतिशत से बढ़ाकर पांच प्रतिशत किये जाने को भी मंजूरी दी गई।

- राज्य सलाहकार बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव को दी गई मंजूरी

निमिषा प्रिया की मौत की सजा टली

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- यमन में भारतीय नर्स की सजा मामले में सहायता प्रदान कर रही भारत सरकार

यमन के अधिकारियों द्वारा भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा स्थगित करने से उसके परिवार और दक्षिणी राज्य केरल के राजनीतिक नेतृत्व सहित अन्य लोगों को राहत मिली है। अब प्रिया के बचने की उम्मीद बढ़ गई है।

सूत्रों ने बताया कि भारत सरकार ने हाल के दिनों में प्रिया के परिवार को दूसरे पक्ष के साथ पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान तक पहुंचने के वास्ते अधिक समय देने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। भारतीय नर्स को बुधवार को मौत की सजा दी जानी थी। प्रिया के पति टॉमी थॉमस ने सरकार और अन्य संगठनों के सामूहिक प्रयास पर संतोष व्यक्त किया है। टॉमी थॉमस ने बताया, फांसी टाल दी गई है। यह अच्छी खबर है। हम खुश और राहत महसूस कर रहे हैं।

मुझे यकीन है कि उसकी फांसी रुकवाने और उसे सुरक्षित वापस लाने के प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने इस मुहिम में समर्थन के लिए सभी लोगों का धन्यवाद किया। थॉमस ने बताया कि उनकी एक बेटी है जो बारहवीं कक्षा में पढ़ती है और उसे इन सब चीजों से दूर रखा गया है। केरल के पलक्कड़ जिले के कोल्लेंगोडे की रहने वाली प्रिया को जुलाई 2017 में यमन के एक नागरिक की हत्या का दोषी पाया गया था।

वर्ष 2020 में, यमन की अदालत ने प्रिया को मौत की सजा सुनाई और देश की सर्वोच्च न्यायिक परिषद ने नवंबर 2023 में उनकी अपील खारिज कर दी। प्रिया (38) वर्तमान में यमन की राजधानी सना की एक जेल में बंद है, जो ईरान समर्थित हूतियों के नियंत्रण में है।

सूत्रों ने बताया कि भारत सरकार शुरू से ही इस मामले में हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है।

राहुल ने किया आत्मसमर्पण, मिली जमानत

विधि संवाददाता, लखनऊ

- सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी का मामला
- मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त को

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के लिए कथित अपमानजनक टिप्पणी के मामले में मंगलवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अदालत में आत्मसमर्पण किया। उनके अधिवक्ता प्रांशु अग्रवाल ने अदालत से जमानत पर रिहा करने की मांग की।

अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा ने यह अर्जी मंजूर करते हुए, अभियुक्त राहुल गांधी को 20 हजार रुपये की दो जमानत व इतनी ही धनराशि का निजी मुचलका दाखिल करने पर रिहा करने का आदेश दिया। साथ इस मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त के लिए नियत कर दी। राहुल के साथ यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, सीबीए के पूर्व महामंत्री संजीव पांडेय, पूर्व उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह व कांग्रेस के अन्य नेता भी मौजूद थे।

गौर है कि अदालत के समक्ष सीमा सड़क संगठन के सेवानिवृत्त निदेशक (भारतीय सेना में कर्नल के पद के समकक्ष) उदय शंकर श्रीवास्तव की ओर से एक परिवाद दाखिल कर कहा गया है कि 16 दिसंबर 2022 को राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मीडिया कर्मियों और जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा था कि चीनी सैनिकों द्वारा हमारे सैनिकों की पिटाई के बारे में एक बार भी सवाल नहीं पूछा जा रहा है'।

राहुल गांधी द्वारा भारतीय सैनिकों की चीनी सैनिकों द्वारा पिटाई के झूठे बयान से परिवादी को आघात लगा।

छात्रों के लिए दुनिया का सबसे किफायती शहर दिल्ली

क्यूएस रैंकिंग में दुनिया के शीर्ष 130 शहरों में चार भारतीय शहर

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई छात्रों के लिए दुनिया के शीर्ष 130 शहरों में शामिल हैं, वहीं राष्ट्रीय राजधानी को छात्रों के लिए वैश्विक स्तर पर सबसे किफायती शहर का दर्जा दिया गया है। मंगलवार को घोषित क्यूएस रैंकिंग से यह जानकारी मिली।

छात्रों के लिहाज से बेहतरीन शहरों की रैंकिंग में शामिल सभी चार भारतीय महानगरों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई ने अपनी स्थिति में सुधार किया है, जो भारत में उच्च शिक्षा के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है। लंदन स्थित क्यूएस द्वारा घोषित 2026 क्यूएस बेस्ट स्टूडेंट सिटीज रैंकिंग के अनुसार, मुंबई ने वैश्विक शीर्ष 100 शहरों में फिर से प्रवेश किया है और 15 स्थान ऊपर चढ़कर 98वें स्थान पर पहुंच गया है। दिल्ली सात स्थान चढ़कर 104वें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि भारतीय शहरों में बेंगलुरु सबसे ज्यादा सुधार करते हुए 22 स्थान ऊपर चढ़कर 108वें स्थान पर पहुंच गया है। चेन्नई भी उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ा है और 12 स्थान ऊपर चढ़कर 128वें स्थान पर पहुंच गया है। मुंबई और बेंगलुरु ने भी किफायती के पैमाने पर अच्छा प्रदर्शन किया है और शीर्ष 15 शहरों में शामिल हैं। नियोक्ता गतिविधि श्रेणी में, दिल्ली और मुंबई दोनों ही वैश्विक स्तर पर शीर्ष 50 में शामिल हो गए हैं, जो स्नातकों के लिए रोजगार की मजबूत संभावनाओं को दर्शाता है।

भारत की बढ़ती उपस्थिति एक सांख्यिकीय उछाल से कहीं अधिक : जेसिका टर्नर

क्यूएस की सीईओ जेसिका टर्नर ने कहा, 2026 क्यूएस बेस्ट स्टूडेंट सिटीज रैंकिंग में भारत की बढ़ती उपस्थिति एक सांख्यिकीय उछाल से कहीं अधिक है। यह देश के उच्च शिक्षा परिदृश्य में एक ढांचागत बदलाव को दर्शाती है। जैसे-जैसे हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पांचवीं वर्षगांठ के करीब पहुंच रहे हैं, वैश्विक जुड़ाव, गुणवत्ता वृद्धि और छात्र-केंद्रित शिक्षा पर इसका ध्यान अंतर्राष्ट्रीय मंच पर लाभदायक दिखने लगा है।

शीर्ष पर काबिज लंदन तीसरे स्थान पर खिसका

छह वर्षों तक शीर्ष स्थान पर रहा लंदन तीसरे स्थान पर खिसक गया, जिसका मुख्य कारण किफायती सूचकांक में उल्लेखनीय गिरावट थी, जहां यह 11 स्थान नीचे गिरकर विश्व स्तर पर 137वें स्थान पर आ गया। क्यूएस कम से कम 2,50,000 की आबादी वाले शहरों और कम से कम दो विश्वविद्यालयों को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में स्थान दिलाने वाले शहरों को रैंकिंग प्रदान करता है।

आज का मौसम

बादल छाए रहने और बारिश के आसार।

31.0⁰ अधिकतम तापमान | 23.0⁰ न्यूनतम तापमान

शहर में आज

- श्री झूलेलाल ट्रस्ट की ओर से सिन्धु नगर में स्थित श्री झूलेलाल मन्दिर में सिन्धी भजन डांडिया और सिन्धी संगीत कार्यक्रम शाम 6 बजे।
- माधोबाड़ी स्थित श्री रामायण मंदिर में तुलसी जयंती समारोह पर हरि नाम संकीर्तन शाम 7 बजे।
- विकास भवन सभागार में किसान दिवस पर बैठक दोपहर 12 बजे।
- बाबा त्रिवटीनाथ मन्दिर में मन्दिर सेवा समिति द्वारा श्री रामचरितमानस कथा शाम 5 बजे।

बहरोली-गौरी शंकर गुलड़िया मार्ग को गड्ढा मुक्त कराने की मांग

मीरगंज, अमृत विचार : गांव गोरा लोकनाथपुर के दर्जनों ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर ग्राम बहरोली से गौरी शंकर गुलड़िया तक मुख्य मार्ग को दुरुस्त कराने की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने बताया ये रास्ता बिल्कुल खराब हो चुका है। गड्ढों के कारण गांव बहरोली से गौरी शंकर गुलड़िया तक सड़क पर कीचड़ भरी हुई है, पैदल तक निकलना दूभर है। इस समय श्रावण का महीना चल रहा है, इसी मुख्य मार्ग से भारी संख्या में कांवड़िया निकलते है। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत लगातार कर रहे है, लेकिन विभाग सुनने को तैयार नही हैं। जिम्मेदार मरम्मत के नाम पर केवल ईंट भट्ठा से पीला ईंट लाकर जहां-तहां डाल देते है। सड़क पर मोटी-मोटी ईंटें पड़ी होने के कारण बाइक और व साइकिल सवार फिसलकर गिर जाते है। इस बार हम मोटी-मोटी का ईटों का विरोध करेंगे, जबकि काले रोड पर गिट्टी (कटे हुए पत्थर) डाली जाती है। आरोप है कि विभाग लगातार अपनी मनमानी करता चला आ रहा है। आम जन की तरफ कोई ध्यान नही है। पिछले 10 वर्षों से सभी क्षेत्रवासी भारी परेशानी से गुजर रहे है। सड़क में गड्ढों से कारण आवागमन बुरी तरह से प्रभावित है। यह मार्ग दो तहसीलों व राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। भारी संख्या में प्रतिदिन बड़े वाहन गुजरते है। किसी भी दिन कोई बड़ी घटना घटित हो सकती है।इस दौरान ग्राम प्रधान धर्मेंद्र चौधरी, महेन्द्र पाल, मुनीश, तेजपाल,सिराजुद्दीन, रोहित सहित समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे।

जानलेवा बने शहर के खुले नाले, नगर निगम ने बंद की आंखें

कई जगहों पर खुले नालों से हादसों का खतरा, बारिश में सबसे अधिक दिक्कत, अधिकारी बने अनजान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : लखनऊ के नाले में गिरने से पेंटर की हुई मौत की घटना से बरेली नगर निगम के अधिकारियों को भी सबक लेने की जरूरत है, क्योंकि शहर में भी खुले नाले जानलेवा बन सकते हैं। यहां भी नाले की सिल्ट को लापरवाही में डालने में सब्जी विक्रेता की दबकर मौत हो चुकी है, जबकि कुछ दिन पहले खुले स्लैब से नाले में गिरकर मासूम की मौत हो गई थी।

नालों के खुले होने से हो रहे लगातार हादसों के बाद भी नगर निगम इन्हें कवर करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। शहर भर में कई जगहों पर बड़े नाले खुले हुए हैं और इनके पास से रोजाना हजारों लोग गुजरते हैं। नगर निगम की आंखें इन खतरों के प्रति पूरी तरह बंद हैं। बरसात के मौसम में यह खतरा और भी गंभीर हो जाता है। पानी से लबालब भरे नाले सड़क के स्तर के बराबर दिखाई देते हैं, जिससे राहगीरों को यह अंदाजा नहीं लग पाता कि कहां सड़क है और कहां मौत का गड्ढा। खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह खुले नाले जान का खतरा बन चुके हैं। कई मोहल्लों में नालों के ऊपर न तो जाली है और न ही कोई चेतावनी बोर्ड। कई स्थानों पर तो फुटपाथ ही नाले का ढक्कन बना हुआ है, जो जरा सी चूक में धंस सकता है और हादसे का कारण बन सकता है।

नगर निगम की उदासीनता और लापरवाही यदि यूं ही जारी रही, तो यहां भी जानलेवा हादसा हो सकता है। शहर के बिहारीपुर से गिहार बस्ती तक नाला खुले में है और यहां पर एक जगह पर स्कूल भी है। जहां स्कूल के समय काफी भीड़ रहती है। इसको लेकर पार्षद माधवी दास ने नगर निगम से शिकायत भी की है। उन्होंने मांग की कि नाला खुला होने से हादसा हो सकता है। मिशन कंपाउंड के पास काफी दूर तक बड़ा नाला खुला हुआ है। बीसलपुर रोड पर कई जगहों पर नाला खुला है और जर्जर भी हो चुका है। पीलीभीत बाइपास रोड पर नाला जगह- जगह खुला होने से खतरे की आशंका बनी हुई है। इसके अलावा सिकलापुर, ईसाइयों की पुलिया, नगर निगम के सामने भी कई जगहों पर नाले खतरे का संकेत दे रहे हैं। इन जगहों पर काफी संख्या में लोगों का आना-जाना होता है।

गिहार बस्ती के पास खुले नाले में कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। ● अमृत विचार

मिशन अस्पताल रोड पर खुला पड़ा नाला। ● अमृत विचार

लखनऊ हादसे में लापरवाही पर पार्षद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पार्षदों की बढ़ी चिंता

लखनऊ में खुले नाले में गिरने से मौत के मामले में भाजपा पार्षद पर केस दर्ज होने के बाद स्थानीय पार्षदों में बहस छिड़ गई है। उन्हें डर सताने लगा है कि अगर इस तरह की घटना हुई बेवजह परेशान होना पड़ सकता है। भाजपा के पार्षद छंगामल मौर्य ने बताया कि नाले में गिरने से किसी की मौत होती है तो इसमें पार्षद को दोषी बनाया जाना गलत है। हम केवल प्रस्ताव दे सकते हैं, काम निगम को कराना होता है। सपा पार्षद दल के नेता गौरव सक्सेना ने बताया कि पार्षद के पास कोई निधि नहीं होती है। हम लोगों की आवाज बनकर बोर्ड बैठक में प्रस्ताव रख सकते हैं। पार्षद की जगह निर्माण विभाग को जिम्मेदार बनाना चाहिए। सिकलापुर के पार्षद जय प्रकाश राजपूत ने बताया कि करीब डेढ़ साल पहले नाले में गिरने से दो लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बाद भी अधिकारियों की नींद नहीं खुल रही है। भाजपा पार्षद व कार्यकारिणी सदस्य सतीश चंद्र कातिब मम्मा ने बताया कि खुले नालों के निर्माण की जिम्मेदारी अधिकारियों की होती है। अगर कोई घटना होती है तो इनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। पार्षद तो केवल प्रस्ताव देने का काम करता है।

शहर में 229 छोटे-बड़े नाले, कई जगह खुले

जोन एक में 44 नालों की संख्या है और करीब 26 किलोमीटर लंबाई है। जोन दो में नालों की संख्या 35 है और लंबाई 23 किमी है। जोन तीन में नालों की संख्या 42 है और लंबाई 39 किमी है। जोन चार में नालों की संख्या 59 है और लंबाई 38 किमी है।

बीसलपुर रोड पर नाले को नहीं ढका गया। ● अमृत विचार

जन सुनवाई में समस्या बताई

बरेली, अमृत विचार: नगर निगम में मंगलवार को जन सुनवाई में 10 लोगों समस्याओं को लेकर गुहार लगाई। संयुक्त नगर आयुक्त मंयक यादव की अध्यक्षता में जनसुनवाई में पुराने शहर निवासी अमन ने सड़क निर्माण के लिए प्रार्थना पत्र दिया।

बदायूं रोड निवासी मनोज कुमार ने घर के पास का नाला सफाई को लेकर शिकायत की। कुतुबखाना निवासी आशीष ने टैक्स बिल सुधार कराने की गुहार लगाई। जनसुनवाई के दौरान उप नगर आयुक्त पूजा त्रिपाठी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भानु प्रकाश, अधिशासी अभियंता राजीव राठी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नगर निगम में जनसुनवाई करते अधिकारी। ● अमृत विचार

संवेदनशील गांव से पुलिस की मौजूदगी में निकली कांवड़ यात्रा

देवरनियां, अमृत विचार: संवेदनशील गांव सिंतारा से पुलिस ने सकुशल कांवड़ यात्रा को निकलवाया। कोतवाली देवरनियां का गांव सिंतारा संवेदनशील है। यहां 2016-17 में सांप्रदायिक विवाद हो गया था। मंगलवार को 32 कांवड़ियों का जत्था हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। इस दौरान देवरनियां कोतवाली प्रभारी आशुतोष द्विवेदी भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। कांवड़ियों का जत्था 27 को हरिद्वार से जल लेकर वापस आएगा और 28 जुलाई को जलाभिषेक करेगा।

किला में 33 केवी का ब्रेकडाउन, पांच घंटे बिजली गुल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: किला क्षेत्र में मंगलवार को ब्रेकडाउन होने से पांच घंटे से अधिक समय तक आपूर्ति बाधित रही। वहीं संजय नगर में काम कराने को लेकर भी तीन घंटे से अधिक समय तक बिजली गुल रही। दोहना-बालीपुर की 33 केवी लाइन में फाल्ट होने से बिजली संकट हो गया।

किला सबस्टेशन पर परसाखेड़ा से आने वाली 33 केवी की लाइन मंगलवार सुबह ब्रेकडाउन में आ गई। जिससे पांच नंबर फीडर पर पांच घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। इसके अलावा बाकरगंज फीडर तीन घंटे बंद रहा। संजयनगर में क्षतिग्रस्त पोल को ठीक कराने के लिए सुबह 11 से लेकर दोपहर 2 बजे तक काम कराया गया। किला के जसोली नाला, दूल्हा मियां की मजार, इंग्लिश गंज, जामा मस्जिद, साहूकारा, केला बाग, अलखनाथ मंदिर, गढ़ी चौकी, सुर्खा बानखाना, जखीरा, रेती, कंघी टोला आदि जगह के उपभोक्ता बिजली कटौती से परेशान होते रहे। दोहना-बालीपुर की 33 केवी लाइन में फाल्ट होने से आपूर्ति ठप हो गई। सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक आपूर्ति नहीं मिलने से 50 हजार से अधिक उपभोक्ता परेशान हुए। सनसिटी, महानगर, दुर्गानगर, हरूनगला, डेलापीर, राजेंद्रनगर, डीडीपुरम में भी मंगलवार को बिजली संकट होने से उपभोक्ता परेशान हुए। कुतुबखाना, सुभाषनगर, सिविल लाइंस, मिशन सबस्टेशन पर फेस नहीं आने से लेकर ट्रिपिंग की समस्या रही।

- **संजयनगर में काम कराने को लेकर तीन घंटे बंद रही आपूर्ति**
- **दोहना-बालीपुर की 33 केवी लाइन में फाल्ट होने से बिजली संकट**

तीन दिन बिजली विभाग लगाएगा मेगा कैंप

बिजली विभाग की तरफ से जिले में अलग-अलग सबस्टेशन पर तीन दिन तक मेगा कैंप का आयोजन किया जाएगा। मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश ने बताया कि 17, 18 और 19 जुलाई को मेगा कैंप में नए कनेक्शन, गलत बिल में सुधार, खराब मीटर बदलने, बिल जमा करने के साथ ही बकाया बिल वसूली की जाएगी। जिसको लेकर फतेहगंज पश्चिमी, नवाबगंज, फरीदपुर, बहेड़ी, देवरनिया, किला, हरुनगला में कैंप आयोजित किए जाएंगे।

सिविल लाइंस और जगतपुर में आज रहेगा शटडाउन : शहर के कई इलाकों में काम कराने को लेकर बुधवार को आपूर्ति बाधित रहेगी। 33/11 केवी विद्युत सबस्टेशन सिविल लाइंस 2 के तहत आने वाले सिटी स्टेशन फीडर पर बंच केबल डालने का काम किया जाएगा। जिसके चलते बुधवार को कुंवरपुर तलैया, अर्क नंबर 4 के पास का क्षेत्र, बिहारीपुर, एक मीनार मस्जिद, चमन की मठिया, बिहारीपुर मेमरान, कसगरान, ढलाव बाली मठिया की विद्युत आपूर्ति सुबह 9 से शाम 4: 30 तक बाधित रहेगी। इसके अलावा जगतपुर सबस्टेशन पर स्विचयार्ड में मरम्मत का काम कराया जाएगा। जिसके चलते सुबह 10 से शाम 4 बजे तक जगतपुर, पनवड़िया, नवादा शेखान, रोहली टोला, सजन पैलेस, चक महमूद, छोटा मंदिर, सकलैन नगर, भूसे की टाल, आकाशपुरम, सतीपुर, पशुपति विहार कॉलोनी, गुलजार नगर, पंचशील नगर, सेटेलाइट रोड, आजाद नगर, राजनगर, मीरा की पेठ, सब्जीमंडी, बुखारपुरा समेत अन्य इलाकों में शटडाउन रहेगा।

सीएम ग्रिडः पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने पर फर्म पर एक लाख का जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: सीएम ग्रिड योजना के काम करने वाली कार्यदायी एजेंसी अनमोल एसोसिएट्स पर डीडीपुरम में पाइपलाइन क्षतिग्रस्त करने के मामले में नगर निगम ने एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। निर्माण विभाग ने कंपनी को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है और हिदायत दी है कि अगर फिर से किसी जगह पर पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हुई तो जुर्माना के साथ मुकदमा भी दर्ज कराया जाएगा।

सोमवार को डीडीपुरम में सीएम ग्रिड के काम के दौरान सीवर लाइन बिछाने के दौरान सड़क की खुदाई में पानी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके कारण आसपास के लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने मौके पर मुख्य अभियंता मनीष अवस्थी को भेजकर जांच कराई। जांच के दौरान फर्म की लापरवाही के कारण पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होना पाया गया। कई बार देखा गया है कि खुदाई या अन्य कार्य करते समय ठेकेदारों की लापरवाही के चलते पानी की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हुई और लाखों लीटर पानी बर्बाद हो गया। कार्यदायी एजेंसी की लापरवाही के कारण इलाके के लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ा है। इस पर कार्यदायी एजेंसी अनमोल एसोसिएट्स पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। मुख्य अभियंता मनीष अवस्थी ने बताया कि जुर्माने में पाइपलाइन मरम्मत, डीवाटरिंग करने, मजदूरी, सामान पर एक लाख रुपये का खर्च आएगा। नोटिस जारी कर फर्म को सख्त हिदायत दी गई है कि पाइप लाइन क्षतिग्रस्त की जाती है तो कार्यदायी एजेंसियों से जुर्माना वसूला जाएगा। साथ ही कंपनी के जिम्मेदारों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया जाएगा।

- **नोटिस जारी कर दी सख्त हिदायत, दोबारा क्षतिग्रस्त होने पर दर्ज होगा केस**

गर्मी में बेहाल हुए लोग तीन दिन बारिश का येलो अलर्ट

बरेली ,अमृत विचार: जिले के मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है। मंगलवार को दिनभर तेज धूप खिलने और बादल छाए रहने से लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हो गए। मौसम विभाग ने चार दिन बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया।

जिले में अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस दौरान सुबह हवा में नमी 68 प्रतिशत और शाम को 85 प्रतिशत दर्ज की गई। आंचलिक मौसम केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि आगामी तीन दिन बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।

आदर्श जोनिंग रेगुलेशन्स पर हुई चर्चा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) सभागार में मंगलवार को बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. मणिकंडन ए की अध्यक्षता में नगर के वास्तुविदों के साथ बैठक हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधि व आदर्श जोनिंग रेगुलेशन्स को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान भवन निर्माण एवं विकास उपविधि के मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया।

उपाध्यक्ष डॉ. मणिकंडन ए ने बताया कि स्वीकृत ले-आउट के अन्तर्गत 100 वर्गमीटर तक के आवासीय भूखंडों व 30 वर्गमीटर तक व्यावसायिक भूखंडों पर मानचित्र स्वीकृत कराने की अब आवश्यकता नहीं होगी। केवल आवेदक को पंजीकरण कराना होगा। इसके साथ ही प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित योजनाओं, ले-आउट योजनाओं के अन्तर्गत, लाइसेंस प्राप्त तकनीकी व्यक्तियों द्वारा स्वतः तैयार किये गये मानचित्र जिसमें 500 वर्गमीटर तक आवासीय व 200 वर्गमीटर तक के वाणिज्यिक भवन शामिल है वे शुल्कों के भुगतान पर स्वचालित रूप से अनुमोदित माने जाएंगे, लेकिन उस पर यह प्रमाण-पत्र होना आवश्यक है कि प्रस्तावित निर्माण महायोजना, क्षेत्रीय योजना और भवन उपविधियों के अनुसार हैं।

- **बीडीए की ओर से वास्तुविदों के साथ प्राधिकरण सभागार में हुई बैठक**

प्राधिकरण सभागार में बैठक लेते बीडीए उपाध्यक्ष। ● अमृत विचार

इन श्रेणियों में बढ़ा फ्लोर एरिया रेश्यो

वर्तमान में आवश्यक सैट बैक सुनिश्चित करने के बाद अधिकांश श्रेणियों में फ्लोर एरिया रेश्यो बढ़ा दिया गया है। शहर में 24 मीटर व उससे अधिक चौड़ी सड़कों पर मिश्रित भू-उपयोग लिया जा सकेगा। अधिकांश श्रेणियों में पहुंच मार्ग की न्यूनतम चौड़ाई को कम किया गया है। जैसे कृषि भू-उपयोग में 7 मीटर चौड़ी सड़कों पर उद्योग, हेरिटेज होटल, 9 मीटर चौड़ी सड़कों पर बिना शैय्या वाले चिकित्सा प्रतिष्ठान एवं प्राथमिक विद्यालय अनुमन्य किये गये हैं। साथ ही 18 मीटर चौड़ी सड़कों पर शॉपिंग मॉल की अनुमति प्रदान की गयी है। पूर्व में लागू जोनिंग रेगुलेशन्स को अवक्रमित करते हुए वर्तमान में समस्त प्राधिकरणों में समरूपता रखते हुए 16 भू-उपयोगों के अन्तर्गत रखा गया है।

आर्किटेक्ट, डॉक्टर और सीए को ये सहूलियत

बीडीए अफसरों के अनुसार महायोजना में आवासीय भूमि उपयोग के लिए चिन्हित क्षेत्रों में, 300 वर्गमीटर तक के भूखंडों पर निर्मित आवासीय भवनों के लिए लाइसेंस प्राप्त तकनीकी व्यक्ति द्वारा तैयार किये गये नक्शे आवश्यक प्रमाण-पत्रों, दस्तावेजों और समस्त देय शुल्कों का पूर्ण भुगतान करने पर अनुमोदित माने जाएंगे। बताया कि आर्किटेक्ट, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, चिकित्सक, अधिवक्ता जैसे सेवा प्रोफेशनल्स अपने कार्यालय उपयोग के लिए व नर्सरी, क्रैच व होम स्टे संचालन के लिए अपने घर का 25 प्रतिशत तक एफएआर प्रयोग में ला सकते हैं, लेकिन इसके लिए पार्किंग की व्यवस्था होना अनिवार्य है।

सफाई कर्मी पत्नी की गला रेत कर हत्या

पहले सिर पर वार करके किया लहूलुहान और फिर ब्लेड से गला रेत कर हो गया फरार

बेरहम पति

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- हत्या कर बाहर से मुख्य दरवाजा बंद कर आरोपी पति फरार
- गिरफ्तारी के लिए आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : इज्जतनगर थाना क्षेत्र के सिद्धार्थ नगर में नगर निगम की महिला सफाई कर्मी के पति ने सिर में भारी वस्तु से हमला कर उसे घायल कर दिया। इसके बाद ब्लेड से गला रेत कर हत्या कर दी। घर के मुख्य दरवाजे को बंद कर मौके से फरार हो गया। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। साथ ही मकान मालिक संतोष कश्यप की तहरीर पर आरोपी पति के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

दीपा (फाइल फोटो)।

फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र निवासी दीपा उर्फ दीपमाला (30) की शादी अशरफ खां छावनी निवासी बब्लू से हुई थी। बब्लू की पांच साल पहले मौत हो गई। पति बब्लू नगर निगम में सफाई कर्मचारी के पद पर तैनात था। दीपा की मृतक आश्रित में नौकरी लग गई। इस बीच वह मॉडल टाउन निवासी राजीव के संपर्क में आई और दोनों ने तीन साल पहले शादी कर ली। शादी के बाद 18 महीने तक दोनों सिद्धार्थनगर स्थित इसी मकान में किराये पर रहे। इसी दौरान राजीव ने पत्नी से तीन लाख रुपये उधारी के तौर पर यह कहकर लिया कि वह दिल्ली में कपड़े का व्यापार करेगा। पत्नी से तीन लाख रुपये लेकर वह दिल्ली चला गया। वापस आने पर दीपा और राजीव ने बीती 11 जुलाई को दोबारा इसी मकान को किराये पर लिया। राजीव ने सोमवार की शाम करीब सात बजे मकान मालिक को फोन किया और बताया कि किचन की लाइट नहीं जल रही है। इसके बाद वह कमरे पर पहुंचे। जहां आखिरी बार उन्होंने दीपा और राजीव को साथ देखा। मकान मालिक के अनुसार मंगलवार की सुबह कमरे का दरवाजा खुला था और कमरे में दीपा का खून से लथपथ शव पड़ा हुआ था। जानकारी मिलते ही एसपी सिटी मानुष पारीक, सीओ प्रथम पकंज श्रीवास्तव, इज्जतनगर थाना प्रभारी बिजेन्द्र सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और जांच कर साक्ष्य जुटाए। मकान मालिक की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी है।

घटनास्थल पर परिजनों से पूछताछ करते एसपी सिटी मानुष पारीक। ● अमृत विचार

बिजली विभाग का कर्मचारी पहुंचा तो हुआ खुलासा

सिद्धार्थ नगर मोहल्ले में सफाई कर्मचारी की हत्या की जानकारी सभी को उस समय हुई जब बिजली विभाग का कर्मचारी बिल बनाने के लिए घर पहुंचा और दरवाजा खटखटाया। कर्मचारी ने कई बार दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उसे कुछ संदेह हुआ तो पड़ोसियों की मदद से घर में प्रवेश कर देखा तो कमरे में महिला का लहूलुहान शव पड़ा मिला। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस को खून से सना हुआ ब्लेड मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को संदेह है कि हत्या के पीछे अवैध संबंध या फिर पारिवारिक विवाद हो सकता है। महिला को पहले पति से दो बच्चे हैं।

जानकारी होते ही बिलख पड़े बच्चे

बता दें कि दीपा के पहले पति बब्लू से दो बच्चे हैं। इनमें बेटी अनुष्का 12 साल की और बेटा 10 साल का है। दोनों शुरू से ही लखीमपुर खीरी में पढ़ाई कर रहे हैं। दोनों लंबे समय से वहीं पर हॉस्टल में रहते हैं। जैसे ही दोनों को इसकी जानकारी हुई दोनों अवाक रह गए। पुलिस के अनुसार दोनों बच्चे मां की मौत की खबर मिलते ही लगातार रोते-बिलखते रहे। दोनों बच्चे बहुत कम यहां पर आते-जाते थे।

> महिला का गला रेत कर हत्या की गई है। मकान मालिक की तहरीर पर आरोपी पति के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगाई गईं हैं। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।
> -मानुष पारीक, एसपी सिटी

अपशब्द बोलने का विरोध करने पर दो भाइयों पर फरसे से हमला, रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : अपशब्द बोलने का विरोध करने पर दो भाइयों पर फरसे से हमला कर दिया गया। पीड़ित ने0 कैंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कैंट के भौआपुर निवासी हरीराम कश्यप को 13 जुलाई को संजय अपशब्द कह रहा था।

विरोध करने पर उसने अपने भाई मुनीश और मुकेश और पिता दुलार को बुला लिया। चारों ने हरीराम को पीटना शुरू कर दिया। मुनीश ने लोहे के फरसे से हमला कर दिया। हरीराम की कलाई और होंठ पर कट लग गया। हरीराम का छोटा भाई चन्द्रसेन बचाने आया तो उसके सिर में फरसा मार दिया। इसके बाद हमलावर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। कैंट थाने में हरीराम ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

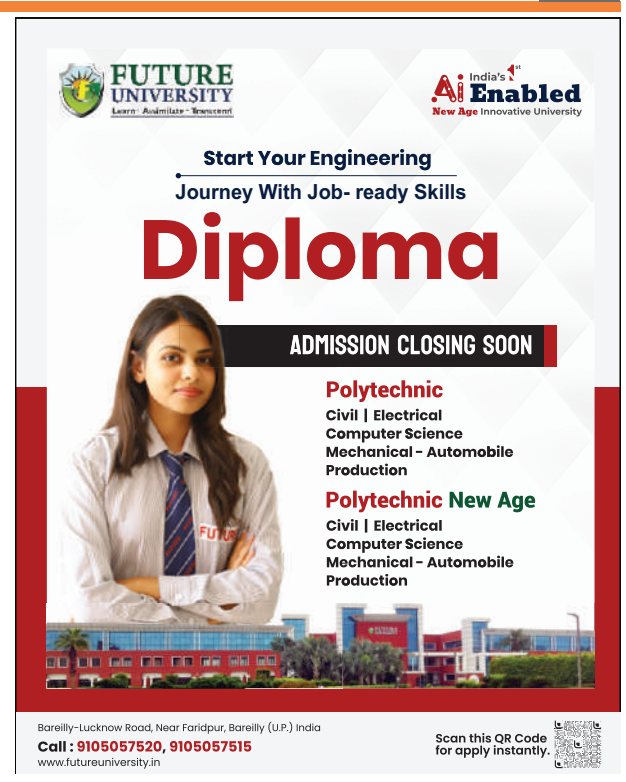

बिना टिकट पांच सवारी मिलने पर एआरएम पर भी होगी कार्रवाई

बरेली, अमृत विचार : रोडवेज की बसों में बिना टिकट यात्रा कराने के मामले में पकड़े जाने पर अब जिम्मेदारों के खिलाफ भी शिकंजा कसने की तैयारी की है। जांच के दौरान जिस एआरएम के क्षेत्र की बस में पांच या पांच से अधिक यात्री बिना टिकट यात्रा करते हुए मिलेंगे, तो संबंधित परिचालक के साथ क्षेत्र के एआरएम पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यालय से अपर प्रबंधक निदेशक राम सिंह वर्मा ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।

जिसमें स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि आरएम निर्देशों को सख्ती के साथ लागू करें। आरएम दीपक चौधरी ने बताया कि जारी आदेश में कहा गया है कि बसों में बिना टिकट यात्रा प्रकरणों की जांच में वीडियो बनाना अनिवार्य होगा। जिन प्रकरणों में मुख्यालय के स्क्वाड ने कार्रवाई नहीं की है और सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक या क्षेत्रीय स्क्वाड ने पांच से ज्यादा बिना टिकट यात्री पकड़े हैं, तो ऐसे प्रकरण में मुख्यालय के स्क्वाड को तत्काल हटा दिया जाएगा। वहीं मामले में हीलाहवाली पर क्षेत्रीय प्रवर्तन दल के कार्मिकों के खिलाफ भी कार्रवाई करते हुए अगले तीन वर्षों तक प्रवर्तन के कार्य से वंचित किया जाए।

- मुख्यालय से अपर प्रबंधक निदेशक राम सिंह ने जारी किया आदेश

चालान से बचने को फर्जी नंबर प्लेट लगाकर दौड़ा रहा था डंपर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : चालान से बचने के लिए फर्जी नंबर प्लेट लगाकर डंपर चलाया जा रहा था। बहेड़ी थाना पुलिस ने मुड़िया टोल प्लाजा के पास से आरोपी चालक को डंपर समेत गिरफ्तार कर लिया। दरोगा श्रीनाथ ने चालक और मालिक के खिलाफ थाना बहेड़ी में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

बहेड़ी थाने में तैनात दरोगा श्रीनाथ ने बताया कि वह मुड़िया टोल प्लाजा के पास कांवड़ चेक पोस्ट पर चेकिंग कर रहे थे, तभी उन्हें सूचना मिली की एक डंपर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर बहेड़ी की ओर आ रहा है। उन्होंने डंपर रोका तो उसमें आगे और पीछे की नंबर प्लेट में अंतर था। पकड़े गए चालक नौशाद निवासी दोहरिया पचदेवरा थाना भोजीपुरा से पूछताछ की तो उसने बताया कि डंपर पर करीब 3.67 लाख रुपये के चालान बकाया है। ई-चालान से बचने के लिए उसने और डंपर मालिक मोहम्मद आरिफ खां निवासी अलीनगर पदेवरा थाना भोजीपुरा ने आगे और पीछे की नंबर प्लेट में अंतर करके बदल दिया है। पुलिस ने डंपर को सीज कर दिया और चालक नौशाद को गिरफ्तार कर लिया है।

बिहार के छात्र ने मदरसे में फंदा लगाकर की आत्महत्या

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- रिश्ते में मौसी की बेटी से शादी होने की चल रही थी बात
- युवती ने किया इनकार, निराशा में उठाया आत्मघाती कदम

अमृत विचार : सीबीगंज थाना क्षेत्र स्थित मथुरापुर मदरसा जामियातुर्रजा में बिहार के कटिहार निवासी छात्र मोहम्मद ओवैस (22) ने मंगलवार को फंदा लगाकार आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मोहम्मद ओवैस के परिजनों को सूचना दे दी है।

ओवैस (फाइल फोटो)।

दरअसल बिहार के 22 वर्षीय मोहम्मद ओवैस दरगाह आला हजरत से जुड़े मदरसा जामियातुर्रजा में पिछले चार साल से रहकर दीनी तालीम की पढ़ाई कर रहे थे। दूसरे छात्रों ने मंगलवार को उनका शव हॉस्टल के कमरे में लगे पंखे के कुंडे में लटका देखा तो इसकी जानकारी शिक्षकों को दी। मदरसा प्रबंधन ने इसकी जानकारी एसएसपी अनुराग आर्य को दी। एसएसपी के निर्देश पर सीबीगंज थाना पुलिस और फील्ड यूनिट समेत सीओ द्वितीय अजय कुमार ने घटनास्थल पर पहुंच कर निरीक्षण किया। मामले की जानकारी बिहार में मौजूद छात्र के परिजनों को दी गई है। उसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया कि छात्र की शादी उसके रिश्ते की मौसी की बेटी से तय हुई थी। लड़की ने दो दिन पहले शादी करने से इनकार कर दिया। उसी दिन से छात्र मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। ओवैस ने मंगलवार की सुबह सात बजे लगने वाली क्लास भी अटेंड नहीं की और अपने रूम में ही रुका रहा। बताया जा रहा है कि 9:30 के बाद बच्चे दोबारा जब उसके कमरे में पहुंचे तो रूम का दरवाजा अंदर से बंद था।

साथी छात्रों ने इसकी जानकारी शिक्षकों को दी। मौके पर पहुंचे मदरसा प्रबंधन के लोगों ने दरवाजा तोड़कर देखा तो वह फंदे पर लटका मिला। सीओ द्वितीय अजय कुमार ने बताया कि छात्र की शादी तय हुई थी। युवती ने शादी करने से इनकार कर दिया। इसके कारण वह दो दिनों से परेशान चल रहा था और मानसिक अवसाद में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है।

बरेली जंक्शन के प्लेटफार्म पांच पर गंदगी का अंबार

बरेली, अमृत विचार : बरेली जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर पांच पर गंदगी का अंबार यात्रियों के लिए मुसीबत बना हुआ है। एनईआर खंड के अंतर्गत आने वाले इस प्लेटफार्म पर सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। यात्रियों का कहना है कि प्लेटफार्म पर जमे कूड़े-कचरे, पानी और बदबू से सफर करना दूभर हो गया है। यात्रियों ने बताया कि वहां पर न तो नियमित रूप से सफाई होती है और सार्वजनिक शौचालयों के आसपास भी गंदगी पसरी रहती है।

छापा : गोदाम में 19 बोरो में भरी मिली एक्सपायर स्वीट सुपारी जब्त

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- डोहरा रोड पर बिना खाद्य लाइसेंस के चलाई जा रही थी एजेंसी
- एफएसडीए की टीम ने की छापेमारी 34 हजार आंकी है कीमत

अमृत विचार : एफएसडीए की टीम ने मंगलवार को शिकायत मिलने पर गोदाम पर छापा मारकर 19 बोरी एक्सपायरी स्वीट सुपारी मिली। मौके पर मिली स्वीट सुपारी कई माह पहले एक्सपायर हो चुकी थी। टीम ने इन बोरियों को जब्त कर संबंधित संचालक के खिलाफ वाद दायर करने की तैयारी कर ली है।

मौके पर मिली स्वीट सुपारी।

जांच करती एफएसडीए की टीम।

एफएसडीए के सहायक आयुक्त द्वितीय अपूर्व श्रीवास्तव ने बताया कि विभाग को मिली सूचना के आधार पर शहर के डोहरा रोड स्थित रामगंगा नगर कॉलोनी में मैसर्स एफएमसीजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पर टीम ने छापेमारी की। इस दौरान यहां पैक्ड राधिका स्वीट सुपारी से भरी 19 बोरियां मिलीं। इसमें भरी सुपारी के पैकेट की जांच की तो ये कई माह पूर्व एक्सपायर हो चुकी थीं। जांच में पता चला कि इस कंपनी के नाम से खाद्य पदार्थ संबंधी लाइसेंस भी नहीं लिया गया है। जिस ब्रांड की सुपारी भंडारित मिली है ये कोलकाता का ब्रांड है, यहां इसकी एजेंसी संचालित है। वहीं शहर से लेकर देहात तक इसकी सप्लाई होती है। टीम ने माल को जब्त कर संचालक युगांश बिसारिया पुत्र युगदीप बिसारिया निवासी शिव गार्डन कॉलोनी पर कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी टीम में सहायक आयुक्त द्वितीय अपूर्व श्रीवास्तव, खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र कुमार, अनिल प्रताप सिंह, तेज बहादुर सिंह व इंद्रजीत सिंह समेत राज्य व्यापार कर के अधिकारी भी शामिल रहे।

अस्पताल में किशोरी से छेड़छाड़ करने वाला डॉक्टर गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पुलिस ने डॉक्टर को कोर्ट में पेश कर भेजा जेल

अमृत विचार : यूनिवर्स अस्पताल में भर्ती किशोरी से छेड़छाड़ और दुष्कर्म की कोशिश के आरोपी जोगीनवादा निवासी डॉक्टर नईम को थाना इज्जतनगर पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

थाना क्षेत्र निवासी युवक ने बताया कि उसकी बहन बीमार थी। उसे गुरुवार को पीरबहोड़ा स्थित यूनिवर्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। वह शुक्रवार को बहन को अस्पताल से छुट्टी दिलाकर घर लाया। जहां पर बहन ने रोते हुए बताया कि अस्पताल में शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे डॉक्टर नईम ने उसके साथ छेड़छाड़ की और दुष्कर्म करने की कोशिश की। पुलिस आरोपी डॉक्टर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश कर रही थी। इसी बीच जानकारी हुई कि आरोपी डॉक्टर नईम अली डेलापीर के पास सौ फुटा रोड स्थित बाग के पास मौजूद है। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि घटना के दिन वह अस्पताल में ड्यूटी पर था। पीड़िता आईसीयू में भर्ती थी और जब वह अकेली दिखी तो उस पर नीयत खराब हो गई और उसने गलत हरकत की।

गिरफ्तार आरोपी डॉक्टर नईम अली।

पड़ोसी ने पालतू कुत्ते को कंकड़ मारने पर फोड़ी बच्ची की आंख

आंवला, अमृत विचार : पालतू कुत्ते के भौंकने पर पांच साल की बच्ची ने कंकड़ उठाकर मार दिया, इससे नाराज मालिक ने परिजनों के साथ मिलकर बच्ची को घर में घुसकर पीट दिया। आरोप है बच्ची की आंख लकड़ी लगने से फूट गई। परिजनों ने लगभग एक माह तक इलाज कराया, जब डॉक्टर ने पूरी तरह आंख खत्म होने की बात कहते हुए इलाज कराने से मना कर दिया तब उसके पिता ने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज कराई।

फुलासी गांव निवासी हरीश कुमार ने बताया 18 जून को उसकी पांच वर्षीय बेटी अलका घर के सामने दरवाजे पर खेल रही थी। इसी बीच मोहल्ले के मदन लाल का पालतू कुत्ता आ गया। उसकी बेटी को भौंकने लगा, उसने काटने के डर से छोटा सा एक कंकड़ उसे मार दिया। इससे नाराज होकर मदन लाल, उसके बेटे मोरपाल, बेटी सीमा ने घर में घुसकर उसकी बेटी को मारा पीटा। हरीश कुमार ने आरोप लगाया मोरपाल ने उसकी बेटी की आंख में लकड़ी मार दी। जिससे उसकी आंख फूट गई। उससे दिखना बंद हो गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज की है।

- इलाज के बाद भी आंख की रोशनी वापस न आने दर्ज कराई रिपोर्ट

रोड पर लाइटें न जलने से दिक्कत

बरेली, अमृत विचार: सेटेलाइट से नकटिया तक सड़क किनारे लगी लाइटें काफी समय से नहीं जल रही हैं। रात में अंधेरे में वाहन चालकों को काफी दिक्कत हो रही है। कई बार हादसे भी हो चुके हैं।

जेटीबीएस से टिकट खरीदने पर वसूला जा रहा अतिरिक्त शुल्क

बरेली, अमृत विचार : रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए तैनात किए गए जनसाधारण टिकट बुकिंग सेवक (जेटीबीएस) अब यात्रियों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। बरेली जंक्शन पर स्थित रेलवे आरक्षण काउंटर के बाहर लगी दो जेटीबीएस टिकट निकालने पर यात्रियों से अनधिकृत रूप से अतिरिक्त शुल्क वसूला जा रहा है।

रेलवे की व्यवस्था के अनुसार, यदि कोई एजेंट जेटीबीएस से यात्री का टिकट निकालता है, तो उसे रेलवे से प्रति टिकट दो रुपये का कमीशन प्राप्त होता है, लेकिन रेलवे स्टेशन पर तैनात एजेंट्स यात्रियों से 3 से 5 रुपये तक अतिरिक्त ले रहे हैं, वह भी बिना रसीद या स्पष्टीकरण के। यात्रियों को छुट्टे पैसे न होने की बात कहकर अतिरिक्त धनराशि वसूल ली जाती है।

स्थानीय यात्रियों का कहना है कि जेटीबीएस एजेंटों द्वारा किया जा रहा है और स्वचालित प्रणाली का लाभ आम लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा। कई यात्री जब स्वयं मशीन से टिकट लेने की कोशिश करते हैं, तो एजेंट उन्हें रोककर यह कह देते हैं कि मशीन खराब है या सिर्फ एजेंट्स के लिए है। इससे यात्रियों को मजबूरी में अतिरिक्त पैसे देकर टिकट लेना पड़ता है। मशीनें पूरी तरह आम जनता के लिए हैं और यात्रियों को स्वयं भी इनसे टिकट निकालने की सुविधा है। मशीन से टिकट लेने पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होता, सिवाय उस स्थिति के जब एजेंट टिकट निकालता है और उसे दो रुपये का निर्धारित कमीशन मिलता है।

- रेलवे ने एजेंट्स के लिए तय किया है दो रुपये कमीशन, यात्रियों का हो रहा आर्थिक शोषण

ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्रियों को करना पड़ा लंबा इंतजार

बरेली, अमृत विचार : बरेली जंक्शन पर मंगलवार को कई प्रमुख ट्रेनें अपने निर्धारित समय से घंटों की देरी से पहुंचीं, जिससे यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ा। उधमपुर से चलने वाली 03221 उधमपुर स्पेशल स्पेशल जंक्शन पर चार घंटे की देरी से पहुंची। कई यात्री जो दूसरे रूट की कनेक्टिंग ट्रेनों के इंतजार में थे, उन्हें ट्रेन के लेट होने की वजह से खासी परेशानी उठानी पड़ी। वहीं, 12203 अमृतसर गरीब रथ भी दो घंटे 30 मिनट की देरी से स्टेशन पहुंची। इस ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों ने बताया कि उन्हें यात्रा के दौरान समय-सूचना भी स्पष्ट रूप से नहीं दी गई। इसी तरह 15909 अवध असम एक्सप्रेस भी 30 मिनट लेट पहुंची। इसके अलावा 05580 सहरसा स्पेशल ट्रेन भी चार घंटे की देरी से पहुंची। रेलवे सूत्रों के मुताबिक ट्रेनों की लेटलतीफी का कारण रूट पर ट्रैफिक अधिक होना और कुछ जगहों पर तकनीकी समस्याएं रही हैं।

सपा नेता समर्थ मिश्रा पर मारपीट की रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : सपा के कैंट विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष रोहित राजपूत के घर में घुसकर मारपीट के मामले में थाना बारादरी पुलिस ने सपा नेता समर्थ मिश्रा समेत 10 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रविवार को समाजवादी पार्टी की पीडीए की बैठक के दौरान समर्थ मिश्रा की कैंट विधानसभा अध्यक्ष रोहित राजपूत से झड़प हो गई। आरोप है कि शाम को समर्थ मिश्रा के कुछ लोग कालीबाड़ी निवासी रोहित राजपूत के मुहल्ले में आए तो उन्हें घर से बाहर बुलाया। रोहित को देखते ही उन्हें जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से पीटा। रोहित का आरोप है कि आरोपियों में से एक युवक के पास रिवाल्वर थी जिसे लहराते हुए वह उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि जो भी अज्ञात लोग आए थे उन्हें उन्होंने पीडीए की बैठक में शामिल सपा नेता समर्थ मिश्रा के साथ देखा था।

तत्काल टिकट लेने के साथ ही आधार कार्ड से ही वेरीफाई होगी यात्रा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- क्यूआर कोड स्कैन करेंगे टीटीई आधार कार्ड दिखाना होगा अनिवार्य
- तत्काल टिकट के लिए आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर से मिल रहा टिकट

अमृत विचार : रेलवे यात्रियों की पहचान की पुष्टि और टिकटिंग व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली में बड़ा बदलाव किया है। अब तत्काल टिकट बुक कराने वाले यात्रियों को यात्रा के दौरान अनिवार्य रूप से आधार कार्ड वेरिफिकेशन कराना होगा।

नई व्यवस्था के तहत तत्काल टिकट सिर्फ उसी मोबाइल नंबर से बुक किया जा सकेगा जो आधार कार्ड से लिंक्ड होगा। टिकट बुकिंग के समय ही यात्री की जानकारी आधार से सत्यापित होगी और टिकट पर दर्ज क्यूआर कोड में यात्री का पहचान विवरण एन्क्रिप्टेड रूप में दर्ज रहेगा। यात्रा के दौरान टीटीई उसी क्यूआर कोड को स्कैन कर यात्री की पहचान और टिकट की वैधता की पुष्टि करेंगे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस प्रणाली का उद्देश्य टिकट दलालों और फर्जी यात्रियों पर अंकुश लगाना, तत्काल टिकटों की काला बाज़ारी रोकना और यात्रियों की सुरक्षा को और पुख्ता करना है। इस बदलाव से फर्जी आईडी के ज़रिये टिकट बुक कर ट्रेन में यात्रा करने वालों पर भी शिकंजा कसेगा।

इसके साथ ही यात्री को यात्रा के दौरान मूल आधार कार्ड अथवा उसका डिजिलॉकर वर्जन साथ रखना अनिवार्य होगा, ताकि संदेह की स्थिति में तुरंत सत्यापन किया जा सके। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि रेलवे बोर्ड के निर्देश पर यह व्यवस्था चरणबद्ध तरीके से देशभर के सभी ज़ोन में लागू की जा रही है।

प्लेट की जरूरत होगी न रॉड की, पशुओं के लिए बोन ग्लू बनेगा मददगार

प्रधान वैज्ञानिक डा. रेखा का दावा- 15 दिन में दिखता है असर, 25 दिन में पूरी तरह स्वस्थ हो जाता पशु

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आईवीआरआई को कई टुकड़ों में टूटी पशुओं की हड्डी को इस ग्लू से जोड़ने में मिली सफलता

अमृत विचार : भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) ने भैंस के टिश्यू (ऊतकों) से बोन ग्लू तैयार करने में सफलता हासिल की है। यह ग्लू पशुओं की कई टुकड़ों में टूटी हड्डियों को जोड़ने में मदद करेगा। ऐसे में पशुओं के फ्रैक्चर के इलाज में न प्लेट की जरूरत पड़ेगी और न ही रॉड की। 10 किलो से कम वजन के पशुओं पर इसका सफल प्रयोग होने पर संस्थान इसका पेटेंट कराने की तैयारी कर चुका है ताकि पशु चिकित्सक भी इसका उपयोग कर सकें। वहीं, दावा किया जा रहा है कि संस्थान की यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो हादसे में घायल पशुओं के इलाज में क्रांति ला सकती है।

आईवीआरआई की प्रधान वैज्ञानिक डा. रेखा पाठक ने वर्ष 2012 में इस पर शोध शुरू किया था। उन्होंने खरगोश, गिनी पिग और कम वजन के कुत्ते पर प्रयोग किया। उन्होंने ऑपरेशन के अलग-अलग कई जगहों से टूटी हड्डियों के टुकड़ों को एक उचित स्थान पर रखने के बाद अंदर और बाहर से बोन ग्लू भरा जो धीरे-धीरे सख्त परत में बदलता गया। 21 से 25 दिन के अंदर तीनों पशुओं की हड्डियों के टुकड़े पहले की तरह जुड़ गए। प्लास्टर कटने के बाद सभी सामान्य रूप से चलने लगे।

डा. रेखा ने बताया कि बोन ग्लू के 15 दिन में परिणाम आने लगते हैं। वह आगे भी इस पर शोध कर रही हैं ताकि इसके और भी अधिक अनुप्रयोगों के लिए विकसित किया जा सके। दावा किया कि इस बोन ग्लू का उपयोग करके पशुओं के इलाज की लागत भी कम की जा सकती है, जिससे पशुपालकों को आर्थिक लाभ हो सकता है।

जम्मू और जबलपुर में भी हुआ सफल परीक्षण

प्रधान वैज्ञानिक डा. रेखा बताती हैं कि यह बोन ग्लू हादसा या किन्हीं अन्य कारण से पशु की हड्डी के कई छोटे-छोटे टुकड़े होने पर उसे जोड़ने में सक्षम है। स्थानीय स्तर पर पशुओं की हड्डी जोड़ने के सफल परीक्षण के बाद जम्मू और जबलपुर के वेटरिनरी कॉलेज में भी बोन ग्लू से पशुओं की हड्डियां ठीक की गईं। कहा दस किलो से कम वजन के पशुओं में इसके शत प्रतिशत परिणाम आए हैं, जबकि वजन अधिक होने पर बड़े पशुओं की हड्डी के ऑपरेशन के दौरान प्लेट-स्क्रू लगाने पड़े।

सार-संक्षेप

पेड़ लगाएं और पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी बढ़ाएं

बरेली ,अमृत विचार : इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के चैप्टर चेयरमैन मयूर धीरवानी, आईआईए यंगप्रेन्योर सेल के कैप्टन धनंजय विक्रम सिंह की टीम ने बरेली कैंट बोर्ड के सीईओ रवींद्र नांदल के साथ मंगलवार को एमईएस गैरिसन इंजीनियर कार्यालय के सामने स्थित मैदान में पौधरोपण किया। मयूर धीरवानी ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग से धरती को बचाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी सुरक्षा का संकल्प लेना चाहिए। कैंट बोर्ड सीईओ रवींद्र नांदल ने कहा कि वृक्ष न केवल हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं बल्कि वे मिट्टी के संरक्षण को रोकने, जल चक्र को बनाए रखने और जैव विविधता को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चैप्टर सचिव रजत मेहरोत्रा और धनंजय विक्रम सिंह ने कहा कि सभी सदस्य अपने आसपास के क्षेत्रों में पौधे अवश्य लगाएं। हम सब मिलकर एक हरित भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें। इस कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष आशीष गुप्ता, तनुज भसीन, शेखर अग्रवाल, राजीव आनन्द, आनन्द प्रकाश, ऋषभ दीक्षित, डॉ. विनोद पागरानी, प्रियांक, विवेक शर्मा, अतुल सक्सेना आदि सदस्य उपस्थित रहे।

नवम हरेला महोत्सव का आयोजन 20 को

बरेली, अमृत विचार : अखिल भारतीय उत्तराखंड महासभा इकाई की बैठक मंगलवार को दामोदर लोहानी की अध्यक्षता में विद्युत निरीक्षण भवन में हुई। अखिल भारतीय उत्तराखंड महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद घिल्डियाल ने बताया कि नवम हरेला महोत्सव 20 जुलाई को सरस्वती शिशु मंदिर सीबीगंज में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरेला उत्तराखंड का पर्यावरण से संबंधित त्योहार है। 16 जुलाई को सीबीगंज स्थित प्राचीन शिव मंदिर रेलवे कॉलोनी में रुद्राभिषेक का आयोजन किया जाएगा। वहीं महासभा द्वारा पौधरोपण भी किया जाएगा। महासभा के बरेली इकाई के महासचिव चंदन सिंह नेगी ने बताया कि नवम हरेला महोत्सव में डीएफओ दीक्षा भंडारी को उत्तराखंड गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में नगर निगम के उपसभापति नरेंद्र सिंह का अभिनंदन किया जाएगा। उत्तराखंड के प्रतिभाशाली बच्चों, वृद्ध जनों, वृक्ष मित्रों का सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा। महासभा के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह देवलिया ने कहा कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार होंगे और अध्यक्षता मेयर डॉ. उमेश गौतम करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अनिल सक्सेना (एडवोकेट), कर्नल एमसी पंत, डॉ. दीप पंत, राजन श्रीवास्तव रहेंगे। बैठक में गोपाल सिंह महरा, सतीश मैथानी, दीवानी चंद, हेमंत डिमरी, पुष्कर सिंह राणा, पुष्कर सिंह बोहरा, सुभाष डोभाल, प्रमोद कुमार पंत, उमेश बनवाल, भुवनेश घिल्डियाल, केसी जोशी, कुंवर सिंह बिष्ट, मोहन सिंह रावत, तारा पांडे, महर्षि घिल्डियाल अवनीत सिंह नेगी भाष्कर रावत आदि ने विचार व्यक्त किए।

मीटर लगाने के विरोध में विद्युत पेंशनर्स का धरना कल

बरेली, अमृत विचार : विद्युत पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से मंगलवार को निरीक्षण भवन में बैठक की गई। न किया गया। बैठक की अध्यक्षता ओडी यादव ने की। बैठक में पेंशनर्स की समस्याओं पर चर्चा की गई और लंबे समय से पेंशनर्स की मांग पूरी नहीं होने पर विरोध जताया गया। सचिव ओमदेव बरतरिया ने कहा कि बिजली कर्मचारी और अधिकारियों के मकान पर मीटर लगाए जाने के विरोध में पेंशनर्स 17 जुलाई को सुबह 11 बजे सर्किट हाउस स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। बैठक में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति मध्यांचल के राजेन्द्र प्रसाद घिल्डियाल, संयोजक विपुल शुक्ला, अशरफी सिंह, राधेश्याम, एमएस आदिल, अमजद अली, केके महेश्वरी, अशोक गुप्ता, सुधीर माथुर, नरेश सिंह, महेंद्र प्रसाद समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

आशीष रॉयल पार्क कॉलोनी में किया पौधरोपण

बरेली, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी का मंगलवार को आशीष रॉयल पार्क कॉलोनी में अनिल अग्रवाल और सपना अग्रवाल के निवास पर क्षेत्रवासियों ने अभिनंदन किया। इस अवसर कॉलोनी के पार्क में उपाध्यक्ष ने ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत पौधरोपण किया। उप्र उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय वैश्य फेडरेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने अखिल भारतीय वैश्य फेडरेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद चौधरी का स्वागत किया। क्षेत्र की महिलाओं ने पटका पहनाकर एवं स्मृति चिह्न देकर उपाध्यक्ष का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य वन संरक्षक पीपी सिंह, सुनील कुमार, महेश चंद्र अग्रवाल, मंजू यादव, प्रीति लावण्या, ममता अग्रवाल आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

स्नातक में प्रवेश की तिथि बढ़ी, द्वितीय चरण के आवेदन 20 तक

रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने प्रवेश की अंतिम तिथि 25 जुलाई की निर्धारित

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों में सत्र 2025-26 के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए तिथि बढ़ा दी है। द्वितीय चरण में पंजीकरण 20 जुलाई तक होंगे।

स्नातक में प्रवेश के लिए 20 मई से पंजीकरण हो रहे हैं। विश्वविद्यालय ने प्रथम चरण में 30 जून तक पंजीकृत विद्यार्थियों के मेरिट जारी कर प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की थी। इसके बावजूद काफी संख्या में पंजीकृत विद्यार्थी प्रवेश लेने से रह गए। इसकी वजह से विश्वविद्यालय ने मंगलवार को तिथि विस्तारित कर दी। कुलसचिव संजीव कुमार के मुताबिक विद्यार्थियों को द्वितीय चरण में 20 जुलाई तक 150 रुपये शुल्क जमा कर पंजीकरण कराना होगा। प्रथम चरण में 30 जून तक पंजीकृत विद्यार्थियों के महाविद्यालयों को 20 जुलाई तक मेरिट जारी कर प्रवेश लेना होगा। प्रथम चरण के वंचित और द्वितीय चरण में पंजीकृत छात्रों के प्रवेश महाविद्यालयों को मेरिट जारी कर 22 से 25 जुलाई तक लेने होंगे।

विद्यार्थियों ने तिथि बढ़ाने की मांग की

बरेली कॉलेज में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लगभग पूरे हो चुके हैं। बीए, बीकॉम और बीएससी जीव विज्ञान की नाममात्र सीटें ही बची हैं। मेरिट में शामिल विद्यार्थी जो किसी कारण से प्रवेश नहीं ले सके हैं, वे परेशान हो रहे हैं। मंगलवार को करीब 20-22 विद्यार्थी पहुंचे और उन्होंने तिथि बढ़ाकर प्रवेश लेने की मांग की। सछास के कार्यकर्ताओं ने भी प्रवेश समिति से तिथि बढ़ाने की मांग की। कॉलेज की ओर से इस संबंध में विश्वविद्यालय को पत्र लिखने का आश्वासन दिया गया।

बरेली कॉलेज में आज से लगेंगी कक्षाएं

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में सत्र 2025-26 की कक्षाएं 16 जुलाई से शुरू हो जाएंगी। प्राचार्य प्रो. ओपी राय ने आदेश दिया कि सभी विभाग प्रभारी और शिक्षक निर्धारित तिथि से कक्षाओं का संचालन शुरू करें और इसकी सूचना अपने स्तर से भी दूसरे शिक्षकों को दें। इसके अलावा अपने विषय के वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से विद्यार्थियों को इसकी सूचना दें।

छात्राओं ने प्रवेश की सूचना न देने का आरोप लगा किया हंगामा

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में मंगलवार को तीन छात्राओं ने मेरिट में नाम न आने की सूचना न देने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। प्रवेश समिति ने छात्राओं को समझाकर उनकी अप्लीकेशन ली और रिक्त सीटों की उपलब्धता के आधार पर प्रवेश का आश्वासन दिया।

बीए की दो और बीकॉम की एक छात्रा मंगलवार को सेमिनार हाल में पहुंची और हंगामा करने लगीं। छात्राओं ने आरोप लगाया कि उनका पोर्टल पर मेरिट में नाम न शामिल होने का स्टेट्स दिखा रहा जबकि उनसे कम अंक वालों के मेरिट के आधार पर प्रवेश ले लिए गए। उन्हें कॉलेज की ओर से मेरिट में शामिल होने की कोई जानकारी भी नहीं दी गई। उन्हें किसी तरह से पता चला तो वह तीन दिन पहले प्रवेश की जानकारी लेने आईं लेकिन उन्हें कोई सही जानकारी नहीं दी गई। प्रवेश समिति ने छात्राओं की समस्या सुनी और समाधान का आश्वासन दिया। जब समिति ने छात्राओं का स्टेट्स चेक किया तो पता चला कि इन छात्राओं के 12वीं की मार्कशीट बोर्ड के पोर्टल पर सत्यापन के दौरान शो नहीं हुई थी। इस संबंध में करीब 150 विद्यार्थियों को 3 जुलाई को मेसेज भेजे गए थे। अधिकांश विद्यार्थियों ने अपनी मूल अंकपत्र समिति के समक्ष पेश कर दिए और उन्हें मेरिट में शामिल कर लिया गया। छात्राओं के पास मेसेज क्यों नहीं पहुंचा, यह कहना मुश्किल है। हो सकता है कि उनके मोबाइल में डीएनडी लगा हो या फिर नेटवर्क की कोई दिक्कत हो।

बरेली कॉलेज में हंगामा करतीं छात्राओं को समझाता स्टाफ। ● अमृत विचार

रीजनिंग के सवालों में उलझे अभ्यर्थी

एलएलबी प्रवेश परीक्षा में 90 फीसदी अभ्यर्थी हुए उपस्थित, एमएड और एलएलएम की भी परीक्षा

बरेली कॉलेज से एलएलबी की प्रवेश परीक्षा देकर बाहर आते अभ्यर्थी।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय की एलएलबी, एलएलएम और एमएड प्रवेश परीक्षा मंगलवार को विश्वविद्यालय परिसर और बरेली कॉलेज के सात केंद्रों पर संपन्न हुई। एलएलबी की परीक्षा में अभ्यर्थी रीजनिंग के सवालों में कुछ उलझे, बाकी पेपर आसान रहा। एलएलएम में सबसे अधिक 89.55 अभ्यर्थी उपस्थित और 10.45 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं एलएलबी में 87.5 प्रतिशत उपस्थित और 12.5 प्रतिशत अनुपस्थित और एमएड में सबसे कम 73.12 उपस्थित और 26.88 अनुपस्थित रहे। तीनों परीक्षाओं में 87 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित और 13 प्रतिशत अनुपस्थित रहे।

एलएलबी की प्रवेश परीक्षा बरेली कॉलेज में चार केंद्रों पर और एलएलएम की रुहेलखंड विश्वविद्यालय के दो केंद्रों पर सुबह 9 से 10:30 बजे की पाली में हुई। इसके अलावा एमएड की प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर में एक केंद्र पर दोपहर 1 से 2:30 बजे की पाली में हुई।

एलएलएम में पंजीकृत 852 अभ्यर्थियों में से 763 उपस्थित और 89 अनुपस्थित रहे। एलएलबी में 2126 अभ्यर्थियों में से 1860 उपस्थित और 266 अनुपस्थित रहे। इसके अलावा एमएड में 253 अभ्यर्थियों में से 185 उपस्थित और 68 अनुपस्थित रहे।

परीक्षा के दौरान बंद कर दिए गए गेट : बरेली कॉलेज और विश्वविद्यालय परिसर में परीक्षा के दौरान काफी सख्ती बरती गई। बरेली कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर प्रो. आलोक खरे ने बताया कि सुबह 9 से 10:30 बजे तक कॉलेज के सभी गेट बंद कर दिए गए। इस दौरान किसी को भी प्रवेश नहीं दिया गया। कुछ लोग गेट के बाहर खड़े रहे। वहीं विश्वविद्यालय परिसर में भी अभ्यर्थियों को मेन गेट से प्रवेश दिया गया। इसके बाद तीन नंबर गेट को पूरी तरह से बंद कर दिया गया।

कुछ सवाल मुश्किल थे

पेपर उम्मीद के मुताबिक आया था। मैंने अच्छी तरह से तैयारी की थी। रीजनिंग के सवाल काफी आसान थे। -अमित यादव

रीजनिंग से जुड़े कुछ सवाल थोड़े मुश्किल थे लेकिन अधिकांश मेरी उम्मीद के मुताबिक थे। निर्धारित समय में सभी प्रश्न हल कर लिए। -अनम बी

-मैं कंप्टीशन की तैयारी कर रहा हूं। ज्यादातर सवालों के जवाब आसानी से दिए। कुछ सवाल थोड़े मुश्किल थे। अब बस परिणाम का इंतजार है। -रमन

अंग्रेजी के कुछ सवाल उलझाऊ थे, चूंकि पहले से तैयार कर रखी थी, इसलिए पेपर अच्छा हुआ है। किसी तरह की समस्या नहीं हुई। -बीडी आजाद

बीएससी कृषि ऑनर्स में पहली बार में ही मेरिट जाएगी हाई

- रुहेलखंड विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए 600 विद्यार्थियों ने किया है आवेदन
- समर्थ पोर्टल से डेटा अपडेट होने के बाद अगले सप्ताह में जारी हो सकती है मेरिट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय परिसर में बीएससी कृषि ऑनर्स और एमएससी के पाठ्यक्रमों में सत्र 2025-26 में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हुई है। पहली ही बार में सीटों के सापेक्ष काफी अधिक आवेदन आए हैं। बीएससी कृषि ऑनर्स के चार वर्षीय पाठ्यक्रम में 10 जुलाई तक प्रवेश पंजीकरण हुए, जिसमें 600 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। समर्थ पोर्टल पर विद्यार्थियों का डेटा अपडेट होने के बाद अगले सप्ताह मेरिट जारी करने की तैयारी चल रही है। सीटों के सापेक्ष अधिक आवेदन आने की वजह से पहली बार में ही मेरिट हाई जाएगी।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में पहली बार कृषि संकाय के तहत पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हुई है। रुहेलखंड विश्वविद्यालय परिसर पहला राज्य विश्वविद्यालय है, जहां कृषि पाठ्यक्रमों में पढ़ाई शुरू हुई है। इससे पहले कृषि विश्वविद्यालयों में ही पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को बरेली से दो सौ किलोमीटर से अधिक दूरी पर पढ़ाई करने के लिए जाना पड़ता था।

पहली बार में बीएससी कृषि ऑनर्स के चार वर्षीय पाठ्यक्रम में पहले 120 सीटों पर प्रवेश लेने की तैयारी थी लेकिन अब भवन बनकर तैयार हो जाएगा, ऐसे में 100 सीटों और बढ़ाई जाएंगी। वहीं एमएससी कृषि में एग्रोनॉमी, जेनेटिक एंड प्लांट ब्रीडिंग और हॉर्टिकल्चर में 30-30 सीटें हैं।

कृषि संकायाध्यक्ष प्रो. उपेंद्र कुमार ने बताया कि बीएससी कृषि ऑनर्स में प्रवेश के लिए 10 जुलाई तक 600 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है। एमएससी पाठ्यक्रमों में अभी पंजीकरण चल रहे हैं। बीएससी कृषि की अगले सप्ताह तक मेरिट जारी कर प्रवेश करने की तैयारी है।

एमबीबीएस चुनौती मूल्यांकन के फार्म कल से भरे जाएंगे

- 23 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन के साथ 25 सौ रुपये शुल्क जमा करना होगा

बरेली, अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने एमबीबीएस तृतीय प्रोफेशनल भाग-2 की मुख्य परीक्षा 2025 की उत्तर पुस्तिकाओं के चुनौती मूल्यांकन के द्वितीय चरण के फार्म भरने की तिथि निर्धारित कर दी है। विद्यार्थियों को 17 से 23 जुलाई तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके लिए आवेदन शुल्क 25 सौ रुपये जमा करना होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र के चुनौती मूल्यांकन के दूसरे चरण के लिए कम से कम चार विषय विशेषज्ञों यानी परीक्षकों की एक नामावली संबंधित विभागाध्यक्ष के माध्यम से परीक्षा नियंत्रक की ओर से कुलपति को प्रस्तुत की जाएगी। चुनौती मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नामित किन्हीं दो विषय विशेषज्ञों से करवाया जाएगा। विषय विशेषज्ञ को नामित करने का कार्य कुलपति या कुलपति की ओर से गठित समिति की ओर से किया जाएगा। उत्तर पुस्तिका को विषय विशेषज्ञ के सम्मुख उपस्थित करने से पहले मूल परीक्षक की ओर से दिए अंकों का विवरण छिपा दिया जाएगा। संबंधित उत्तर पुस्तिका की दो छाया प्रतियां तैयार करवाई जाएं और उन्हें नामित विषय विशेषज्ञों के सम्मुख प्रस्तुत किया जाएगा। दोनों विषय विशेषज्ञों के प्राप्तांकों का औसत निकाला जाएगा। यह औसत अंतिम रूप से स्वीकृत होगा और अंक पत्र में देय होगा, चाहे वह मूल प्राप्तांकों से कम या अधिक हो। यदि औसत और मूल प्राप्तांकों में 20 प्रतिशत से अधिक का अंतर होता है तो परीक्षार्थी की ओर से जमा किए गए शुल्क 25 सौ में से एक हजार रुपये की धनराशि काटकर शेष परीक्षार्थी को वापस कर दी जाएगी।

बीएएमएस के परीक्षा फार्म कल से भरे जाएंगे

बरेली, अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने बीएएमएस के परीक्षा फार्म भरने की तिथि निर्धारित कर दी है। परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार के मुताबिक बीएएमएस प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की पूरक परीक्षा और चतुर्थ वर्ष की मुख्य एवं पूरक परीक्षा 2025 के परीक्षा फार्म 17 जुलाई से विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे। विद्यार्थियों को 24 जुलाई तक फार्म भरने होंगे। इसके अलावा 26 जुलाई तक भरे हुए फार्म महाविद्यालय में जमा करने होंगे और महाविद्यालयों को फार्म ऑनलाइन सत्यापित करने होंगे।

बीएससी कृषि के भी परीक्षा फार्म भरने की तिथि बढ़ाई : विश्वविद्यालय ने बीएससी कृषि व कृषि ऑनर्स द्वितीय, चतुर्थ, षष्ठम और अष्ठम सेमेस्टर और एमएससी कृषि द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर 2025 के संस्थागत, भूतपूर्व और बैंक परीक्षा फार्म भरने की तिथि 12 जुलाई से आगे बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी 15 से 20 जुलाई तक परीक्षा फार्म भर सकेंगे। विद्यार्थियों को 22 जुलाई तक महाविद्यालय में फार्म जमा करने होंगे।

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने राजकीय संप्रेक्षण गृह का किया निरीक्षण

बरेली, अमृत विचार: उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी ने मंगलवार को राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) का निरीक्षण किया गया। उन्होंने अपचारी किशोरों से बात की और संस्था की ओर से किशोरों को मिलने वाली सुविधा भोजन और वस्त्र आदि के बारे में जानकारी ली।

इसके बाद उन्होंने बिथरी चैनपुर की ग्राम पंचायत भरतौल में प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। केंद्र पर शोभा देवी मौजूद मिली। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में वितरित पुष्टाहार के बारे में जानकारी ली। इसके बाद वह तीन सौ बेड अस्पताल में निरीक्षण करने के लिए पहुंची। उन्हें जानकारी करने पर पता लगा कि अस्पताल में सिर्फ ओपीडी की सुविधा है। अस्पताल में शौचालय के बाहर पानी भरा होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं को सुचारू रखने और साफ-सफाई पर ध्यान देने के निर्देश दिए। वह महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण करने के लिए पहुंची। उन्होंने वहां रहने वाली संवासिनियों की सुविधा के बारे में जानकारी ली।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के साथ राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी।

- तीन सौ बेड अस्पताल में शौचालय के बाहर पानी भरा होने पर जताई नाराजगी

उन्होंने तीन सौ बेड अस्पताल में स्थापित ''तेरे मेरे सपने विवाह पूर्व संवाद'' कार्यालय और यूनिसेफ हेल्प सपोर्ट प्रोग्राम कार्यालय का निरीक्षण किया। उपाध्यक्ष ने बताया कि ''तेरे मेरे सपने'' राष्ट्रीय महिला आयोग की एक नई पहल है। इसके तहत कॉउंसिलिंग सेंटर खोला गया है। जहां विवाह से पूर्व लड़कियों की काउंसिलिंग की जाती है और उन्हें सफल और सुखद वैवाहिक जीवन जीने के बारे में बताया जाता है। उपाध्यक्ष ने इस सेंटर का प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए।

वह महिला थाने का निरीक्षण करने के लिए पहुंची। महिला प्रकोष्ठ, महिला हेल्प डेस्क, महिला सम्मान कोष की शाखा को देखा। इस मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा, महिला थाने की प्रभारी परमेश्वरी मौजूद रहीं।

पौधे ईश्वर का रूप इनकी करें पूजा

बरेली, अमृत विचार : मानव सेवा क्लब के तत्वावधान में सांसें हो रहीं कम, आओ पेड़ लगाएं हम नारे के तहत बड़ा बाग रामलीला ग्राउंड में मंगलवार को पौधरोपण हुआ। जिसमें नीम, पीपल, आंवला, अर्जुन, जामुन और अशोक के 50 पौधे लगाए गए। इसके अलावा पौधा वितरण कार्यक्रम हुआ। क्लब अध्यक्ष सुरेन्द्र बीनू सिन्हा ने कहा कि पौधे ईश्वर का रूप हैं यह ऑक्सीजन देकर हमें जिंदा रखे हैं। इनकी रक्षा, पूजा और सेवा करें। पौधरोपण के बाद ट्री गार्ड भी लगाए गए। प्रदीप माधवार, अनिल सक्सेना, एएल गुप्ता, गंगाराम, प्रकाश चंद्र सक्सेना, अरुणा सिन्हा, राजेश कुमार, इं. केबी अग्रवाल, शोभा सक्सेना, डॉ. एमएम अग्रवाल, अविनाश सक्सेना, प्रीति सक्सेना, विजय कपूर, वेदप्रकाश सक्सेना, कुसुम गुप्ता, वेदांत मिश्रा, संदीप अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

मनुष्य जीवन का एक मात्र उद्देश्य परमात्मा के प्रेम को पाना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बाबा त्रिवटीनाथ मन्दिर में मन्दिर सेवा समिति की ओर से आयोजित श्री रामचरितमानस कथा के पहले दिन वाराणसी के कथा व्यास पं. प्रभाकर त्रिपाठी ने कहा कि राम के चरित्र का मन से भाव के साथ सुमिरन करने को श्री रामचरितमानस कहते हैं। मानव जीवन का एक मात्र उद्देश्य परमात्मा के प्रेम को पाना है।

कथा व्यास कहते हैं कि जिस तरह से श्री रामचरितमानस में सात कांड हैं, उसी तरह भारत वर्ष में सात पुरी हैं। सातों पुरी के मध्य में काशी विश्वनाथ विराजमान हैं।

कथा व्यास धर्म की व्याख्या करते हुए बताते हैं कि पशु और मनुष्य दोनों में समान सहज धर्म उपस्थित हैं। परंतु मनुष्य को इससे एक अधिक धर्म करने का फल मिला जिसमें परमात्मा की भक्ति है। धर्म करने का भी फल दो प्रकार से मिलता है जिसमें परधर्म और अपर धर्म है। परधर्म अर्थात सामान्य धर्म और अपर धर्म अर्थात विशेष धर्म। अग्नि, सूर्य आदि परधर्म करते हैं अर्थात जो नियत है। परंतु अपर धर्म मनुष्य को ही करना प्राप्त हुआ है। जिसमें हम परमात्मा की शरणागति प्राप्त कर सकते हैं। कथा व्यास इसका उदाहरण देते हुए बताते हैं कि श्री राम का अवतार धर्म के पालन के लिए हुआ और माता-पिता की आज्ञानुसार वनवास स्वीकार कर लिया। भगवान राम अपने भ्राता लक्ष्मण से कहते हैं कि इस समय भरत और शत्रुघ्न भी यहां उपस्थित नहीं हैं, इसलिए यहां पर रुक माता-पिता की सेवा करो लेकिन लक्ष्मण मना कर देते हैं और कहते हैं कि अपने कर्म का आप देखिए। मेरा कर्म है कि मैंने हर अवस्था में आपके साथ रहने का प्रण लिया है और इस कार्यक्रम में आपके साथ वन चलूंगा। यही बात मात- सीता ने प्रभु श्री राम से कही।

कथा व्यास कहते हैं कि यहां पर श्रीराम पर धर्म का पालन कर रहे हैं और माता-सीता और लक्ष्मण जी विशेष धर्म का पालन कर रहे हैं जिसमें उन्हें प्रभु का सानिध्य और भक्ति प्राप्त हुई। इस अवसर पर कथा व्यास की परम शिष्या रामो देवी ने श्री राम के चरित्र पर अपना व्याख्यान दिया। कथा के बाद काफी संख्या में भक्तजनों ने श्री रामचरितमानस की आरती की और प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर मन्दिर सेवा समिति के प्रताप चंद्र सेठ, मीडिया प्रभारी संजीव औतार अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

त्रिवटीनाथ मंदिर में श्री रामचरितमानस कथा सुनते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

- कथा व्यास ने बताया कि सीता और लक्ष्मण ने निभाया धर्म

कथा सुनाते पं. प्रभाकर त्रिपाठी।

राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कर सकेंगे ओ-लेवल का कोर्स

बरेली, अमृत विचार : राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाई के साथ ओ-लेवल का कोर्स कर सकेंगे। विद्यार्थियों को कक्षा नौ से 12वीं तक की पढ़ाई के दौरान चार मॉड्यूल की परीक्षा देनी होगी। परीक्षा पास करने पर माड्यूल वार प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

जो प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में नई भर्ती के लिए उपयोगी साबित होगा। जिले में 67 राजकीय, 78 सहायता प्राप्त और 305 मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय हैं। डीआईओएस डॉ. अजीत कुमार ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद की तरफ से प्रथम चरण में आईटीसी लैब स्थापित राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को ओ-लेवल का कोर्स कराया जाएगा। कक्षा 9 से 12 के छात्र-छात्राओं को हर वर्ष निर्धारित एक मॉड्यूल का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पहला मॉड्यूल पास करने वाले छात्रों को ट्रिपल सी और चारों मॉड्यूल में अपनी दक्षता साबित करने वाले छात्र-छात्राओं को ओ-लेवल का प्रमाण पत्र दिया जाएगा। जो विभिन्न विभागों में नई भर्ती के लिए उपयोगी साबित होगा।

बदल रहा सर्जरी का युग, जरूरत है समय पर विशेषज्ञों की सीख : डॉ. केशव

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सभागार में रीढ़ की हड्डी का ओलिफ़ ट्रांसकंबिन फ्यूजन कोर्स का हुआ समापन, सुबह से देर शाम तक हुए कई सत्र

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल स्थित सभागार में दो दिवसीय एडवांस ओएलएलआईएफ ट्रांसकंबिन स्पाइनल फ्यूजन कोर्स के दूसरे दिन मुख्य अतिथि बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल ने कहा कि सर्जरी का युग लगातार बदल रहा है। 15 साल पहले तक आधुनिक मशीनें और उपकरण नहीं थे लेकिन अब कोर्स के माध्यम से कम समय से विशेषज्ञों से प्रशिक्षण मिल रहा है जो कि उनके लिए भविष्य की सफलता का पर्याय बनेगा।

कुलपति डा. लता अग्रवाल ने कहा कि कोई भी कार्यशाला और कोर्स बिना प्रतिनिधियों के सफल नहीं हो सकता है। जिस लगन से विशेषज्ञों द्वारा दी जा रही सीख को प्रतिनिधि समझते हैं इससे गर्व महसूस होता है। इससे पूर्व डा. हमीद अब्बासी ने ओएलएलआईएफ विधि से जुड़े सर्जरी के अनुभव साझा किए। इसके साथ ही सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने प्रतिनिधियों के सवालों के जवाब भी दिए।

इससे पहले कोर्स का आरंभ मुख्य अतिथि बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, अमेरिका के मिनेसोटा से आए विश्व विख्यात न्यूरो सर्जन डॉ. हमीद अब्बासी, चेन्नई से आए प्रमुख स्पाइन सर्जन डॉ. के कार्तिक कैलाश, अहमदाबाद से आए डॉ. अमित झाला और कोर्स के आयोजन सचिव व वरिष्ठ स्पाइन सर्जन डॉ. वरुण अग्रवाल ने मां सरस्वती के चित्र के समीप दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अंत में कोर्स के आयोजन सचिव डा. वरुण अग्रवाल ने अतिथियों का आभार व्यक्त कर कोर्स का समापन किया। इस मौके पर रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के प्रधानाचार्य डा. दिग्विजय सिंह, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रजनीश पठानिया, ऑर्थोपेडिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन मोहन नागर, रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल, डॉ. चीना गर्ग व डॉ. प्रज्ञा मिश्रा समेत अन्य मौजूद रहे।

एडवांस ओएलएलआईएफ ट्रांसकंबिन स्पाइनल फ्यूजन कोर्स की दीप प्रज्ज्वलित कर शुरुआत करते मुख्य अतिथि डॉ. हमीद अब्बासी, डॉ. केशव अग्रवाल, डॉ. लता अग्रवाल, डॉ. वरुण अग्रवाल।

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज में एडवांस ओएलएलआईएफ ट्रांसकंबिन स्पाइनल फ्यूजन कोर्स के दौरान मौजूद डॉ. केशव अग्रवाल, डॉ. लता अग्रवाल, डॉ. अर्जुन अग्रवाल व अन्य डॉक्टर। ● अमृत विचार

एमओयू किया साइन

कोर्स के दौरान अतिथियों ने कोर्स में प्रतिभाग कर रहे प्रतिनिधि डॉक्टरों को सम्मानित किया। वहीं डॉ. हमीद ने एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए। इस प्रयास से यूनिवर्सिटी के साथ आपसी समन्वय स्थापित होने के साथ ही चिकित्सा क्षेत्र में उपलब्धता के द्वार भी खुलेंगे।

● इससे पूर्व विश्व विख्यात न्यूरो सर्जन डॉक्टर हमीद ने ओलिफ विधि से सर्जरी के अनुभव किये साझा, देश विदेश से बड़ी संख्या में जुटे प्रतिनिधि

शरीर की नींव होती है रीढ़, कम से कम 8 घंटे दें आराम

बरेली, अमृत विचार : भाग-दौड़ भरी जिंदगी, लेकिन थकना मना है... इस प्रकार से जुमले फिल्मों में ही सुनने में अच्छे लगते हैं, लेकिन असल मायने में इसको जीवन शैली में शामिल करना आपकी सेहत पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। ये अनुभव रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल स्थित सभागार में दो दिवसीय एडवांस ओएलएलआईएफ ट्रांसकंबिन स्पाइनल फ्यूजन कोर्स में अतिथि व्याख्यान देने आए विशेषज्ञों ने अमृत विचार की टीम के साथ साझा किए। पेश के विशेषज्ञों से की गई बातचीत की रिपोर्ट ....

महीनों से पड़े थे बेड पर, सर्जरी के बाद कर रहे डांस

अमेरिका के मिनेसोटा से आए वरिष्ठ न्यूरो स्पाइन सर्जन डॉ. हमीद अब्बासी ने बताया कि रीढ़ को शरीर की नींव माना गया है। अन्य अंगों की तरह इसका विशेष ख्याल रखने की जरूरत है। हालांकि स्पाइनल सर्जरी के क्षेत्र में कल्याणकारी बदलाव हो रहे हैं। इस क्षेत्र में एडवांस सर्जरी तकनीक है ओएलएलआईएफ। कहा कि वह अब तक इस तकनीक से 2800 सर्जरी कर चुके हैं। गंभीर चोट और अन्य कारणों के चलते कई मरीज ऐसे थे जो महीनों से बिस्तर पर थे, लेकिन इस विधि से सफल सर्जरी कराकर अब स्वस्थ हैं।

स्पाइन सर्जरी का इतिहास 80 साल पुराना, लेकिन बदलाव चमत्कारी

अहमदाबाद से आए वरिष्ठ स्पाइन सर्जन डा. अमित झाला ने बताया कि स्पाइन सर्जरी का इतिहास करीब 80 साल पुराना है, लेकिन इस क्षेत्र में आधुनिक विधियों के रूप में बदलाव करीब 10 साल से आरंभ हुए हैं। गंभीर मरीजों की सफल सर्जरी की गईं हैं, जिसके चलते सक्सेस रेट में बढ़ोत्तरी हुई है। कहा कि जिस प्रकार से लोग सफलता के शिखर को छूने के लिए सेहत को लेकर फिक्रमंद नहीं है, ये चिंताजनक है। भागदौड़ भरी दिनचर्या में विशेष रूप से रीढ़ को करीब 8 घंटे तक आराम देने की आवश्यकता है। ये आराम किसी भी माध्यम से दे सकते हैं। जैसे मन शांत कर ठीक प्रकार से लेटना, हल्के व्यायाम से, कई अन्य साधन भी हैं।

सार-संक्षेप

माधोबाड़ी स्थित श्री रामायण मंदिर में मंगलाचरण का पाठ करते श्रद्धालु।

शक्ति, भक्ति और ज्ञान के दाता हैं हनुमान

बरेली, अमृत विचार : श्री सनातन धर्म मंदिर में युवा मंडल की ओर से 101 मंगल पूर्ण होने पर विशाल हनुमान चालीसा और सामूहिक हनुमान आरती का आयोजन किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी नरेश मिश्रा ने कहा कि हनुमान शक्ति, ज्ञान, भक्ति और विजय के भगवान, बुराई के सर्वोच्च विध्वंसक, भक्तों के रक्षक बल, बुद्धि और विद्या के दाता हैं। जहां पर राम कथा या राम से संबंधित कोई भी धार्मिक आयोजन होता है, वहां हनुमान जी सदैव उपस्थित रहते हैं। चालीसा पाठ से पूर्व हनुमान के भजन गाए। मंदिर समिति के महामंत्री संजीव चांदना ने बताया कि मंदिर समिति ने भजन गायक मुकेश सांवरिया का विशेष सम्मान किया। भजन संध्या में अजय अरोड़ा, अमित पाल, राहुल सेठी, राकेश नरूला, उमेश धमीजा, विशाल भसीन, जगदीश अरोड़ा आदि उपस्थित रहे।

भक्तों ने किया मारुति नंदन का पूजन

बरेली, अमृत विचार : सावन के पवित्र मास में श्री हरि मंदिर में मंगलवार को भक्तों की भीड़ रही। सुबह के सत्र में मंदिर के पं. सुनील शास्त्री ने हनुमान जी का विधिवत पूजन और श्रृंगार किया। शाम के सत्र में श्री हरि संकीर्तन मंडल ने दुख भजन मारुति नंदन, आयो आयो वीर हनुमान, मंगल मूर्ति मारुति नंदन आदि भजन गाए। इसके बाद भक्तजनों ने सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया और सामूहिक आरती की। कार्यक्रम में मंदिर अध्यक्ष सुशील अरोरा, सचिव रवि छाबड़ा, अश्विनी ओबेरॉय, संजय आनन्द, गोविंद तनेजा, रंजन कुमार, हरीश लुनियाल, अभिषेक अरोरा, राजेश अरोरा, गिरीश आनंद आदि उपस्थित रहे।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के वापस लौटने पर जश्न

बरेली, अमृत विचार : अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय राज शर्मा के गांधीपुरम स्थित सभागार में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के सकुशल कैलिफोर्निया वापस लौटने पर पदाधिकारियों ने जश्न मनाया। लोगों ने जय विज्ञान-जय अंतरिक्ष के नारे लगाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष इंद्रदेव त्रिवेदी ने कहा कि भारतीय वैज्ञानिकों और युवाओं को अंतरिक्ष यात्रा के नए आयामों को खोजने में और भी प्रेरणा मिलेगी। राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय राज शर्मा ने शुभांशु शुक्ला को नवीन वैज्ञानिक उपलब्धि का प्रेरणास्रोत बताया। मंडल महामंत्री विशाल शर्मा ने शुभांशु शुक्ला को लखनऊ चलकर बधाई देने का प्रस्ताव पारित कराया। इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संतोष जोशी, मुकेश पांडे, विशाल शर्मा, संजीव कुमार अवस्थी, अभिषेक शर्मा, संजय शर्मा, अरविंद मिश्रा, विष्णु प्रकाश पांडे, विशाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

वृद्धाश्रम में लगाया स्वास्थ्य शिविर

बरेली, अमृत विचार : राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संस्थान की ओर से मंगलवार को काशी धाम वृद्धाश्रम में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें डॉ. ब्रजेश कुमार ने वृद्धों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाएं बांटी। संस्था के प्रबंधक को भी सम्मानित किया। अध्यक्ष नीलिमा पाठक ने आवश्यकता के समय पर सहयोग देने का आश्वासन दिया। कोषाध्यक्ष विपिन शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और एलआईसी के डिवीजनल मैनेजर दीपक गौतम, पूर्व प्रधानाचार्य, जयनारायण इंटर कालेज ब्रज मोहन शर्मा, तुलसी राम, अमित शर्मा, मनोज पचौरी, राकेश मिश्रा, रेनू शर्मा, जूही शर्मा, गरिमा त्रिपाठी, मयंक त्रिपाठी, मोहिनी मिश्रा, बबली वाजपेई आदि उपस्थित रहे।

बैग और स्टेशनरी की वितरित

बरेली, अमृत विचार : इनरव्हील क्लब ऑफ बरेली साउथ और रोटरी क्लब मेन ने संयुक्त रूप से संजय नगर स्थित एलबीएस स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें सर्वप्रथम भगवान गणेश की वंदना की और बच्चों ने भक्ति गीतों आदि की प्रस्तुति दी। पीडीसी रेनू अग्रवाल व अध्यक्ष प्रीति जिंदल की अध्यक्षता में स्कूल के सभी बच्चों को कॉपी, बैग, पेन पेंसिल आदि वितरित की गई। इसके अलावा फल वितरण किया। इसके बाद पौधरोपण किया गया। इनरव्हील क्लब ऑफ बरेली साउथ की सचिव मनीषा, कविता अग्रवाल, रंजना ठाकुर, रति गुप्ता, सारिका अग्रवाल, निधि अग्रवाल, चित्रा खंडेलवाल, रश्मि अग्रवाल, प्रीति, आरुणा, चित्रा आदि उपस्थित रहे।

ओ-लेवल, सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए आवेदन 21 तक

बरेली, अमृत विचार : पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की तरफ से पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवकों और युवतियों के लिए संचालित ओ-लेवल और सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना 2025-26 के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी इंद्रसेन सरोज ने बताया कि पहले आवेदन की अंतिम तिथि 14 जुलाई थी, जिसे बढ़ाकर 21 जुलाई कर दिया गया है। अभ्यर्थियों को पोर्टल https://obccomputertraining.upsdc.gov.in पर आवेदन करना होगा।

ऑनलाइन आवेदन की एक कॉपी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय में भी जमा करनी होगी।

आयुष्मान लाभार्थी से अल हिंद अस्पताल ने वसूले 53 हजार रुपये, अब होगी वसूली

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● आयुष्मान लाभार्थी का नकद भुगतान लेकर इलाज करने और गलत इलाज की शिकायत पर बोर्ड ने की जांच

● आरोप मिले सही, जांच में नहीं मिला अस्पताल का पंजीयन, इलाज की रकम वापस करने के आदेश

अमृत विचार : शासन की ओर से आयुष्मान भारत योजना के हर लाभार्थी को बेहतर इलाज देने का आदेश है, लेकिन शहर के अल हिंद अस्पताल में लाभार्थी से इलाज के एवज में 53 हजार की मोटी रकम वसूल कर लिए और इलाज भी ढंग से नहीं किया गया। इस पर मरीज ने सीएमओ कार्यालय में शिकायत की। जांच में शिकायत पुष्ट पाई गई है। अब विभाग ने संबंधित अस्पताल से मरीज के इलाज में वसूल की रकम वापस करने के आदेश देने समेत अन्य कार्रवाई की तैयारी की है।

परिजन लगाते रहे गुहार, नहीं चढ़ाया पोर्टल पर नाम : भुता के भगवंतपुर निवासी शमशुल हसन बीते 8 जून को अलहिंद अस्पताल में भर्ती हुए। यहां 18 जून को अस्पताल की ओर से उन्हें डिस्चार्ज किया गया। आरोप है कि परिजनों ने भर्ती होने के दौरान ही प्रबंधन को बताया कि वह आयुष्मान योजना का लाभार्थी है। अस्पताल प्रबंधन ने उससे 53 हजार रुपये नकद वसूल लिए। वहीं एक हफ्ते तक इलाज करने के बाद 12 जून को उसका नाम आयुष्मान पोर्टल पर दर्ज किया, लेकिन तब तक पूरी रकम वसूल कर ली गई थी। मरीज ने नकद रुपये वसूलने, गलत इलाज करने समेत कई आरोप लगाते हुए सीएमओ कार्यालय में शिकायत की थी। अस्पताल के खिलाफ लगे आरोपों की जांच के लिए कमेटी बनाई गई।

जांच में सामने आए ये तथ्य

सीएमओ की ओर से जांच के लिए बोर्ड गठित किया गया था। इसमें एसीएमओ डॉ. राकेश के नेतृत्व में टीम के सदस्यों ने हर बिंदु पर जांच की। जांच में मरीज द्वारा लगाए गए आरोप पुष्ट पाए गए हैं। जांच टीम ने अल हिंद अस्पताल के डॉ. मतीन के बयान दर्ज किए। वहीं मरीज का आयुष्मान भर्ती होने के दौरान ही पार्टल पर अपलोड करने का नियम है, लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने नियम की अनदेखी कर 12 जून को पोर्टल पर अपलोड किया। वहीं मरीज के परिजनों ने जांच टीम को एक रिकॉर्डिंग दी, जिसमें घर वाले पोर्टल पर कार्ड लगाने के लिए अनुरोध कर रहे हैं। वहीं स्टाफ तर्क दे रहा है कि आयुष्मान से इलाज नहीं हो पाएगा। इलाज कराना है तो नकद भुगतान करना होगा। हैरत की बात तो ये है कि अलहिंद अस्पताल का पंजीकरण 31 मार्च को एक्सपायर हो गया था। प्रबंधन ने नवीनीकरण 27 जून को कराया। इस तरह 1 अप्रैल से 26 जून तक बिना पंजीकरण के ही मरीजों का इलाज किया गया। इस दौरान कई आयुष्मान मरीजों का इलाज किया और क्लेम के भुगतान के लिए दावा भी किया।

आयुष्मान योजना के लाभार्थियों के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही अक्षम्य है। अल हिंद अस्पताल में पात्र मरीज से इलाज में रुपये वसूलने समेत अन्य आरोप सिद्ध पाए गए हैं। इसके चलते नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।
– डॉ. विश्राम सिंह, सीएमओ।

शिक्षकों को कार्यभार ग्रहण कराने का आदेश

बरेली, अमृत विचार : जिले में सरप्लस शिक्षकों के समायोजन के लिए मानव संपदा पोर्टल पर स्वेच्छा से स्थानांतरण लेने वाले 1141 शिक्षकों में से 590 शिक्षकों के आवेदन स्वीकृत हुए लेकिन खंड शिक्षा अधिकारियों की ओर से कई स्कूलों में शिक्षकों की कमी के चलते उन्हें कार्यमुक्त नहीं किया जा रहा था।

मंगलवार को बीएसए संजय सिंह ने खंड शिक्षा अधिकारियों को एक पत्र जारी कर स्वेच्छा से स्थानांतरण लेने वाले शत प्रतिशत शिक्षकों को तुरंत कार्यमुक्त करने और कार्यभार ग्रहण कराने के आदेश दिए हैं। बता दें कि ये फैसला सोमवार को मुख्य मंत्री ने शिक्षकों को कार्यमुक्त नहीं किए जाने का संज्ञान लेने के बाद आया है।

तपस्वियों की तपोभूमि माना जाता है तपेश्वरनाथ मंदिर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

सुभाषनगर स्थित तपेश्वरनाथ मंदिर। ● अमृत विचार

● कई हजार साल पहले मंदिर के पास बहती थी रामगंगा

अमृत विचार : नाथ नगरी के सात नाथों में से एक तपेश्वरनाथ मंदिर को साधु संतों की तपोस्थली माना जाता है। मंदिर के पुजारी पंडित बिशन चंद्र शर्मा ने बताया मंदिर का इतिहास कई हजार साल पुराना है। पहले मंदिर के पास रामगंगा बहती थी, इसलिए यहां की मिट्टी आज भी रेतीली है।

उन्होंने बताया कि मान्यता है कि एक समय पर यहां एक घना जंगल हुआ करता था, तब एक बाबा ने यहां 400 साल तक कठोर तप किया। उनके शरीर पर भालू के समान बाल थे, इसलिए लोग उन्हें भालू दास बाबा कहकर बुलाते थे। मान्यता है कि जो वे कह देते वही सिद्ध हो जाता था। हिमालय से लौटते समय धूम्र महर्षि के एक शिष्य ने भी यहां कई वर्षों तक तप किया। संतों की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव यहां विराजमान हुए और इस मंदिर का नाम तपेश्वरनाथ मंदिर पड़ा। इसके बाद विक्रम संवत 2003 से 2035 तक बाबा मुनिश्वर दास और राम टहल दास ने भी कठोर पूजन किया। यहीं के गोपाल दास बाबा ने भी रामपुर में कठोर तप किया। इसके अलावा मंदिर में बाबा के आश्रम, गोशाला और श्रद्धालुओं के लिए धर्मशाला भी है।

17 और 21 को महिलाओं के लिए खेलों के ट्रायल

बरेली, अमृत विचार : महिलाओं के लिए प्रदेश स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला स्तरीय टीम का चयन किया जाएगा।

महिला हैंडबाल और जिम्नास्टिक के ट्रायल 17 जुलाई को, बास्केटबॉल और कबड्डी के 21 जलाई को होंगे। चयनित टीमें आगरा और प्रयागराज में प्रदेश स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

दिव्यांग बच्चों के लिए आज से लगेगा मेडिकल एसेसमेंट कैंप

बरेली, अमृत विचार : विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों (दिव्यांग बच्चों) को मेडिकल टेस्ट, सलाह और दिव्यांगता प्रमाण पत्र के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा। इनके लिए शहर में बालजती स्कूल और ब्लाकों में बीआरसी केंद्र पर मेडिकल एसेसमेंट कैंप लगाया जाएगा। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि मेडिकल एसेसमेंट कैंप में दिव्यांग बच्चों के मेडिकल चेकअप के अलावा उनकी दिव्यांगता का आकलन कर उनका दिव्यांग प्रमाण पत्र भी बनाया जाएगा। कैंप लगाने के लिए बीएसए की ओर से डिमांड की गई थी। जनपद में 16 जुलाई से 21 अगस्त तक कैंप का लगाए जाएंगे। 16 जुलाई को आलमपुर जाफराबाद, 22 जुलाई को क्यारा, 23 जुलाई को मझगवां, 24 जुलाई को भदपुरा, 29 जुलाई को भुता, 30 जुलाई को रामनगर, 31 जुलाई को बिथरी चैनपुर, 2 अगस्त को नवाबगंज, 5 अगस्त को दमखोदा, 6 अगस्त को शेरगढ़, 7 अगस्त को फतेहगंज पश्चिमी, 12 अगस्त को बहेड़ी, 13 अगस्त को मीरगंज, 19 अगस्त को फरीदपुर, 20 अगस्त को भोजीपुरा और 21 अगस्त को नगर क्षेत्र में पुराना शहर स्थित बालजती स्कूल में कैंप लगेगा।

ADMISSION OPEN
For Advertisement Contact :-
7906732664
9897885429
8445507002

MAHARAJA AGRASEN MAHAVIDYALAYA, BAREILLY
Affiliated to MJP Rohilkhand University, Bareilly
MJPRU Registration Free
ADMISSION OPEN
For Session 2025-26
M.Sc. (Physics, Chemistry Mathematics, Botany, Zoology)
B.Ed. P.G.D.C.A. B.Ed. M.Com. M.A.
B.Sc. (Biotechnology) B.Sc. (PCM/ZBC) BCA BBA B.A.
B.Sc. (Home Science) B.Com. B.Com. (Hons.)
Campus : 11th Km. Bareilly-Lucknow Road, Near Transport Nagar, Bareilly
9012937191, 9690002586

JYOTI COLLEGE
of Management Science & Technology
Estd. 2000
NAAC B+ Accredited College
B.Sc. Nursing
M.Sc. Nursing
P.B.B.Sc. Nursing
College Code: 2430244
G.N.M.
A.N.M.
D.P.T.
D.R. Optometry
D.M.L.T.
D.Pharma
M.Ed.
B.Ed
Campus: Mudia Ahmad Nagar, Near Airport Gate, Pilibhit Road, Bareilly
Email: contact@jyoticollege.com | Web: www.jyoticollege.com
Ph.: 9219459111, 6395711513, 9837028420

AIMA Group of Institutions
Bring Out the Best in you
ADMISSION OPEN 2025-26
COURSE OFFERED
BAMS
B.Sc. Nur.
B.Tech.
B.Pharma
GNM
M.Tech.
D. Pharma
Polytechnic
M.B.A.
B.B.A.
B.C.A.
CALL US:
8937002800/8937002805
Campus : 13.5 Km. Bareilly-Delhi Highway, Near Rubber Factory, Agras Road, Bareilly U.P. (243501)

सोलर फर्टिलिटी क्लिनिक
30 वर्ष कार्यकाल
9000 से अधिक सफलता
महिला या पुरूष दोनों में संतानहीनता या सेक्स दुर्बलता की जांच व इलाज के लिए मिलें।
चिकित्सक

डॉ. वंदना संजीव
(MBBS, MD, MIAP)
Female Fertility and IUI Consultant
महिलाओं में हार्मोन्स विकार, अनियमित माहवारी, PCOS मोटापा, इन्फेक्शन बार बार होने वाले गर्भपात बंद नलियों या अंडों के न बनने जैसे संतानहीनता के समस्त कारणों की जांच व इलाज
जरूरी मामलों में दर्द रहित कृत्रिम गर्भाधान (IUI)
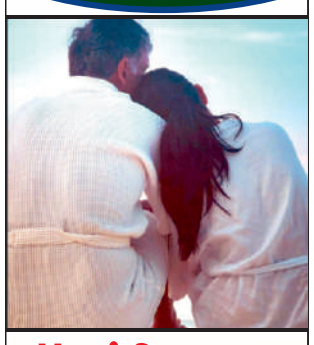
डॉ. संजीव कुमार
(MBBS, MD, MIAP)
Male Fertility and Sperm Biotech Specialist & Male/Female Sex Specialist
पुरूषों में शुक्राणु संबंधी सभी कमियों, निल शुक्राणु आदि की जांच व इलाज।
पुरूषों महिलाओं में सेक्स समस्याओं की वैज्ञानिक जांच व इलाज
निल शुक्राणु वाले लाइलाज मामलों में गर्भधारण हेतु शुक्राणु बैंक व कृतिम गर्भाधान की सुविधा
सम्पर्क
प्रातः 11 से 2 बजे
सायं 6 से 7 बजे
रविवार बन्द
सोलर फर्टिलिटी एवं सेक्स क्लीनिक
साकेत कॉलोनी, 148-सिविल लाइन्स, समीप एक्सिस बैंक व चौकी चौराहा, बरेली
मो. 9927788842
0581-2510177

रबड़ फैक्ट्री के कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

कर्मचारियों के भुगतान से संबंधित लंबित मामलों के निराकरण की मांग, सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

सेठ दामोदर स्वरूप पार्क में विरोध जताते रबड़ फैक्ट्री के कर्मचारी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः रबड़ फैक्टरी के कर्मचारियों ने भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध एसएसएंडसी कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर मंगलवार को सेठ दामोदर स्वरूप पार्क में शासन और प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को ज्ञापन सौंपकर बाम्बे हाईकोर्ट में मामले की कारगर पैरवी कराने सहित अन्य समस्याओं के निदान की मांग की है।

कर्मचारी सुबह सेठ दामोदर स्वरूप पार्क धरने पर बैठ गए। एसएसएंडसी कर्मचारी यूनियन के महामंत्री अशोक कुमार मिश्रा ने प्रशासन और शासन को पूर्व में दिए गए ज्ञापन में समस्याओं के निराकरण की मांग की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी, उपेक्षापूर्ण रवैये पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि 19 जुलाई 2024 को गोमती भवन लखनऊ में अवस्थापना औद्योगिक विकास के सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में तय एजेंडा रबड़ फैक्ट्री जमीन कब्जा में लेने की पैरवी पर जानबूझकर कर देरी की जा रही है। इसकी शीघ्र जमीनी स्तर पर कार्रवाई की जाए। वहीं कर्मचारियों के भुगतान के लंबित मामलों का निराकरण किया जाए, क्योंकि 350 से अधिक श्रमिक आर्थिक तंगी के कारण मर चुके हैं। अधिवक्ता कल्पना कश्यप ने रबड़ फैक्ट्री के कर्मचारियों के आश्रित विधवा महिलाओं की समस्या पर प्रशासन से गंभीरता पूर्वक विचार करने की मांग की। इसके अलावा सतीश रोहतगी, अनिल कुमार सक्सेना ,अनुपम मजूमदार, चंद्रसेन गंगवार आदि श्रमिक नेताओं ने श्रमिकों की समस्या पर प्रशासन से शीघ्र निस्तारण करने और ज्ञापन में उठाई गई मांगों को पूरा करने की मांग की है। सभा का संचालन अजय भटनागर ने किया।

रोजगार सेवकों ने फिर जताया विरोध

बरेली, अमृत विचार : मानदेय की मांग को लेकर रोजगार सेवकों ने मंगलवार एक बार फिर विकास भवन में विरोध जताया। उत्तर प्रदेश ग्राम रोजगार सेवक संघ और ग्राम रोजगार सेवक वेलफेयर एसोसिएशन ने डीसी मनरेगा हसीब अंसारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि बरेली में करीब डेढ़ साल से रोजगार सेवकों का मानदेय नहीं मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति गड़बड़ा गई है। ग्राम रोजगार सेवक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष सेवाराम गंगवार ने कहा कि एक तरफ शासन रोजगार सेवकों को दस हजार प्रतिमाह मानदेय देने का आदेश देता है, वहीं दूसरी तरफ मानदेय पृथक बजट से न देकर उसमें प्रशासनिक मद से मानदेय देने की बात कही जाती है। जिस वजह से रोजगार सेवकों का मानदेय कई साल से बकाया है। उप्र ग्राम रोजगार सेवक संघ के जिलाध्यक्ष गंगादीन कश्यप ने कहा कि डेढ़ साल से मानदेय नहीं दिया गया है। 10 जुलाई को शासन स्तर से 3 .3 करोड़ रुपये की धनराशि प्रशासनिक मद में मानदेय के लिए जारी की गई, लेकिन जिले और ब्लॉक के अधिकारियों ने 3 .5 प्रतिशत प्रशासनिक मद का हवाला देते हुए मानदेय का भुगतान नहीं किया। दोनों ही संगठनों के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी यदि रोजगार सेवकों का बकाया मानदेय का भुगतान शीघ्र नहीं किया गया तो विकास भवन में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

● रोजगार सेवक संघ और ग्राम रोजगार सेवक वेलफेयर एसोसिएशन ने दिया ज्ञापन

हाइडिल परिसर में कब्जा हटाने के बाद होगी चहारदीवारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● अतिक्रमण हटने के बाद खाली जगह में किया जाएगा पौधरोपण

अमृत विचारः रामपुर गार्डन स्थित हाइडिल कॉलोनी में मुख्य अभियंता की देखरेख में अवैध कब्जा और अतिक्रमण हटाया जा रहा है। हाइडिल परिसर में चारों तरफ दीवार बनाने के लिए मंगलवार को जेसीबी से बुनियाद की खुदाई की गई। खाली हुई जमीन पर पौधरोपण करने की तैयारी की जा रही है।

पावर कारपोरेशन के चेयरमैन डॉ. आशीष गोयल ने गुरुवार को रामपुर गार्डन स्थित हाइडिल कॉलोनी में निरीक्षण किया था। उन्होंने कॉलोनी परिसर में अवैध कब्जा और अतिक्रमण देख नाराजगी जताते हुए मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश को कार्रवाई के निर्देश दिए थे। जिसके बाद शुक्रवार से ही हाइडिल परिसर कॉलोनी में अवैध अतिक्रमण और कब्जा हटाने की कार्रवाई की जा रही है। कब्जा हटाने के बाद अब हाइडिल कॉलोनी की चारदीवारी की जाएगी।

मंगलवार को जेसीबी से बुनियाद की खुदाई कराई गई। वहीं अतिक्रमण हटने के बाद पिछले हिस्से में डेयरी वाले गेट पर भी ताला लगा दिया गया है। कुछ मकान के लोगों ने मुख्य अभियंता से 17 जुलाई तक का समय खाली करने को मांगा है। मंगलवार को अधिकतर लोगों ने कब्जे खुद हटाकर सामान हटाया।

त्रिकोणीय प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या में दोषी को उम्रकैद की सजा

विधि संवाददाता, बरेली

● अपर सत्र न्यायाधीश ने एक लाख रुपये का जुर्माना भी डाला

अमृत विचार : त्रिकोणीय प्रेम प्रसंग में युवक की गला दबाकर हत्या करने के दोषी थाना नवाबगंज ग्राम बरौर निवासी करन वाल्मीकि को परीक्षण में दोषी पाते हुए अपर सत्र न्यायाधीश तबरेज अहमद ने आजीवन सश्रम कारावास और 1 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनायी।

सरकारी वकील राजेश्वरी गंगवार ने बताया कि मृतक के भाई मदनलाल ने थाना नवाबगंज में तहरीर देकर बताया था कि 22 अगस्त 2022 की रात 8 बजे सुनील कुमार मौर्य, प्रदीप और संजीव के साथ भाई झम्मन लाल का झगड़ा मोबाइल के कारण हुआ था। तब प्रदीप, संजीव व सुनील कुमार ने झम्मन लाल को मोबाइल न देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। झम्मन 22 अगस्त 2022 की रात 10 बजे घर पर था तब सुनील कुमार आया और कहा कि मोबाइल वाला मामला खत्म कर देते हैं। सुनील के कहने पर झम्मन लाल उसके साथ चला गया। काफी देर तक इंतजार के बाद भी वापस नहीं आया तो वह झम्मन लाल की तलाश करने सुनील के घर गया तो वह अपने घर पर नहीं मिला। 30 अगस्त 2022 की सुबह 5 बजे ग्राम के मान सिंह व भूपराम ने बताया कि झम्मन लाल मृत अवस्था में गांव के घूरा के पास पड़ा है। पुलिस ने सुनील, संजीव व प्रदीप के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। विवेचना में सुनील ने अपने बयान में बताया कि मोहल्ले की लड़की करन से बातचीत करती थी। झम्मन लाल व उस लड़की का घर आसपास थे। झम्मन लाल व करन आपस में इसी बात को लेकर चिढ़ते थे क्योंकि दोनों एक ही लड़की से प्यार करते थे। घटना के करीब एक-डेढ़ माह पहले उसके भाई ने लड़की का मोबाइल पकड़ा था। मोहल्ले वालों ने विरोध किया था तब झम्मनलाल ने कहा था करन तुझे मैं रंगे हाथ पकड़ कर दिखाऊंगा, तब से करन व झम्मनलाल में रंजिश थी। पुलिस ने करन को गिरफ्तार किया तो उसने झम्मन लाल की हत्या की बात कबूली। बताया कि झम्मन लाल के गले में सुअर का शिकार करने वाली रस्सी का फंदा डालकर हत्या की थी। सुनील, संजीव व प्रदीप की नामजदगी गलत पायी गयी। विवेचना उपरांत केवल करन के विरुद्ध आरोप पत्र कोर्ट भेजा था। शासकीय अधिवक्ता ने 9 गवाह पेश किये।

SEXOLOGIST
आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त
ताकत व रुकावट
प्राप्त करें
शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी
मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, घात, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।
मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीघ्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।
मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।
क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, घात, शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic
भारत प्रसिद्ध YouTube पर Search करें गोल्ड मेडेलिस्ट
डा.शेख
Best Sexologist in india आयुर्वेदा
मिलें हर मंगलवार
ईसाईयों की पुलिया
निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड
बरेली
9837023223

नत्थूलाल लोधी संरक्षक, राम प्रताप बने जिलाध्यक्ष

बरेली, अमृत विचारः ऑल इंडिया आर्गनाइजेशन ऑफ पेंशनर्स की मासिक बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित पेंशनर कक्ष में हुई। जिसमें चुनाव अधिकारी विकास विभाग के हरीश कुमार गंगवार ने सर्वसम्मति से आरईडी विभाग से सेवानिवृत्त नत्थू लाल लोधी को संरक्षक, राम प्रताप सिंह पटेल को जिलाध्यक्ष, वीरेन्द्र सिंह राठी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ब्रह्म प्रकाश सक्सेना को उपाध्यक्ष, अरुणकांत सक्सेना को जनपद सचिव, राजेन्द्र कुमार सक्सेना को कोषाध्यक्ष, आलोक कुमार को संप्रेषक निर्वाचित किया। वहीं आरईडी के सेवानिवृत्त गुलशन कुमार, अनवार हुसैन, सिंचाई विभाग के हरि शंकर, आईवीआरआई के लक्ष्मीचन्द्र आर्य, कलेक्ट्रेट के कृष्ण शंकर अग्निहोत्री, डीएसओ कार्यालय के रामेश्वर दयाल, आरईडी के कृष्ण पाल सिंह, डीडी पंचायत कार्यालय के वीके पाल, डीआईओएस के कुशीराम और श्रम विभाग के भानू प्रताप सिंह कार्यकारिणी सदस्य बनाए गए।

सीएम डैशबोर्ड में खराब स्थिति वाले विभाग सुधार लाएं: डीएम

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक लेते जिलाधिकारी। ● अमृत विचार

बरेली, अमृत विचारः कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को राजस्व कार्यों की मासिक स्टाफ बैठक और राजस्व कार्यों की सीएम डैशबोर्ड की बैठक हुई। इसमें डीएम अविनाश सिंह ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना में गति लाने के लिए लगातार मानीटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीएम डैशबोर्ड के अंतर्गत जिन विभागों की स्थिति खराब चल रही है उसमें सुधार लाएं।

उन्होंने अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पीओ डूडा को प्रधानमंत्री आवास योजना की दूसरी किश्त प्रदान करने को कहा। सभी एसडीएम को आय और निवास प्रमाण पत्र समय से जारी करने, आईजीआरएस में जिस गांव से सबसे अधिक शिकायतें आ रही हैं, उन गांवों में जाकर शिकायत का निस्तारण शत प्रतिशत कराने का निर्देश दिए। उन्होंने लंबित वादों का निस्तारण करने, धारा 80 और 24, पट्टा आवंटन, अंश निर्धारण के प्रकरणों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर करने को कहा।

उन्होंने एडीएम वित्त और राजस्व संतोष सिंह को निर्देश दिए कि इसकी समीक्षा कम से कम सप्ताह में एक बार अवश्य की जाए जिससे कि रैंकिंग में सुधार हो। बैठक में एडीएम सिटी सौरभ दुबे, एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह, उपायुक्त उद्योग विकास यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

● अधिक शिकायतों वाले गांवों में एसडीएम जाकर करें निस्तारण

ओवरलोडिंग से ट्रांसपोर्ट व्यवसाय को पहुंच रहा भारी नुकसान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● शहामतगंज स्थित कार्यालय पर हुई बैठक में बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्टस हुए शामिल

● ओवरलोडिंग आदि मुद्दों को लेकर शीघ्र डीएम और आरटीओ से की जाएगी भेंट

बरेली ट्रक ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी विरोध जताते हुए।

अमृत विचारः बरेली ट्रक ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक मंगलवार को शहामतगंज स्थित कार्यालय पर हुई। इसमें खाद, सीमेन्ट रेता, बजरी और लंबी दूरी पर चलने वाली गाड़ी मालिक और ट्रांसपोर्टस इकाई से जुड़े लोग शामिल हुए। कहा कि ओवरलोडिंग से ट्रांसपोर्ट व्यवसाय को भारी नुकसान पहुंच रहा है। इसके साथ ही सरकार के राजस्व को भी चोट लग रही है।

ट्रांसपोर्टर एवं गाड़ी मालिकों ने कहा कि आज की तारीख में ओवरलोडिंग समेत अन्य काराणें से गाड़ी मालिक भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत सिंह बख्शी ने सभी की समस्याएं सुनने के बाद कहा कि सबसे पहले रेता-बजरी की जो गाड़िया टोल से गुजरती हैं, उनका टोल कैश न लेकर फास्ट टैग से काटा जाए। बिना एचएसआरपी नम्बर प्लेट वाली गाड़ियों को टोल से न निकलने दिए जाए। इस सबंध में एसोसिएशन जल्द जिलाधिकारी से भेंट करेगा। अध्यक्ष शोभित सक्सेना ने कहा कि सन 2012 से खाद-सीमेन्ट की जो रेट लिस्ट लागू थी, वही अब तक चली आ रही है, जबकि उस समय डीजल 45 रुपये प्रति लीटर था और आज 90 रुपये प्रति लीटर है। जल्द नई रेट लिस्ट जारी करने की बात कही।

महामंत्री दानिश जमाल ने कहा कि ट्रांसपोर्टर का कमीशन भाड़े पर सात प्रतिशत होने के कारण गाड़ी वाले को बहुत ज्यादा कमीशन देना पड़ता है, जिससे उसकी बचत नहीं हो पाती है। रेता बजरी एसोसिएशन के अध्यक्ष सरदार एमपी सिंह ने कहा कि रेता-बजरी ढोने वाली ओवरलोड गाड़ियों पर रोक लगनी चाहिए। संरक्षक परवेज खान ने अवैध ट्रैक्टर ट्रालियों के संचालन पर रोक लगाने की मांग की। कोषाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह बख्शी ने कहा कि कुछ डम्प डीलर्स गाड़ियों को सीधे भरवाते हैं, जिससे ट्रान्सपोर्टर्स को मिलना वाला कमीशन नहीं मिल पाता है। इससे उनका नुकसान होता है, इसलिए एसोसिएशन ने फैसला लिया है कि ट्रान्सपोर्टर्स की बिल्टी पर कोई भी गाड़ी सीधे नहीं भरी जायेगी। फरहत व जीशान ने कहा कि डम्प डीलर्स सुबह ही गाड़ियों को लोड करवा लेते हैं और शाम तक कागज नहीं देते। खाद-सीमेन्ट के प्रभारी केपी सिंह ने कहा कि शहर में चल रहीं अवैध ट्रैक्टर ट्रालियों को लेकर ट्रान्सपोर्टर्स एसोसिएशन 18 जुलाई को आरटीओ से मिल सघन चेकिंग अभियान चलवाने की मांग करेगी। बैठक में दिव्यांश को रेता बजरी एसोसिएशन का सह महामंत्री और इमरान को संयुक्त महामंत्री मनोनीत किया गया। साथ ही 15 गाड़ी वालों ने ट्रान्सपोर्ट एसोसियेशन की सदस्यता ली। अमन गुप्ता, अरविन्द गुप्ता, कुलवन्त सिंह, कौशल, गुरमीत सिंह बख्शी, रिशी गुप्ता, अंकुर सहगल, अमरप्रीत, हरजीत सिंह राजू, निशू, मोन्टू, प्रेमशंकर अग्रवाल, धीरज, नीरज, मसरूर अली आदि ट्रांसपोर्टर्स उपस्थित रहे।

सार-संक्षेप

वेंडिंग जोन के दुकानदारों ने निगम में किया प्रदर्शन

बरेली, अमृत विचार : सेटेलाइट बस अड्डे सामने वेंडिंग जोन की दुकानों को छावनी परिषद ने नोटिस देकर दो दिन में हटाने को कहा है। इसको लेकर दुकानदारों ने मंगलवार को नगर निगम पहुंच कर प्रदर्शन किया। वेंडिंग जोन में काफी संख्या में ठेला, फड़ लगाने वाले दुकानें लगाते हैं। इन सभी को छावनी परिषद ने नोटिस भेज कर दो दिन के भीतर जगह खाली करने को कहा है। वेंडिंग जोन के दुकानदार सूर्य प्रकाश सक्सेना, दिनेश, किशन लाल, काली भाई, अमन आदि मेयर आफिस पहुंचे। दुकानदारों ने गुहार लगाई की उनको हटाया न जाए लेकिन मामला छावनी परिषद से जुड़ा होने के कारण सभी को छावनी परिषद जाने की सलाह निगम के कर्मचारियों ने दी। इसके कारण वह वापस लौट गए।

दरगाह के वरिष्ठ मुफ्ती अफरोज आलम का निधन

बरेली, अमृत विचार : दरगाह आला हजरत के वरिष्ठ मुफ्ती 45 वर्षीय अफरोज आलम का मंगलवार को निधन हो गया। वह मदरसा मंजर ए इस्लाम में शिक्षक और मुफ्ती थे। मंगलवार को ब्रेन स्ट्रोक होने पर उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां हालात गंभीर होने पर परिवार और मुफ्ती सलीम नूरी बरेलवी उनको दिल्ली इलाज के लिए ले जा रहे थे। शाम 5 :56 बजे गाजियाबाद के पास मुफ्ती अफरोज आलम ने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर दरगाह पर लगते ही शोक की लहर दौड़ गई। दरगाह प्रमुख मौलाना सुब्हान रजा खान (सुब्हानी मियां), सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां और मंजर ए इस्लाम के प्रिंसिपल मुफ्ती आकिल रजवी ने दुख जताया है। नासिर कुरैशी ने बताया कि मुफ्ती अफरोज आलम धौराटांडा कस्बे के रहने वाले थे। 16 जुलाई को उनकी नमाज ए जनाजा कस्बे में अदा कराई जाएगी।

शिक्षक पर दर्ज केस वापस लेने की मांग

बरेली, अमृत विचार : पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज (पीयूसीएल) ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर डीएम को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को सौंपा। ज्ञापन में बहेड़ी में शिक्षक रजनीश गंगवार पर दर्ज हुए केस को वापस लेने की मांग की। पीयूसीएल के अध्यक्ष एड. यशपाल सिंह ने कहा कि विगत दिनों एमजीएम इंटर कालेज बहेड़ी में कार्यरत शिक्षक रजनीश गंगवार ने कक्षा में गीत प्रस्तुत किया गया था, जो छात्रों को ज्ञानार्जन के लिए था। इसका वीडियो वायरल होने के बाद कुछ संगठनों और राजनैतिक व्यक्तियों ने शिक्षक के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूल अधिकारों की अनदेखी है।

सरकार और हिंदू संगठनों पर बरसीं सुनीता गंगवार

बरेली, अमृत विचार : एमजी इंटर कॉलेज के शिक्षक डॉ. रजनीश गंगवार की कविता पाठ पर हिंदू संगठनों ने उनके खिलाफ धार्मिक भावना आहत होने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करवाई। इस पर पैनी नजर सामाजिक संस्था की अध्यक्ष एवं रोहिलखंड प्रांत आम आदमी पार्टी की उपाध्यक्ष सुनीता गंगवार ने सरकार और ऐसे संगठनों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के संगठनों का उद्देश्य केवल ओबीसी और एससी समाज के बच्चों को शिक्षा से दूर करना, उन्हें धार्मिक क्रियाकलापों में व्यस्त कर शिक्षा से दूर करना है। जबकि शिक्षक का उद्देश्य कविता के माध्यम से था कि यह समय बच्चों के शिक्षा प्राप्त करने का है न कि कांवड़ जैसे धार्मिक क्रियाकलापों में संलिप्त होने का।

हादसे में घायल युवक के लिए संजीवनी बनी एंबुलेंस

बरेली, अमृत विचार : आंवला के गांव मोहम्मदपुर पथरा के पास ऑटो रिक्शा और बाइक की भिड़त हो गई। जिसमें बाइक सवार अमित गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक की हालत गंभीर देख स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस को कॉल किया। चंद मिनटों में मौके पर एंबुलेंस पहुंची। मरीज के सिर में गंभीर चोटें आई थी। ईएमटी जीशान ने मरीज के सभी वाइटल चेकअप लेने के बाद और प्राथमिक उपचार देकर एंबुलेंस में शिफ्ट किया। रास्ते में ही एंबुलेंस कर्मी ने मरीज की महत्वपूर्ण जांच करने के साथ प्राथमिक उपचार दिया। मरीज को सीएचसी भमोरा में भर्ती कराया। मरीज को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

रेल कर्मचारी की तत्परता से बची यात्री की जान

बरेली, अमृत विचार : पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल में कार्यरत रेलकर्मी की तत्परता से एक यात्री की जान बच गई। गोमतीनगर स्टेशन के पास 19715 एक्सप्रेस से एक यात्री उतरते समय फिसलकर नीचे गिर गया। ड्यूटी पर तैनात मुख्य वाणिज्यिक सह टिकट पर्यवेक्षक नन्द सिंह मीणा को सूचना मिली कि तो वह तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरपीएफ और कोच अटेंडेंट की सहायता से घायल यात्री को सुरक्षित बाहर निकाला और तुरंत अस्पताल भिजवाया। समय पर इलाज मिलने से यात्री की जान बच गई। घायल यात्री के परिजन स्टेशन पर पहुंचे और रेल कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। इज्जतनगर मंडल की डीआरएम समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की।

एक नजर

बिजली कटौती पर विधायक ने लगाई फटकार

नवाबगंज, अमृत विचार : क्षेत्र में हो रही बिजली कटौती से लोग परेशान है। लोगों के बढ़ते जनाक्रोश को देखते हुए विधायक ने विभागीय अधिकारियों को तलब कर आपूर्ति में सुधार के कड़े निर्देश दिए। विधायक डॉ. एम पी आर्य ने मंगलवार को विद्युत विभाग के एसडीओ राजेन्द्र सिंह और अरुण कुमार के साथ ही अवर अभियंताओं को अपने आवास पर बुलाकर नवाबगंज से हाफिजगंज की ओर पेड़ों से सटकर जा रही बिजली लाइन को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अवर अभियंताओं को फाल्ट होने पर लाइन बंद करने के बाद ट्राई के लिए आपूर्ति देने के निर्देश भी दिए।

नहर में नहाने गए युवक की डूबकर मौत

नवाबगंज, अमृत विचार : नहर में नहाने गए युवक की डूबने से मौत हो गई, परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए उसका अंतिम संस्कार कर दिया। ग्राम भोलापुर लावाखेड़ा निवासी मो. परवेज (19) पिकअप चालक था। जो दो तीन दिनों से नगर के नजदीक ग्राम रिछोला अपने ताऊ मो. फारूक के यहां आया हुआ था। मंगलवार सुबह 10 बजे वह गांव से सटकर गुजर रही नहर में नहाने गया था, नहाते समय वह गहरे पानी में जाने से डूबने लगा। कुछ दूरी पर ही नहर में नहा रहे कुछ युवकों ने जैसे-तैसे उसे बाहर निकाला और उसे नगर के एक डॉक्टर के यहां लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मच गया। कुछ देर बाद पहुंचे परिजन शव को अपने गांव लेकर चले गए।

शिविर में उपभोक्ताओं की दूर होंगी समस्याएं

फरीदपुर, अमृत विचार : विद्युत वितरण उपखंड फरीदपुर की ओर से 18 को फतेहगंज पूर्वी टाउन तथा 19 को टिसुआ में मेगा विद्युत बिल समाधान शिविर लगाया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। जिसमें नए संयोजन, भार वृद्धि, खराब मीटर, बिल संशोधन, बिल जमा करने एवं अन्य संबंधित कार्यों की शिकायतों का गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में किया जाएगा। मेगा कैंप शिविर के माध्यम से उपभोक्ताओं को सहुलियत प्रदान किया जाएगा। एसडीओ ने बताया कि इस अभियान का मकसद अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ दिलाना है, यह जानकारी अवर अभियंता फरीदपुर ग्रामीण वीरू सिंह ने दी।

राजकीय महाविद्यालय की द्वितीय मेरिट जारी

भदपुरा, अमृत विचार : राजकीय महाविद्यालय भदपुरा में मंगलवार को स्नातक में प्रवेश की द्वितीय मेरिट जारी की गई। प्राचार्य डॉ. रुद्रमन सिंह ने बताया अब तक महाविद्यालय में बीए में 160, बीएससी में 80, बीकॉम में 20 छात्रों ने प्रवेश लिया है। प्राचार्य ने बताया कि यहां कक्षाएं समय से लगती है, शिक्षक पूरे मनोयोग से पढ़ाते है, आसपास के महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को परीक्षा देने यहीं आना पड़ता है क्योंकि ये स्थाई केंद्र है।

मकान से नकदी और जेवर चोरी, रिपोर्ट दर्ज

बहेड़ी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मुंडिया नबीबख्श में एक मकान से चार दिन पहले जेवर और 70 हजार की नगदी चोरी हुई थी। पुलिस ने मकान मालिक राकेश कुमार की तहरीर पर एक आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज कर ली। मकान मालिक ने बताया 11 जुलाई की रात मकान का ताला तोड़कर चोरी हुई। उन्हें शक है गांव का ही राकेश कुमार इस चोरी में शामिल हो सकता है, क्योंकि वह उस दिन उनके घर आया था। जब वह घर पर नहीं थे और परिवार के अन्य सदस्य नीचे सो रहे थे। तब ऊपर के कमरे में रखे लाकर को तोड़कर चोरी की गई। इंस्पेक्टर संजय सिंह तोमर ने बताया तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

24 लाख से बनेगा अंत्येष्टि व दसवां स्थल

राजपुर कलां, अमृत विचार : ब्लॉक मझगवां की ग्राम पंचायत राजपुर कलां में 24 लाख 36 हजार रुपये की लागत से अंत्येष्टि और दसवां स्थल का निर्माण होगा। ब्लॉक प्रमुख यशवंत सिंह ने पूर्व ब्लाक प्रमुख पति रमेश गुप्ता के साथ किया शिलान्यास किया। सहायक विकास अधिकारी पंचायत अभय आर्य ने बताया राजपुर कला गांव की श्मशान भूमि स्थल पर ग्राम पंचायत स्तर से 24 लाख 36 हजार रुपये की लागत से अंत्येष्टि तथा दसवां स्थल का निर्माण कराया जाएगा। इस अतुल कुमार गुप्ता, ध्रुव वर्मा, हरीशंकर गुप्ता, ग्राम सचिव रूपराम, राम बहादुर वर्मा आदि मौजूद रहे।

हीलाहवाली: बेहोश पत्नी को लेकर दिन भर घूमता रहा युवक, टरकाती रही पुलिस

बच्चों के विवाद में पड़ोसियों ने की पिटाई, पत्नी को इलाज के लिए सीएचसी लेकर पहुंचा

संवाददाता, बिशारतगंज

ऑटो में बेहोश पड़ी महिला। ● अमृत विचार

- हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने सीएचसी से जिला अस्पताल किया रेफर

अमृत विचार : बच्चों के विवाद में हुई मारपीट में बेहोश महिला को लेकर पति दिन भर पुलिस वालों के चक्कर काटता रहा, लेकिन उसे हर जगह से टरकाया जाता रहा। पुलिस रिपोर्ट दर्ज करना दूर, उसका मेडिकल परीक्षण कराने तक को तैयार नहीं हुईं। अंत में पति इलाज के लिए उसे लेकर सीएचसी पहुंचा। जहां डॉक्टर में महिला का मेडिकल परीक्षण किया और गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

थाना क्षेत्र के डकोरा गांव निवासी गोपाल लोधी ने बताया कि सोमवार शाम उसके बच्चे ने पड़ोसी का रेत फैला दी थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई जो शाम को लोगों के समझाने पर शांत हो गई। आरोप है कि मंगलवार को जब गोपाल मजदूरी करने चला गया तो पड़ोसियों ने उसकी पत्नी यशोदा को बेरहमी से पीट दिया, जिससे वह बेहोश हो गई। सूचना पर वह घर पहुंचा और यूपी 112 पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना का जायजा लिया और पीड़ित को थाने जाने की सलाह दी। आरोप है जब वह पत्नी को थाने लेकर गया तो पुलिस ने घर जाने की सलाह दी। पीड़ित ने बताया झोलाछापों ने भी इलाज करने से इन्कार कर दिया। इस पर वह पत्नी को लेकर सीधे सीओ कार्यालय आंवला पहुंचा। सीओ कार्यालय से बताया गया कि उन्होंने थाने फोन कर दिया है और वह थाने चले जाएं मेडिकल हो जाएगा। आरोप है कि जब वह पुनः थाने पहुंचा तो वहां फिर उसे घर जाने की सलाह दी गई। वह पूरे दिन बेहोश पत्नी को लेकर घूमता रहा। इस संदर्भ में हल्का इंचार्ज एसआई हेमंत ने बताया वह मामले की जांच करने गांव गए थे। ग्रामीणों में बताया कि मामूली कहासुनी हुई है। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार के अनुसार सीओ का फोन आया था, लेकिन महिला दोबारा थाने नहीं। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि पीड़ित का मेडिकल परीक्षण किया गया, हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

डॉक्टर बोले, हालत गंभीर

पीड़ित गोपाल शाम को सीएचसी मझगवां पहुंचकर सीएचसी प्रभारी को पूरी बात बताई और स्वयं मेडिकल परीक्षण कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। इसके बाद घायल यशोदा का मेडिकल परीक्षण हुआ। डॉ. सुशील ने बताया ज्यादा खून बहने से घायल की हालत गंभीर थी, इसलिए प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

महिला की अश्लील वीडियो बनाकर मांग रहा दो लाख रुपये

कैंट, अमृत विचार : एक महिला ने एक व्यक्ति पर उसके अश्लील वीडियो बनाकर, वायरल करने की धमकी देकर दो लाख रुपये मांगने का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया वह 7 वर्षीय पुत्र के साथ किराए के मकान में रहती है।

महिला के पड़ोस में थाना नवाबगंज के नई बस्ती पश्चिमी मोहल्ला निवासी बिलालुद्दीन भी रहता है। महिला का आरोप है, उसने उसे प्रेमजाल में फंसाकर एक साल तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा, और चुपके से उसकी अश्लील वीडियो बना ली। इसके बाद आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर महिला से दो लाख रुपए की मांग करने लगा। महिला ने बदनामी के डर से 1 लाख रुपये उसे दे दिए। महिला का आरोप है आरोपी 10 जून को रात 3 बजे जबरन उसके घर में घुस आया और रुपयों की मांग करने लगा। विरोध करने पर महिला की गर्दन पर चाकू रख दिया, और जबरन संबंध बनाए। उसके गले में पड़ी सोने की चेन तथा मोबाइल छीन लिया।

छेड़छाड़ से परेशान किशोरी पढ़ाई छोड़ने को मजबूर

संवाददाता, फरीदपुर

- पीड़िता ने पिता के साथ थाने पहुंचकर कराई रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : दबंगों से परेशान छात्रा स्कूल छोड़ने को मजबूर हो गई, परेशान होकर उसने मंगलवार को थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

थाना क्षेत्र के एक गांव की किशोरी नगर के एक कॉलेज में 8वीं की छात्रा है। वह रोज गांव से साइकिल से पढ़ने आती है, वहीं रास्ते में गांव के ही ओमवीर व जितेंद्र उसका पीछा करते हुए उसे परेशान करते हैं। कभी उसकी साइकिल का हैंडल पकड़ लेते हैं तो कभी उसका बैग खींचते हैं। विरोध करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हैं। लगभग एक सप्ताह से उसके साथ ऐसा ही हो रहा। परेशान होकर उसने शोहदों की इस करतूत के बारे में परिजनों को बताया। परिजनों ने जब उनके घर पर शिकायत की तो उनके परिवार वाले उलटा झगड़े पर आमादा हो गए। जिसके बाद मंगलवार को परिवार वाले स्कूल से लौटने पर किशोरी को यूनिफार्म में ही लेकर फरीदपुर कोतवाली पहुंचे और लिखित तहरीर देते हुए सारी व्यथा बताई। थाना प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम ने बताया आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

शीशगढ़ के युवक की सितारगंज में मौत

संवाददाता, शीशगढ़

- हादसे में साहिल का दोस्त घायल
- लौटते समय कार ने मारी टक्कर

अमृत विचार: बाइक से दोस्त के साथ सितारगंज रिश्तेदारी से लौटते समय कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा युवक घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए को भिजवाकर, घायल को अस्पताल में भर्ती कराया।

कस्बे के मोहल्ला कंचन कुआं निवासी साहिल (20) मंगलवार को दोस्त अदनान के साथ बाइक से सितारगंज रिश्तेदारी में गया था। लौटते समय मंगलवार शाम 4 बजे सितारगंज बाईपास पर गांव खंडगरी के पास सामने से आई तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक चला रहे साहिल की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पीछे बैठा अदनान गम्भीर घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घायल से जानकारी कर परिवार को सूचना दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। साहिल की मौत की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया। साहिल तीन भाईयों में दूसरे नंबर का था। उसके पिता की कुछ दिन पहले ही कैंसर से मौत हुई थी।

ई-रिक्शा की टक्कर से युवक की मौत

आंवला, अमृत विचार : आंवला भमोरा रोड पर सोमवार शाम एक बाइक ई-रिक्शा में भिड़ गई, जिससे बाइक सवार की मौत हो गई। मोहम्मदपुर पथरा निवासी अमित बाबू (22) प्रधान परशुराम की बाइक मांग कर रामनगला गया था। लौटते समय गांव के ही समीप उसकी बाइक आगे आ रहे एक ई-रिक्शा में भिड़ गई। वाहन में लगी कोई नुकीली वस्तु उसके सिर में लग गई। जिससे वह घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे परिजन उसे अस्पताल ले जाने की तैयारी करने लगे। इसी बीच उसकी मौत हो गई। पिता रामकुमार ने बताया कि उसका बेटा नोएडा में मजदूरी करता था। इस समय वह गांव आया था। वह छह बहन भाइयों में तीसरे नंबर का था।

कोटे के चुनाव में धांधली का आरोप

संवाददाता, बहेड़ी

नाराज ग्रामीण तहसील में शिकायत करने पहुंचे। ● अमृत विचार

- ग्रामीणों ने तहसील पहुंचकर एसडीएम से की शिकायत

अमृत विचार: कोटे की दुकान में धांधली का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर जांच कराने की मांग की।

वरीपुरा गांव निवासी तेजपाल, लताकुमारी, लक्ष्मी देवी, विनोद कुमार, मोहित राठौर, सुनील निवासी सहित करीब दो ट्रैक्टर ट्रॉलियों से भरकर ग्रामीण मंगलवार को तहसील मुख्यालय पहुंचे, जहां कोटे के चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए। एक शिकायती पत्र एसडीएम को सौंपा है। मुकेश कुमार की ओर से दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया गांव में मंगलवार को कोटे का चुनाव होना तय था, जिसमें मुकेश कुमार और जतिन कुमार के बीच चुनाव होना था। कोटे का चुनाव कराने अधिकारी और पुलिसकर्मी गांव पहुंचे और जतिन कुमार के लोगों की लाइन लगाकर एक पक्ष के पक्ष में चुनाव घोषित कर दिया। उपजिलाधिकारी रत्निका श्रीवास्तव ने बताया शिकायती पत्र गांव वालों ने दिया है। जांचकर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

शराब की दुकानों में चोरी का कर दिया खुलासा

संवाददाता आंवला

अमृत विचार : पुलिस ने 29 जून की रात आंवला भमोरा रोड के मोहम्मदपुर पथरा और रामनगला में शराब की दो दुकानों से हुई चोरी का खुलासा कर दिया। पुलिस ने तीन दिन पहले बरेली कैंट पुलिस द्वारा मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किए गए पांच लोगों पर शराब की दोनों दुकानों से चोरी करने का दावा किया है।

कैंट पुलिस ने 12 जुलाई को कठपुला पुल के समीप मुठभेड़ के दौरान पांच लोगों को पकड़ा था। उनके पास से दो तमंचे, लूटी गई अंग्रेजी शराब, दो बाइकें बरामद हुईं थी। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम रविन्द्र, सियानंद उर्फ श्याम निवासी ग्राम धनौरा थाना भमोरा बरेली, गुड्डू निवासी तजपुरा थाना भमोरा बरेली, जगतपाल निवासी ढका थाना बिशारतगंज बरेली और अवनीश निवासी सेरहा दातागंज बदायूं बताया था। वहीं आंवला पुलिस ने आंवला भमोरा रोड की दो शराब की दुकानों से चोरी की घटना में उक्त पांचों लोगों की संलिप्तता होने का दावा किया है। भमोरा के गांव इस्लामाबाद निवासी लडैती देवी के नाम से मोहम्मदपुर पथरा गांव में देशी शराब की दुकान है। 29 जून की रात्रि को चोरों ने ताले तोड़कर शराब चुराई थी।

खबर छपने के बाद विभाग ने मांगा जवाब तो अस्पताल पहुंचे डॉक्टर

खबर का असर

संवाददाता, मीरगंज

- ज्वाइनिंग के बाद अस्पताल में डॉ. के नहीं बैठने का मामला

अमृत विचार: राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय ग्राम धनेटा में स्वास्थ्य सेवाएं ठप होने की खबर को अमृत विचार ने प्रमुखता से प्रकाशित किया, इसके बाद आयुष विभाग सक्रिय हो गया।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. अजय पाल सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए धनेटा में तैनात चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश सिंह से स्पष्टीकरण मांग लिया। मंगलवार को वह चिकित्सालय में उपस्थित मिले, उन्होंने मरीज भी देखे। इसके साथ ही योग इंस्ट्रक्टर कहकशां अंसारी ने ग्रामीणों को योगा भी कराया, योग करने के लाभ बताए। डॉ. सुरेश सिंह की पोस्टिंग कुछ दिन पहले ही धनेटा आयुर्वेदिक केंद्र में चिकित्साधिकारी के पद पर की गई थी, ग्रामीणों का आरोप था कि वह ड्यूटी जॉइन करने के बाद नहीं पहुंच रहे थे। खबर प्रकाशित होने के बाद विभाग ने जवाब मांगा। इसके साथ ही पूरे मामले की जांच के लिए एक कमेटी भी गठित की थी। टीम ने मंगलवार को जांच की और स्पष्टीकरण का जवाब मांगा। इस पर डॉक्टर ने अपना स्पष्टीकरण देते हुए मरीजों को दवाएं आदि वितरित की।

सड़कों के गड्ढों में कीचड़ से बढ़ी मुसीबत

संवाददाता, सिरौली

अमृत विचार: ब्लॉक रामनगर के गांव केसरपुर से शिवपुरी मार्ग पर गांव पल्था में सड़कों की हालत इस कदर खराब है कि यहां से निकलना मुश्किल हैं। कीचड़ भरने से राहगीरों के लिए बचकर निकलना मुश्किल हो गया है।

इस मार्ग से बरेली रामपुर के दर्जनों गांव जैसे अजमेर, केसरपुर, चंदुपुरा, औरंगाबाद, शहबाजपुर, कल्यानपुर के साथ -साथ आंवला शाहबाद वाले रोड को भी जोड़ती है। ग्रामीणों ने बताया गड्ढे में तब्दील हो चुकी सड़क पर चलना मुश्किल हो गया। आय दिन बाइक सवार और साइकिल सवार गड्ढे की वजह से गिरकर घायल हो रहे हैं। सड़कों के किनारे जमा पानी, टूटी हुई सड़क के ऊपर से बह रहा है स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़कों पर किसी का ध्यान नहीं है। शिकायत के बाद भी जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है।

कीचड़ से निकलता ई-रिक्शा।

गली में रखे ईंट भरे कट्टे।

गली में भरा पानी, कट्टे रखकर निकल रहे लोग

शीशगढ़, अमृत विचार : शीशगढ़ के मोहल्ला तकिया वार्ड नंबर छह की एक गली में एक साल से पानी भरा है। लोग पानी और कीचड़ से होकर निकलने को मजबूर हैं। बारिश के समय पानी ज्यादा होने पर लोगों का निकलना बंद हो जाता है। जिससे लोग एक किलोमीटर घूमकर मेन रोड पर आते हैं। मोहल्ले के लोगों ने कई बार शिकायत की, लेकिन उसके बाद भी नगर पंचायत की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया गया। सभासद सईदा रहमान ने बताया कि अधिशासी अधिकारी को कई बार लिखित शिकायत देकर समस्या से अवगत कराया है मोहल्ले के लोग बहुत ही परेशान हैं स्कूल आने जाने के लिए बच्चों को दूसरी गलियों से होकर गुजरना पड़ता है। चेयरमैन पति हाजी जाहिद हुसैन गुड्डू ने बताया उस गली के दो बार टेंडर किए जा चुके है, लेकिन मोहल्ले के लोग विवाद उत्पन्न करके ठेकेदार को भगा देते है। जिस कारण रोड नहीं बन पा रही है, मोहल्ले के लोग सहमति पत्र देंगे तो जल्द ही काम शुरू करा दिया जाएगा।

टूटी सड़क की नहीं हुई मरम्मत, ग्रामीण परेशान

हाफिजगंज, अमृत विचार : गांव बकैनिया में ग्रामीण कई माह से टूटी सड़क की मरम्मत के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ग्रामीण बैंक से नई बस्ती तक जाने वाली यह सड़क खस्ताहाल है। स्थानीय निवासियों ने बताया एक साल पहले सड़क का निर्माण हुआ था। कई बार अधिकारियों से शिकायत की, परन्तु टूटी हुई सड़क की न तो मरम्मत हुई और न ही अधिकारियों ने निरीक्षण किया। सरफराज अहमद, पप्पू, असीम, नाजिम, रामभरोसे लाल, रामऔतार, राशिद और अकरम ने सड़क की मरम्मत करने की मांग की है।

महिला को पीटा, रिपोर्ट

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : अश्लील हरकत करने का विरोध करने पर दबंगों ने गर्भवती को लाठी- डंडों से पीटकर घायल कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पीड़िता को मेडिकल के लिए भेजा है। पीड़िता ने बताया वह जब घर में नहाती है तो पड़ोसी सुमित झांकता है। जब पीड़िता और उसके परिजनों ने सुमित का ऐसा न करने के लिए कहा तो वह झगड़े पर उतारू हो गया। कुछ देर बाद जब पीड़िता के परिजन खेत गए तो उसके साथ मारपीट की।

आवश्यकता है
- मैट्रन (नर्सिंग का अनुभव)
- नर्स (Male/Female) (ANM/GNM)
- आयुर्वेदिक परिचारिका
- OT टेक्निशियन
- वार्ड ब्वॉय
- ड्राइवर (मल्टीपर्पज)
- कैंटीन कुक

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली
मो: +91-8077808309, 9837357497

सार-संक्षेप

राष्ट्रीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से नवाजे गए हसन

देवरनियां, अमृत विचार : शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए मुंडिया जागीर के उच्च प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक मोहम्मद हसन को संत पाल सिंह राठौड़ स्मृति में आयोजित राष्ट्रीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान 2025 से बदायूं में सम्मानित किया गया। मोहम्मद हसन ने अपने विद्यालय के भौतिक एवं शैक्षिक वातावरण को समृद्ध बनाया है, जिसके चलते विद्यालय में नामांकन में वृद्धि हुई। इसके अलावा राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा में बच्चों का चयन हुआ। खेलकूद में भी विद्यालय के बच्चों ने मंडल स्तर पर भी प्रतिभाग किया। यह पुरस्कार शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करने सामाजिक सरोकारों से जोड़ने और समाजोपयोगी क्षेत्र में योगदान के लिए दिया जाता है। इससे पूर्व भी शिक्षक मोहम्मद हसन को जनपद, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें तमाम शिक्षकों की तरफ से बधाई मिल रही हैं।

नगर पंचायत की टीम ने हटवाया अतिक्रमण

शीशगढ़, अमृत विचार : कस्बे के बरेली बस स्टैंड पर सड़क किनारे कुछ लोगों ने खोखे रखकर अतिक्रमण कर रखा है। कुछ लोगों ने अपनी अपनी जमीन बताकर पटान शुरू कर दिया और उसे बेचने की कोशिश में लगे है। इसकी जानकारी नगर पंचायत प्रशासन को हुई तो अधिकारी जेसीबी लेकर टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सड़क किनारे रखे खोखो को हटवाकर सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करके कुछ लोग खरीदने और बेचने की तैयारी कर रहे थे। जिसे नगर पंचायत की टीम ने उस जगह को चिन्हित करके अतिक्रमण को हटवाकर सरकारी संपत्ति का बोर्ड लगा दिया है। और अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी, है अगर दोबारा अतिक्रमण किया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान नगर पंचायत की टीम में मुस्तफा अली, संजीव वाल्मीकि, मोहमद आसिफ समेत अन्य मौजूद रहे।

पेड़ गिरने से शेरगढ़-बहेड़ी मार्ग दो घंटे रहा बंद

शेरगढ़, अमृत विचार : मंगलवार को हल्की बारिश के बीच मवई काजियान और जुआ जवाहरपुर गांव के पास शेरगढ़-बहेड़ी मार्ग पर शीशम का पेड़ गिरने से तकरीबन दो घंटे तक रास्ता बंद रहा। इस दौरान दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं। जाम में फंसी एंबुलेंस को परेशान होकर बहेड़ी की ओर लौटना पड़ा। राहगीरों ने यूपी 112, शेरगढ़ पुलिस, एसडीएम बहेड़ी को भी सूचना दी। सूचना देने के बावजूद वन विभाग का कोई भी अधिकारी कर्मचारी मौके नहीं पहुंचा, जिससे जाम में फंसे लोगों को 2 घंटे तक परेशान होना पड़ा। वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों के नहीं पहुंचने पर प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने पुलिस कर्मियों को भेज कर लकड़ी काटने वाले लोगों की तलाश कराई और उनकी मदद से मार्ग पर गिरे पेड़ की टहनियों को कटवाकर रास्ता साफ कर जाम खुलवाया।

सोशल मीडिया पोस्ट से परिवार से मिला दिव्यांग

नवाबगंज, अमृत विचार : सोशल मीडिया पर की गई एक पोस्ट से एक मानसिक मंदित को उसके परिवार तक डेढ़ साल बाद पहुंचा दिया। आसाम के हैलाकांडी जिले के थाना काटली सोडा के रोमपुर पार्ट थर्ड निवासी नुरुद्दीन ताल्लुकदार का मानसिक मंदित 17 वर्षीय पुत्र आमिर इस्लाम डेढ़ वर्ष पहले घर से चला गया था, जिसकी गुमशुदगी भी वहां के थाने में दर्ज थी। जो भटककर तीन - चार दिन पहले नजदीक के ग्राम हर दुआ किफायतुल्ला में पहुंच गया। जिसे मो. आरिफ ने अपने पास रोककर उसके फोटो के साथ ही उसकी सूचना फेसबुक पर पोस्ट की। और उसे कोतवाली पहुंचा दिया, फोटो और पहचान वायरल होने पर इसकी जानकारी उसके परिजनों को मिली तो उसका बड़ा भाई जुहीरुल इस्लाम अपने साथी बहारुदीन के साथ यहां पहुंच गया जिसे देखकर आमिर उससे लिपट गया। पुलिस ने सारी औपचारिकता पूरी कर उसे उसके भाई को सौंप दिया। पुलिस ने बताया आमिर ने इशारों और अटकते लहजे में बताया उसे पंजाब के किसी सिख परिवार ने बन्धक बनाकर रखा था और काम न करने पर गर्म सलाखों से दाग -दाग कर घायल कर दिया था। उसके पांव और हाथ पर जले के निशान भी पाए गए हैं।

महाकाल के जलाभिषेक को जाएंगे 250 शिवभक्त

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : क्षेत्र से महाकाल कांवड़ चढ़ाने जाने वाले दूसरे जत्थे की खाद्य सामग्री की गाड़ी पूजा- पाठ के बाद मंगलवार को रवाना कर दी गई। महंत हरदेव गंगवार, बनवारी लाल गंगवार की अगुवाई में कस्बा और ग्रामीण अंचल से संयुक्त दूसरा जत्था बुधवार को जाएगा। महंत हरदेव गंगवार ने बताया 250 कांवड़ियों का जत्था ओम कालेश्वर से जल भरने के बाद पांच दिन में करीब 150 किलोमीटर पद यात्रा करके उज्जैन महाकाल ज्योतिर्लिंग पर जल अभिषेक करेगा। जत्था के लिए खाद्य सामग्री कैंटर से मंगलवार को रवाना की गई है। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य ममता गंगवार, जगदीश गंगवार, दिनेश पांडेय, कैलाश शर्मा, ओमेंद्र सिंह चौहान, चेतराम गंगवार, भागवत शरण, कैलाश अग्रवाल, जसवीर सिंह प्रेमपाल गंगवार आदि मौजूद रहे।

स्कूलों के विलय का शिक्षकों ने जताया विरोध

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक में मंगलवार को कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों को नजदीकी विद्यालयों में विलय करने के आदेश का विरोध किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला मंत्री शिवस्वरुप शर्मा ने परिषदीय स्कूलों में कम छात्र संख्या वाले स्कूलों को नजदीकी विद्यालयों में विलय के आदेश का विरोध जताया। उन्होंने कहा इस आदेश से प्रभावित विद्यालयों के ग्रामीणों और अभिभावकों के साथ बैठक करें और उनके सुझाव लें। इस मौके पर प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक संरक्षक सुनील शुक्ला, ब्लॉक अध्यक्ष कामरान खान, तहसील अध्यक्ष राहुल सिंह, मनोज मिश्रा, ,शुभम सक्सेना, शिवम अग्रवाल, भूप सिंह, हरपाल, समेत ग्राम प्रधान अरविंद कुमार, चैतन्य प्रकाश गंगवार, आदि लोग मौजूद रहे।

गाय छत पर चढ़ी, मचा हड़कंप

गुलड़िया, अमृत विचार : सिरौली थाना क्षेत्र के गांव शिखा में मंगलवार दोपहर 12 बजे गांव के अनिल सिंह की गाय जीने के रास्ते लखन सिंह के मकान की छत पर चढ़ गई। ग्रामीणों ने गाय को छत से उतरने का काफी प्रयास किया पर शाम तक नहीं उतार पाए। ग्रामीण गाय को उतारने की कोशिश करते रहे पर छत पर दौड़ती रही, जब भी कोई पास जाए तो मरने को दौड़ती रही। शाम को ग्रामीणों ने बड़ागांव पुलिस को सूचना दी।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र रोहित जॉर्ज एवं पुत्रवधू ऐजलीना को उनके गलत आचरण एव दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **सीमा जॉर्ज पत्नी जॉर्ज निवासी म. नं. ई/15 कुर्माचलनगर थाना इज्जतनगर, बरेली**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस सं. UP25 2004 0006264 में नाम मो. नदीम (Mohd. Nadeem) दर्ज है जबकि आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में मोहम्मद नदीम (Mohammad Nadeem) दर्ज है। ये दोनों नाम मेरे ही है। मुझे इन दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है। **मोहम्मद नदीम पुत्र श्री मोहम्मद अय्यूब निवासी 245 सतीपुर रोड, मीरा की पेठ के पास, नवादा शेखान जिला बरेली।**

सूचना
मेरा इंडियन बैंक शाखा फजलनगर ग्रंट में खुला खाता संख्या 50463796535 में मालती नाम अंकित है, जबकि आधार कार्ड और अन्य अभिलेखों में फूलमती पत्नी श्रीपाल नाम दर्ज है। मालती और फूलमती एक ही महिला के नाम हैं और दोनों नाम से जानी, पहचानी जाती है। बैंक में खाता खुलवाते समय मालती नाम व आधार प्रस्तुत किया गया था। जिसे संशोधन करा कर फूलमती अंकित कराया है। **फूलमती पत्नी श्रीपाल निवासी ग्राम मदनपुर मजरा फजलनगर ग्रंट तहसील गोला, जिला खीरी।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मुन्ना को उसके गलत आचरण एव दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **फरीना पत्नी शमशाद मो. पूर्वी लखपेड़ा कस्बा मोहम्मदी जनपद-खीरी**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के स्कूली दस्तावेजों में नाम भूलवश अक्ष धारीवाल दर्ज हो गया है जो कि गलत है जबकि उसका वास्तविक नाम अक्ष है। भविष्य में मेरे पुत्र को अक्ष के नाम से जाना व पहचाना जाये। **शिखा चौधरी पत्नी स्व. मोहित सिंह निवासी ग्राम गोपालपुर तहसील बहेड़ी जिला बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र सोमवीर एवं पुत्रवधू पूजा को उनके गलत आचरण एव दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **मुकेश पुत्र कन्धई लाल निवासी मो. नई बस्ती कस्बा व थाना फतेहगंज पूर्वी, बरेली**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम्।।

ज्ञान विनम्रता प्रदान करता है, विनम्रता से योग्यता आती है और योग्यता से धन प्राप्त होता है, जिससे व्यक्ति धर्म के कार्य करता है और सुखी रहता है।

संपादकीय

नवाचार का केंद्र

दुनिया आज जब आर्थिक अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, भारत मजबूत और स्थिर नेतृत्व के साथ वैश्विक मंच पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह यात्रा आसान नहीं थी, परंतु 140 करोड़ भारतीयों की मेहनत, आकांक्षा और आत्मविश्वास की अभिव्यक्ति है। भारत एक दशक पहले कई आर्थिक चुनौतियों और नीतिगत जटिलताओं से जूझ रहा था। केवल एक दशक में भारत ने ब्रिटेन को पछाड़कर 2023 में पांचवां स्थान प्राप्त किया और 2025 में जापान को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर आ गया। आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक ने भी इस उपलब्धि की पुष्टि की। 2025 में आईएमएफ की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4.19 ट्रिलियन डालर तक पहुंच गया है और भारत ने जापान जैसे विकसित देश को पीछे छोड़ दिया है। इस प्रगति की नींव में कई संरचनात्मक सुधार रहे मेक इन इंडिया ने निवेशकों का विश्वास लौटाया और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भारत की रैंकिंग 142 से घटकर 63 पर पहुंची। 2015 में शुरू की गई डिजिटल इंडिया मुहिम ने भारत को डिजिटल नवाचार का केंद्र बना दिया। जनधन, आधार और डीबीटी जैसे मिशनों ने करोड़ों लोगों को वित्तीय प्रणाली से जोड़ा और भ्रष्टाचार पर रोक लगाई। 2023-24 में भारत का कुल निर्यात 824.9 अरब डॉलर तक पहुंचा-जो आईटी, फार्मा, रत्न-आभूषण, कृषि और इंजीनियरिंग क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन का परिणाम है।

भारत अब 'दुनिया की फार्मेसी' और एक ग्लोबल टेक पावर हाउस के रूप में जाना जाता है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत 2024 तक 53.13 करोड़ से अधिक बैंक खाते, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 11 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन, और आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा दी गई। यह दिखाता है कि भारत का आर्थिक विकास समावेशिता पर आधारित है। आज भारत को पूरी दुनिया स्थिरता, नवाचार और अवसरों के केंद्र के रूप में देख रही है। वैश्विक विश्लेषकों का अनुमान है कि अगर यह रफ्तार बरकरार रही तो भारत 2027 तक जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। भारत की यह उपलब्धि सिर्फ एक आर्थिक सफलता नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के सामूहिक प्रयासों, आकांक्षाओं और आत्मबल की जीत है।

अब नौकरी ही नहीं बिजनेस भी करेगा बिहार

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़ी-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया।

अभी कुछ समय पहले मुंबई से पटना की फ्लाइट में साथ की सीट में एक नौजवान लैपटॉप पर काम कर रहा था। फिर हमारी बातचीत होने लगी। उसने बताया कि वो शेयर मार्केट एक्सपर्ट है और पटना से अपना दफ्तर चलाता है। उसके स्टाफ में आठ लोग हैं। उसका काम के सिलसिले में मुंबई आना-जाना लगा रहता है। उसने यह भी कहा कि एक दौर में वो और उसके बहुत सारे दोस्त सरकारी नौकरी करना चाहते थे। पर फिर लगा कि अब कुछ अपना करना चाहिए। कारण था सरकारी नौकरियां घट रही हैं और उन्हें पाना भी आसान नहीं है। दरअसल ये बिहार में बड़े स्तर पर हो रहा है। बिहारी नौजवान अब अपना कारोबार शुरू करने के बारे में सोचने लगे और उस दिशा में बढ़ रहे हैं। वे कारोबारी दुनिया में बेहतर कमा रहे हैं।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़ी-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया। यह निवेश नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे पहले 2023 में आयोजित पहले निवेशक सम्मेलन में बिहार में 50,300 करोड़ रुपये के निवेश का वादा मिला था।

सन पेट्रोकेमिकल्स 36,700 करोड़ रुपये ऊर्जा परियोजनाओं, जैसे पंप हाइड्रो और सौर संयंत्रों में निवेश करेगी। अडानी समूह, जो राज्य में सबसे बड़ा निजी निवेशक है, ने लगभग 28,000 करोड़ रुपये निवेश करने का वादा किया है। यह निवेश एक अत्याधुनिक थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने, सीमेंट उत्पादन क्षमता बढ़ाने, खाद्य प्रसंस्करण और लॉजिस्टिक्स व्यवसायों के विस्तार में किया जाएगा।

बिहार के उद्योग जगत पर नजर रखने वाले जानते हैं कि यहां से ही अनिल अग्रवाल (वेदांता समूह), आर.के. सिन्हा (एसआईएस सिक्योरिटी), संप्रदा सिंह एल्केम लैबोरेटरीज, आनंद कुमार (सुपर 30) जैसे बड़े कारोबारी निकले। इस सूची में कुछ नाम और भी शामिल किए जा सकते हैं और आने वाले समय में यह सूची बहुत लंबी होगी क्योंकि अब बिहारी नौजवान बदलने लगा है। उसे सरकार का साथ भी मिल रहा है।

यकीन मानिए, बिहार अब आर्थिक पुनर्जागरण की मिसाल बनता जा रहा है। हाल ही में पटना में आयोजित एक विशेष औद्योगिक संवाद में देश की 55 आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों ने हिस्सा लिया। ये कंपनियां राज्य में निवेश की संभावनाएं टटोल रही थीं। ड्रोन, डेटा सेंटर, सोलर उपकरण, लैपटॉप निर्माण और सॉफ्टवेयर सेवाओं से जुड़ी कंपनियों ने जिस उत्साह से बिहार की नई नीतियों की सराहना की, वह बताता है कि राज्य अब 'लालटेन' से 'लैपटॉप' की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निवेशकों के लिए 70 प्रतिशत तक प्रोत्साहन राशि देने की नीति, सिंगल विंडो क्लीयरेंस की व्यवस्था और निवेशकों के साथ संवाद की तत्परता ने उद्योग जगत को आकर्षित किया है। इस बार बदलाव केवल कागजों तक सीमित नहीं है, बल्कि ज़मीन पर भी दिखने लगा है। बिहार में आर्थिक चेतना का एक नया अध्याय निवेशकों की भागीदारी से भी खुल रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़े बताते हैं कि बीते पांच वर्षों में बिहार में शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों की संख्या 0.7 लाख से बढ़कर 52 लाख हो गई है। यह 68 गुना की वृद्धि न केवल देश में सबसे अधिक है, बल्कि यह दर्शाता है कि अब राज्य की जनता आर्थिक निर्णयों को लेकर अधिक जागरूक और आत्मनिर्भर होती जा रही है। यही नहीं, म्यूचुअल फंड में बिहार के निवेशक 89 प्रतिशत हिस्सा इक्विटी योजनाओं में लगा रहे हैं, जो यह संकेत देता है कि उन्हें बाजार की चाल और लाभ-हानि की समझ अब बेहतर हो चुकी है।

बिहार के उद्योग जगत पर नजर रखने वाले जानते हैं कि यहां से ही अनिल अग्रवाल (वेदांता समूह), आर.के. सिन्हा (एसआईएस सिक्योरिटी), संप्रदा सिंह एल्केम लैबोरेटरीज, आनंद कुमार (सुपर 30) जैसे बड़े कारोबारी निकले। इस सूची में कुछ नाम और भी शामिल किए जा सकते हैं और आने वाले समय में यह सूची बहुत लंबी होगी क्योंकि अब बिहारी नौजवान बदलने लगा है। उसे सरकार का साथ भी मिल रहा है। विश्व विख्यात आई सर्जन और दिल्ली एम्स के राजेन्द्र प्रसाद आई सेंटर के पूर्व डायरेक्टर डॉ. राजवर्धन आजाद कहते हैं कि दरअसल मीडिया में कुछ लोग बिहार को लेकर नकारात्मक खबरें पेश करना अपना धर्म समझते हैं। इससे राज्य की सही तस्वीर सामने ही नहीं आ पाती। इस मानसिकता को बदलने की जरूरत है। बिहार में शिक्षा और सेहत के क्षेत्र में लगातार बेहतर काम हो रहा है। अब उद्योग जगत को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। देखिए इस बदलाव के कई आयाम हैं। एक तो यह कि अब सरकारी नौकरी को ही एकमात्र विकल्प मानने की मानसिकता में कमी आई है। दूसरा, यह कि डिजिटलीकरण और मोबाइल एप आधारित वित्तीय सेवाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच बना ली है। जेरौडा, ग्रो और अपस्टाक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स ने न केवल जानकारी को सहज बनाया है, बल्कि निवेश को भी सरल बना दिया है। आज समस्तीपुर का एक छोटा कारोबारी और दरभंगा की एक गृहिणी म्यूचुअल फंड में निवेश कर रही है। यह बदलाव छोटे दिख सकते हैं, लेकिन जब इन्हें करोड़ों लोगों की आदत में शुमार कर लिया जाए, तो इसका प्रभाव देश की पूरी आर्थिक संरचना पर पड़ता है। बिहार के इस बदलाव का संबंध शिक्षा और सूचना तक पहुंच से भी है। बीते एक दशक में राज्य में उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या में वृद्धि हुई है। स्मार्टफोन और इंटरनेट ने ग्रामीण युवाओं को वैश्विक दुनिया से जोड़ा है। सोशल मीडिया और यूट्यूब जैसे माध्यमों ने जानकारी को लोकतांत्रिक बना दिया है। अब वित्तीय निर्णय केवल विशेषज्ञों का क्षेत्र नहीं रहा। आम जनता भी शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, बीमा और टैक्स प्लानिंग जैसी चीजों में रुचि ले रही है। यह समझना भी जरूरी है कि भारत की आर्थिक उन्नति केवल जीडीपी के आंकड़ों या बाजार सूचकांकों से नहीं मापी जा सकती। यह बदलाव तब स्थायी और प्रभावी होगा, जब देश के सभी हिस्से इस विकास में समान भागीदार बनें। बिहार जैसे राज्य, जिनकी दशकों तक विकास दर कम रही, यदि तेजी से ऊपर उठते हैं तो यह भारत के लिए सामाजिक संतुलन और क्षेत्रीय न्याय का संकेत भी होगा।

यह जरूरी है कि नीति निर्धारण में बिहार जैसे राज्यों को केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि साझेदार के रूप में देखा जाए। उनकी समस्याएं, संरचनात्मक बाधाएं, कौशल विकास की जरूरतें, और औद्योगिक आधारभूत ढांचे की कमी को दूर करने के लिए केंद्र और राज्य मिलकर काम करें।

व्यंग्य

अथश्री पौधारोपण कथा

आषाढ़ सावन की रिमझिम फुहारों के बीच प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पौधारोपण उत्सव मनाया गया। स्कूल, कॉलेज, सार्वजनिक क्षेत्र के पार्क में पौधारोपण की औपचारिकता निभाई गई। धरती की छाती चीरकर करोड़ों की संख्या में पौधे रोपित किए गए। प्रकृति और पर्यावरण के प्रति गंभीर विचार गोष्ठियां हुई। कुछ राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने अपने चहेते मंत्रियों, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों को पौधारोपण हेतु आमंत्रित किया। फोटो सेशन भी हुए। एक एक पौधे को अनेक समाजसेवियों ने धरती माता को सौंपा। धरती माता को पौधा समर्पित करते हुए पौधे के संरक्षण एवं संवर्धन का दायित्व निभाने की गुहार लगाई गई। पौधा एक, पौधे को रोपने वाले अनेक की तर्ज पर पौधा रोपने का अभिनय किया। कुछ सामाजिक संस्थाओं के कर्णधारों ने अति उत्साह दिखाया, पुष्पित पल्लवित पुराने पौधे के पास बैठकर हो फोटो खिचवाया। ऐसे में उस माली को फोटो सेशन स्थल से दूर ही रखा गया, जिसने वास्तव में पौधा रोपित किया था। मौलिकता यहां भी कृत्रिम प्रपंचों से सम्मुख हार गई। बहरहाल एक दिन में करोड़ों पौधे रोपने का कीर्तिमान स्थापित किया गया। समाचार पत्रों में ई मीडिया और सोशल मीडिया पर पौधारोपण से जुड़े अनेक फोटो प्रसारित किए गए। वन विभाग को यह दायित्व सौंपा गया था, कि वह डिमांड के अनुरूप सप्लाई करे, पौधों का लेखा जोखा सही से रखे, आंकड़ों में कोई त्रुटि न हो। वन विभाग ने ऐसा ही किया। अपने महाविद्यालय में इसी क्रम में सैकड़ों की संख्या में पौधे मंगाए गए, प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी उन्हीं के हाथों में पौधारोपण की व्यवस्था सौंपी गई, जिन्हें पौधारोपण का विशेषज्ञ माना जाता है। महाविद्यालय के समूचे स्टाफ ने बढ़ चढ़ कर पौधारोपण समारोह में भाग लिया।

किसी ने एक पेड़ मां के नाम पर रोपित किया, किसी ने बेटे के नाम पर, यानि जाकी रही भावना जैसी, उसने रोपी पौध ही वैसी। विगत बीस बरस से ऐसा ही हो रहा है। सैकड़ों पौधे रोपे जाते हैं, एक दिन माली से उन पर पानी का छिड़काव कराया जाता है। फिर तीसरे दिन पौधे को सींचने की प्रक्रिया की जाती है, तदुपरांत सप्ताह में एक बार पौधे पर पानी का छिड़काव होता है और महीना होते-होते पौधे की तरफ से मुंह मोड़ लिया जाता है। पौधा यदि बेशर्म हुआ तो बिना उचित सिचाई के भी खड़ा रहेगा अन्यथा संरक्षण के अभाव में अवसाद में चला जायेगा, अपनी सुध बुध खोकर आत्महत्या करने हेतु विवश हो जाएगा।

बहरहाल हर बरस यही होता है, यदि ऐसा न होता, तो पौधा रोपण के कीर्तिमान बनने के उपरांत पौधों के अपने पैरों पर खड़ा रहने के कीर्तिमान भी बन जाते, किन्तु लगता है कि पौधारोपण होता ही कीर्तिमान बनाने के लिए है। किसी को न पौधों से सरोकार है, न उनके संरक्षण से।

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

बहरहाल हर बरस यही होता है, यदि ऐसा न होता, तो पौधा रोपण के कीर्तिमान बनने के उपरांत पौधों के अपने पैरों पर खड़ा रहने के कीर्तिमान भी बन जाते, किन्तु लगता है कि पौधारोपण होता ही कीर्तिमान बनाने के लिए है। किसी को न पौधों से सरोकार है, न उनके संरक्षण से। केवल पौधारोपण में अपने फोटो सेशन से सरोकार होता है। फोटो खिचवाया और सोशल मीडिया पर चस्पा कर दिया। पौधारोपण के लिए आवंटित की गई धनराशि को पौधारोपण में कम और उदरपूर्ति में अधिक खर्च करके समारोह की औचारिकता पूरी कर ली।

बहरहाल सरकारी विभाग इसी कार्यप्रणाली से ही गतिशील रहते हैं। कुछ पौधे धरती पर रोपित करते हैं और कुछ कागजों पर। हर वर्ष यही कथा दोहराई जाती है और कीर्तिमान स्थापित करने के प्रमाणपत्र बांट दिए जाते हैं।

संदिग्ध विश्वविद्यालयों की फर्जी शिक्षा

पिछले दिनों स्पेशल टास्क फोर्स ने हापुड़ की मोनाड यूनिवर्सिटी में चल रहे फर्जी डिग्री घोटाले का भंडाफोड़ कर बड़ी कार्रवाई की। एसटीएफ ने छापेमारी के दौरान 1372 फर्जी डिग्रियां, 262 प्रोविजनल और माइग्रेशन सर्टिफिकेट समेत अन्य कई तरह की सामग्री बरामद हुईं। जांच में पता चला कि यह गिरोह बीए, बीएड, बीए-एलएलबी, फार्मेसी, बीटेक जैसे कोर्स की फर्जी डिग्रियां बनाकर बेचता था। प्रति छात्र 50,000 से चार लाख तक वसूले जाते थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि एक तरफ फर्जी डिग्रियों के माध्यम से शिक्षा का मजाक बनाया जा रहा है तो दूसरी तरफ फर्जी विश्वविद्यालय छात्रों को ठग रहे हैं।

कुछ समय पहले यूजीसी ने देश भर में खुले कई फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की थी। इन विश्वविद्यालयों को किसी भी तरह की डिग्री देने का अधिकार नहीं है। शर्मनाक यह है कि ये विश्वविद्यालय हाल ही में पैदा नहीं हुए हैं बल्कि कई वर्षों से चल रहे हैं। सही जानकारी के अभाव में हजारों छात्र इन फर्जी विश्वविद्यालयों के भंवर में फंस जाते हैं। सवाल यह है कि कई वर्षों से चल रहे इन फर्जी विश्वविद्यालयों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है? अगर ऐसे विश्वविद्यालयों पर पहले ही कार्रवाई हो जाती तो हजारों छात्रों के भविष्य पर मंडराते खतरे को दूर किया जा सकता था। दरअसल ऐसे मामलो में हर कोई अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होना चाहता है। यूजीसी समय-समय पर विद्यार्थियों को जानकारी देने के लिए फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराता रहता है। सवाल यह है कि जब यूजीसी और सरकार को फर्जी विश्वविद्यालयों की जानकारी है तो उनके संचालकों की धरपकड़ कर इन अवैध विश्वविद्यालयों को बंद क्यों नहीं कराया जाता? फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची प्रकाशित कर देने मात्र से ही यूजीसी और सरकार अपनी जिम्मेदारी से बरी नहीं हो जाते। जानकारी होते हुए भी ऐसे विश्वविद्यालयों को कार्य करते देना और उनके संचालकों के खिलाफ कोई कार्रवाई न करना तो और भी बड़ा अपराध है।

रोहित कौशिक
वरिष्ठ पत्रकार

कुछ समय पहले यूजीसी ने देश भर में खुले कई फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की थी। इन विश्वविद्यालयों को किसी भी तरह की डिग्री देने का अधिकार नहीं है।

यह विडंबना ही है कि आज गली-गली में निजी शिक्षा संस्थानों की बाढ़ आ गई है। इनमें से कुछ शिक्षा संस्थानों के क्रियाकलाप संदिग्ध हैं। सवाल यह है कि शिक्षा को व्यापार बनाने के लिए जिम्मेदार कौन है? नब्बे के दशक में शुरू हुई उदारीकरण की आंधी ने अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र को भी अपनी गिरफ्त में ले लिया। हालांकि इससे पहले भी कुछ राज्यों में उच्च शिक्षा निजी हाथों में जा चुकी थी लेकिन नब्बे के दशक में व्यापक रूप से पूरे देश में शिक्षा को निजी हाथों में सौपने का काम किया गया।

इनकी देखा देखी छोटे व्यापारी भी इस क्षेत्र की तरफ भागने लगे। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि एक के बाद एक सरकारें इसी नीति पर चलती रहीं। सभी सरकारों द्वारा धड़ल्ले से निजी एवं डीम्ड विश्वविद्यालयों को मान्यता दी जाती रही। सरकारें बार-बार ये बताती रहीं कि हमारे देश के हालात को देखते हुए अभी और विश्वविद्यालय खोले जाने की जरूरत है। इस हड़बड़ी में शिक्षा की गुणवत्ता की तरफ किसी का ध्यान नहीं गया।

आजादी के बाद कुछ हद तक शिक्षा नीति की कमजोरी को दूर करने के प्रयास किए गए लेकिन ये प्रयास पर्याप्त सिद्ध नहीं हुए। एक बार फिर शिक्षा नीति में परिवर्तन की कोशिशें हो रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हमारे नीति-निर्माता शिक्षा नीति में परिवर्तन करने की हड़बड़ाहट में अपना विवेक खोकर कुछ ऐसे निर्णय ले रहे हैं जो शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को ठेस पहुंचा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या हमारा मुख्य उद्देश्य शिक्षा नीति में परिवर्तन करना है या फिर इस परिवर्तन के माध्यम से शिक्षा की कमजोरियों को दूर करना है? हमारे नीति-निर्माताओं की नीतियों एवं क्रियाकलापों को देखकर तो ऐसा लगता है कि उनका मुख्य उद्देश्य केवल शिक्षा नीति में परिवर्तन करना भर है। इस दौर में उच्च शिक्षा की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। कहने को तो शिक्षा नीति में काफी बदलाव हुए हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि हम अभी भी लीक ही पीट रहे हैं। आज अनेक शिक्षक नवाचार को बढ़ावा देकर बेहतरीन काम कर रहे हैं लेकिन यह भी कटु सत्य है कि आज गुरु के रूप में अध्यापक की प्रतिष्ठा लगातार कम हो रही है। शिक्षा जगत में मौजूद इन विसंगतियों के बीच नई शिक्षा नीति में भी एक बार फिर निजी शिक्षण संस्थानों को अनेक तौर-तरीकों से पनपने का मौका दिया गया है। सवाल यह है कि क्या ये संस्थान शिक्षा के मूल उद्देश्य को पूरा करने की तरफ ध्यान देंगे? अब समय आ गया है कि सरकार निजीकरण की आड़ में पनपे संदिग्ध विश्वविद्यालयों और अन्य शिक्षण संस्थानों के क्रियाकलापों पर गंभीरता से ध्यान दें ताकि हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को अंधकारमय होने से बचाए जा सके।

सोशल फोरम

वोटर नहीं, नागरिकता प्रमाणित

क्या बिहार में है वोटबंदी की तैयारी? चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई मतदाता सूची की 'विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया' को लेकर बड़े दावे किए जा रहे हैं-जैसे यह एक सामान्य प्रक्रिया है, सबके लिए समान है, और इससे लोकतंत्र मज़बूत होगा। लेकिन हक़ीक़त कुछ और ही कहती है। इस बार पहली बार ऐसा हो रहा है कि पुरानी मतदाता सूची को पूरी तरह रद्द कर दिया गया है और नागरिकों से नए सिरे से अपना वोटिंग अधिकार साबित करने को कहा जा रहा है-वह भी उन दस्तावेज़ों के आधार पर जो बिहार की लगभग आधी जनता के पास हैं ही नहीं। जनवरी 2025 में ही एक संशोधित सूची प्रकाशित हुई थी। अगर कुछ त्रुटियां थीं तो सामान्य पुनरीक्षण से उन्हें ठीक किया जा सकता था। लेकिन अब सिर्फ एक महीने में सभी से नए फॉर्म, फ़ोटो, हस्ताक्षर और जन्म व नागरिकता प्रमाणपत्र मांगे जा रहे हैं। आयोग ने जिन 11 प्रमाणपत्रों की सूची जारी की है, उनमें से आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी मान्य नहीं हैं-मतलब, जो आम लोगों के पास हैं, वो इस प्रक्रिया में बेकार हैं। इसका सबसे बड़ा असर पड़ेगा दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, ग़रीबों और प्रवासी मज़दूरों पर-यानी उन पर जिनका वोट पहले भी कमज़ोर माना जाता रहा है। शिक्षित, शहरी और सुविधा संपन्न नागरिक शायद किसी तरह ये काग़ज़ इकट्ठा कर लेंगे, पर क्या एक ग्रामीण महिला, जिसने कभी स्कूल नहीं देखा, या एक मज़दूर जो गांव छोड़कर बाहर कमाने गया है-वो अपनी नागरिकता साबित कर पाएगा? यह तर्क कि यह सब घुसपैठियों को हटाने के लिए है, तथ्य से परे है। अगर बिहार में कोई विदेशी नागरिक हैं भी, तो वे बहुसंख्यक में नहीं हैं। इसके नाम पर ढाई करोड़ भारतीय नागरिकों के वोट कट जाने की आशंका को कैसे नज़रअंदाज़ किया जा सकता है? यह मामला सिर्फ़ वोटर लिस्ट का नहीं है। यह उस एकमात्र अधिकार का सवाल है, जो हर नागरिक को बिना भेदभाव मिला है, वोट देने का अधिकार। क्या हम एक लोकतंत्र में नागरिक हैं या बार-बार अपने ही देश में अपनी नागरिकता साबित करने वाले अनुनयकर्ता? अब सवाल सिर्फ़ यह नहीं है कि आपका नाम सूची में है या नहीं- सवाल यह है कि कहीं यह प्रक्रिया आपके मौलिक अधिकार को ही तो नहीं काट रही?

राजगोपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ लेखक, आगरा

- फेसबुक वॉल से

कभी-कभी अच्छी नीतियों में भी झोल निकल आता है...

मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन को आज तक का सर्वश्रेष्ठ चुनाव आयुक्त माना जाता है। दिसंबर 1990 से दिसंबर 1966 के अपने 6 साल के कार्यकाल के दौरान उन्होंने चुनाव प्रक्रिया के नियमों और संचालन की दिशा में अनेक रचनात्मक सुधार किए थे। आज जैसी स्थिति देखने को मिल रही है, उसे लेकर टी एन शेषन साहब को याद किया जा रहा है। उनके कार्यकाल का एक बड़ा ही मजेदार रोचक वाकया याद आ रहा है, जिसमें इस संदेश को बल मिलता है कि कई बार अच्छी नीतियों में भी कुछ ऐसे झोल निकल आते हैं, जिनका तर्कोचित निराकरण करने की जरूरत महसूस होती है। आजकल तो बिहार चुनाव के मद्देनजर, जिस प्रकार से वोटर लिस्ट के पुनर्निरीक्षण की प्रक्रिया चल रही है, उससे सुप्रीम कोर्ट भी संतुष्ट नही दिखाई दे रहा। आज कोई भी दावे के साथ नहीं कह सकता कि पुनर्निरीक्षण की सामान्य प्रक्रिया, जिसे संपादित करने हेतु चुनाव आयोग को आठ से बारह महीने से ज्यादा का समय लग जाता है, उसे चुनाव आयोग, क्योंकर और कैसे एक दो माह में ही निपटा देने पर उतारू है।

विजय सिंह
रुद्रपुर, उत्तराखंड

खैर, बात टीएन शेषन की उस नीतिगत आदेश की.. जिसका अक्षरशः अनुपालन के चक्कर में मणिपुर के एक जिलाधिकारी (चुनाव अधिकारी) बेहद परेशान हो गए थे। अंततः उनकी परेशानी का निराकरण, एक पत्रकार की रिपोर्ट के बाद, टी एन शेषन के संज्ञान में आने से ही, संभव हो पाया था। दरअसल शेषन साहब ने चुनाव में धांधली रोकने हेतु जो अनेक सुधार किए थे, उसी क्रम में एक आदेश यह भी था कि जिस बूथ पर 70 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग होगी, वहां फिर से रि-पोलिंग की जाएगी। मणिपुर में एक बूथ पर 100 प्रतिशत वोटिंग देखकर वहां के जिलाधिकारी ने रि-पोलिंग कराई। पुनः 100 प्रतिशत पोलिंग देखने को मिली। जिलाधिकारी ने उक्त रि-पोलिंग को भी अमान्य कर, पुनः रि-पोलिंग कराई। इस बार भी 100 प्रतिशत पोलिंग। जिलाधिकारी ने एकबार और रि-पोलिंग के आदेश दिए। यानि कि तीसरी बार रि-पोलिंग..। इसी दौरान एक जागरूक पत्रकार ने पूरे मामले का संज्ञान लेते हुए अखबार में छाप दिया कि, "चाहे जितनी बार रि-पोलिंग करवा लो, वोट 100 प्रतिशत ही पड़ेंगे, क्योंकि उस गांव में कुल 3 वोटर ही हैं, जो वोट डाल आते हैं"। अखबार के माध्यम से जब यह बात शेषन साहब तक पहुंची, तब जाकर रि-पोलिंग की प्रक्रिया को विराम दिया गया। ऐसा भी नहीं था कि 100 प्रतिशत पोलिंग का कारण, जिलाधिकारी को समझ में नहीं आ रहा था, परंतु शेषन साहब की शख्सियत ही कुछ ऐसी थी कि उनका खौफ, अधिकारी तो क्या बड़े बड़े नेताओं के सिर चढ़कर बोलता था। जिलाधिकारी महोदय की हिम्मत ही नहीं हो रही थी कि वो सही कारण की रिपोर्टिंग, शेषन साहब को करके, मसला सुलझा लेते। ऐसा लगता है कि वो बार-बार यह सोचकर रि-पोलिंग करा रहे थे कि शायद तीन वोटरों में से कोई एक भी वोटर किसी कारण वोट न डाले तो उनकी समस्या का स्वतः निराकरण हो जाएगा। पर ऐसा हो नहीं पा रहा था। आज का समय होता तो एक वोटर को बूथ तक जाने से रोकना प्रशासन के लिए कौन सा मुश्किल होता। चुटकी बजाते समस्या हल हो जाती।

सीखने की कई विधाएं

किताबों से, अनुभवों से, संवाद से, और कभी-कभी केवल चुपचाप देख लेने भर से। यह विविधता ही मानव चेतना की सबसे बड़ी खूबी है। लेकिन दुखद विडंबना यह है कि आज का शिक्षा तंत्र या सामाजिक तर्कशास्त्र हर सीखने को एक जैसे फ्रेम में कसना चाहता है। "आपका तरीका भी उनमें से एक है"-यह वाक्य जितना विनम्र प्रतीत होता है, उतना ही गहरा व्यंग्य भी है उन पर जो अपने तरीके को ही 'अंतिम सत्य' मानकर दूसरों पर थोपना चाहते हैं। हर व्यक्ति के सोचने, समझने, सीखने और प्रतिक्रिया देने की प्रक्रिया भिन्न होती है। यह ज़रूरी नहीं कि किसी की कही बात पर सभी एक जैसी प्रतिक्रिया दें। लेकिन आज की दुनिया में, जहां भीड़ की सराहना ही 'सत्य' की कसौटी बन चुकी है, वहां भिन्न दृष्टिकोण को 'असभ्यता' या 'विद्रोह' कहा जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि 'हर क्रिया के लिए एक ही प्रतिक्रिया' केवल मशीनों में होती है, इंसानों में नहीं। इंसानों की सोच परिस्थितियों, परिवेश, पीड़ा, अनुभव और चेतना की परतों से बनती है। यह विविधता किसी भी सजीव समाज की पहचान है, न कि खतरा। जो यह चाहते हैं कि हर विद्यार्थी एक जैसा बोले, हर नागरिक एक जैसा सोचे, हर शिक्षक एक ही भाषा में समझाए-वे दरअसल उस बहुरूपिये मानव मन की हत्या करना चाहते हैं। वे भूल जाते हैं कि जो सवाल सबके भीतर से अलग-अलग तरीके से उठते हैं, उनके उत्तर भी अलग-अलग ही होंगे। इसलिए अगर किसी ने आपके विचार से सहमति नहीं जताई, तो वह नासमझ नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र समझ का प्रतीक हो सकता है। विरोध हमेशा दुश्मनी नहीं होता, यह उस सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसमें हम दूसरों के सत्य के साथ अपने सत्य की तुलना करते हैं। समाज को एक जैसे उत्तर नहीं चाहिए-उसे वैचारिक विविधता की ज़रूरत है। अगर हम हर प्रतिक्रिया को नियंत्रित करने लगेंगे, तो हम अंततः वही बन जाएंगे, जो सोचने की आज़ादी से डरते हैं। क्योंकि सीखना केवल उत्तर रट लेने की प्रक्रिया नहीं है, यह जानने की यात्रा है कि हर उत्तर एक जैसा नहीं होता।

प्रवीण त्रिवेदी
फतेहपुर

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

सार-संक्षेप

आंगनबाड़ी केंद्रों पर नाटे व दुबले बच्चों का किया वजन

बरेली,अमृत विचार : कुपोषित बच्चों को सेहतमंद बनाने का संभव 5.0 अभियान मंगलवार को शुरू हो गया। पहले दिन 0 से 5 वर्ष तक की आयु के करीब छह हजार बच्चों की जांच हुई। जिसमें अति गंभीर कुपोषण की पहचान, चिकित्सीय उपचार और स्टंटिंग की दर में कमी लाने के लिए केंद्रों पर बच्चों को बुलाया गया। डीपीओ मनोज कुमार ने बताया कि संभव अभियान 5.0 स्टंटिंग (नाटापन) प्रबंधन के तहत शुरू किया गया है। इसका मकसद 2030 तक बच्चों में स्टंटिंग (नाटा और दुबला) होने की दर में कमी लाना है। जिससे बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में सुधार हो सके। इसके लिए 100 आंगनबाड़ी केंद्र चिह्नित किए गए हैं। जहां नाटेपन की स्थिति जानने के लिए बच्चों को वजन लिया जाएगा। इसके लिए नोडल नियुक्त करके वार रूम से निगरानी की जा रही है। शासन से पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में नाटे की दर को 40 फीसदी तक घटाने, दुबला की दर को पांच फीसदी से कम करने का लक्ष्य प्रस्तावित है। साथ ही विकास लक्ष्य-3.2 के तहत नवजात शिशु मृत्यु दर को प्रति 1000 जीवित जन्मों पर 12 से कम और पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर को प्रति 1000 जीवित जन्म पर 25 से कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

अब ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

बरेली,अमृत विचार : राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के दूसरे दिन विकास सभागार में ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला में खंड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी समेत अन्य अधिकारियों को नए वित्तीय वर्ष में पंचायतों में नौ प्रमुख बिंदुओं पर होने वाले विकास कार्यों की योजनाओं का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षकों ने गांवों के विकास के लिए आवश्यक कदम और योजनाओं के बारे में बताया। मास्टर ट्रेनर अमित कुमार तोमर ने कहा कि पंचायती राज विभाग अब ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों की हकीकत तय करने के लिए पंचायत विकास सूचकांक (पीडीआई) जारी करेगा। पीडीआई विकास को आवंटित धन और उसके समुचित उपयोग का पैमाना बनेगी। इसी रिपोर्ट के आधार पर पंचायतों में नई योजनाएं लागू करने के साथ ही पुरस्कार के लिए पंचायतें अपना स्थान बना सकेंगी। मास्टर ट्रेनर अशोक तोमर ने सतत विकास लक्ष्य, जीपीडीपी से संबंधित विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब तय बिंदुओं पर पंचायतों की पड़ताल की जाएगी। इसमें आम लोगों का फीडबैक भी लिया जाएगा। इसके आधार पर ही पंचायतों को अंक देकर उनकी ग्रेडिंग तय होगी। ग्राम पंचायतों के प्रधानों और सचिवों से वार्ता कर बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह, डीएफओ दीक्षा भंडारी, बीएसए संजय सिंह, डीपीआरओ कमल किशोर, पीडी डीआरडीए चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, सीवीओ डॉ. मनमोहन पांडेय, डीपीओ मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी के आदेश पर 55 दिन बाद पुलिस ने कब्र से निकवाया शव

शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा, मौत के बाद नहीं हुआ था पोस्टमार्टम

संवाददाता, बरेली/भोजीपुरा

अमृत विचार : इज्जतनगर थाना क्षेत्र के कंजदासपुर गांव निवासी साबिर खान (23) का शव जिलाधिकारी अविनाश सिंह के आदेश पर मंगलवार को पुलिस-प्रशासन की टीम ने शव को कब्र से निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मौत के बाद उस समय शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण साफ नहीं हुआ है। मृतक की हड्डियां जांच के लिए सुरक्षित कर ली गई हैं।

भोजीपुरा क्षेत्र के ग्राम घंघोरा-घंघोरी में विगत 22 मई को साबिर खां का शव उसके मकान में ही संदिग्ध अवस्था में मिला था। परिजन उसे निजी अस्पताल में ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों ने इज्जतनगर क्षेत्र के कंजादासपुर के कब्रिस्तान में दफन कर दिया गया। इस दौरान परिजनों को शक हुआ कि उसकी हत्या की गई है। इस पर मृतक के भाई आजाद खान ने भोजीपुरा थाने में हत्या की आशंका जताते हुए छह लोगों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजन पोस्टमार्टम के लिए लगातार उच्च अधिकारियों से मिलकर मांग करते रहे।

जिलाधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को भोजीपुरा पुलिस ने अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम आलोक कुमार की मौजूदगी में कंजादासपुर के कब्रिस्तान से कब्र से शव को निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। भोजीपुरा थाना प्रभारी प्रवीण सोलंकी ने बताया कि शव को कब्र से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी मौत कारण साफ नहीं हुआ है, इसलिए परीक्षण के लिए मृतक की हड्डियां सुरक्षित कर ली गई हैं।

मृतक के भाई ने प्रेम-प्रसंग में हत्या की आशंका जताई

मृतक के भाई आजाद खान ने बताया कि साबिर खान की शादी लगभग एक वर्ष पूर्व परतापुर जीवन सहाय गांव में हुई थी। उसकी पत्नी गर्भवती थी। उसका एक मकान भोजीपुरा क्षेत्र के गांव में भी है, जहां पर जानवरों के लिए भूसा रखा जाता है। आरोप है कि घटना वाले दिन दोपहर में भूसा लेने उसका भाई गया था मगर वह शाम तक वापस नहीं आया। तलाश शुरू की गई तो भाई मृत अवस्था में अंदर पड़ा मिला, जबकि दरवाजा बाहर से बंद था। उन्होंने यह भी बताया भाई का पूर्व में गांव की एक युवती से प्रेम प्रसंग था, जबकि उसकी शादी हो चुकी थी। कहीं प्रेम प्रसंग में उसके भाई के साथ अनहोनी हुई हो इसी आशंका के चलते उसने प्रशासन से पोस्टमार्टम कराने की गुहार लगाई थी। परिवार ने दावा किया कि घटना से कुछ घंटे पहले साबिर ने अपने ममेरे भाई से फोन पर बात की थी, जिसकी रिकॉर्डिंग में कुछ महिलाओं की आवाजें भी सुनाई दी थीं।

किशोरी को घर से बहकाकर ले गया दूसरे समुदाय का युवक

बरेली, अमृत विचार : सीबीगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली एक किशोरी को दूसरे समुदाय का युवक बहला-फुसलाकर ले गया। किशोरी के पिता ने युवक समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

पीड़ित ने बताया कि 11 जुलाई को उनकी बेटी लापता हुई थी। जब उन्हें जानकारी हुई कि उनकी बेटी को आजाद बहला फुसलाकर ले गया है, तो उन्होंने उसके पिता बुंदन से संपर्क किया। शुरू में वह बेटी को वापस लौटाने की बात करते रहे लेकिन बाद में आरोपी आजाद और उसके साथियों नन्हू और यूसूफ ने उनके और उनकी पत्नी के साथ गालीगलौज कर जान से मारने की धमकी दी। सीबीगंज पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

ससुरालियों ने बच्ची समेत महिला को घर से निकाला

भमोरा, अमृत विचार: दहेज में बाइक और एक लाख मायके से नहीं लाने पर ससुरालियों ने महिला को बच्ची समेत मारपीट कर घर से निकाल दिया। गांव कुसारी निवासी स्वाति देवी ने बताया उसकी शादी 15 माह पहले थाना क्षेत्र के गांव कटका रमन निवासी गौरव सिंह से हुई थी। उसके पिता ने सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था, लेकिन ससुराल वाले खुश नहीं थे। दहेज में बाइक और एक लाख रुपये की मांग करते हुए उसे प्रताड़ित करने लगे। इस बीच उसने एक पुत्री को जन्म दिया। मांग पूरी नहीं होने पर ससुरालियों ने मारपीट कर बच्ची के साथ घर से निकाल दिया। पीड़िता ने मंगलवार को ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

डीबीटी का नहीं पहुंचा पैसा, बिना यूनिफार्म के स्कूल पहुंच रहे छात्र

बिना ड्रेस के बड़ी संख्या में स्कूल पहुंचे छात्र। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : परिषदीय विद्यालयों में सत्र शुरू हुए चौथा महीना हो गया है। एक महीने बाद बाद परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं लेकिन अब तक सभी छात्रों के अभिभावकों के खातों में डीबीटी का पैसा नहीं पहुंचा है। इसलिए छात्र-छात्राएं बिना ड्रेस के स्कूल पहुंच रहे हैं।डीबीटी के संबंध में जानकारी देने से विभागीय अफसर बच रहे हैं।

जिले में अब तक 76 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं के खातों में पैसा नहीं पहुंचा है। हरुनगला मॉडल प्राइमरी स्कूल में 170 छात्रों में से अब तक सिर्फ 7-8 छात्रों के अभिभावकों के खातों में ही पैसे पहुंचे हैं। लगभग 164 छात्र सत्यापित हो चुके हैं। इसी तरह कालीबाड़ी प्राथमिक विद्यालय में भी कई छात्र बिना यूनिफार्म के पहुंच रहे हैं। दरअसल, डीबीटी के माध्यम से छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के खातों में जूते-मोजे, स्टेशनरी, ड्रेस का 1200 रुपये सरकार की ओर से भेजे जाते हैं। जिले में कुल पंजीकृत छात्रों की संख्या 248160 है और 230295 छात्र-छात्राओं का सत्यापन भी पूरा हो चुका है लेकिन अब तक केवल 172095 छात्रों के खातों में ही डीबीटी की राशि पहुंचने की पुष्टि हुई है।

• जिले के 76 हजार से अधिक छात्रों के खातों में डीबीटी का पैसा आना बाकी

मुख्यमंत्री योगी ने भी सोमवार को डीबीटी के जरिए अभिभावकों के खातों में धनराशि भेजने को अफसरों को निर्देशित कर चुके हैं। नगर शिक्षा अधिकारी तौसीफ अहमद ने बताया कि जैसे-जैसे छात्र-छात्राओं का सत्यापन पूरा हो रहा है, चरणबद्ध तरीके से पैसा शासन स्तर से पहुंच रहा है। जिन विद्यार्थियों का सत्यापन पूरा हो चुका है उनका पैसा भी जल्द पहुंच जाएगा।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, मुरादाबाद।

पत्रांकः—एस0एस0ए0/के0जी0बी0वि0स्टाफचयन/4083-88 /2025—26 दिनांकः— 15.07.2025

प्रेस विज्ञप्ति

शासनादेश संख्याः 1553/68—5—2020 बेसिक शिक्षा अनुभाग—5 लखनऊ दिनांक 11.12.2020 एवं महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा उ0प्र0 लखनऊ के पत्रांक—के0जी0बी0वी0/11308/2022—23 दिनांक 14.02.2023, पत्रांकः के0जी0बी0वी0/1121/2023—24 दिनांक 25.04.2023 एवं पत्रांकः के0जी0बी0वी0/1790/2023—24 दिनांक 12.05.2023 के अनुपालन में जिलाधिकारी महोदय की अनुमति उपरान्त जनपद मुरादाबाद में संचालित 09 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में अस्थायी रूप से सृजित संविदा आधारित शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मियों के चयन हेतु इच्छुक, अर्ह, योग्य महिला अभ्यर्थियों से पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, मुरादाबाद में निर्धारित प्रारूप पर निर्धारित शर्तो के अधीन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। आवेदन पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तिथि दिनांक 02.08.2025 की सांय 05:00 बजे होगी। निर्धारित तिथि के बाद अथवा साधारण डाक से प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों स्वीकार नही होगे। एक से अधिक पदों के लिये पृथक—पृथक आवेदन प्रेषित किया जाये। रिक्तियों का विवरण निम्नवत् है—

क्र सं	पदनाम	विषय	कुल पद	आरक्षण श्रेणी			मानदेय	अनिवार्य शैक्षिक एवं प्रशिक्षण अर्हता
				अनारक्षित	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनु0 जाति		
1	पूर्णकालिक शिक्षिका	विज्ञान	03	01	01	01	24200.00 प्रतिमाह	जेड0बी0सी0 वर्ग से प्रशिक्षित स्नातक एवं उच्च प्रा0 स्तर की टी0ई0टी0
		गणित	02	01	00	01	24200.00 प्रतिमाह	पी0सी0एम0 वर्ग से प्रशिक्षित स्नातक एवं उच्च प्रा0 स्तर की टी0ई0टी0
		भाषा (हिन्दी एवं संस्कृत)	03	02	01	0	24200.00 प्रतिमाह	हिन्दी एवं संस्कृत से प्रशिक्षित स्नातक एवं उच्च प्रा0 स्तर की टी0ई0टी0
		अंग्रेजी	03	02	00	01	24200.00 प्रतिमाह	अंग्रेजी विषय से प्रशिक्षित स्नातक एवं उच्च प्रा0 स्तर की टी0ई0टी0
2	अंशकालिक शिक्षिका	स्काउट गाईड एवं शारीरिक शिक्षा	01	00	01	0	10780.00 प्रतिमाह	बी0पी0एड0/सी0पी0एड0/डी0पी0 एड0 आदि उपाधि
		कम्प्यूटर	03	02	01	00	10780.00 प्रतिमाह	प्रशिक्षित स्नातक के साथ PGDCA/BCA/B.SC, कम्प्यूटर सांइस अथवा स्नातक सहित DOEACC या समकक्ष संस्था से ओ0 लेबल या ए लेबल डिप्लोमा आदि
		कला,काफट एवे संगीत	01	01	00	00	10780.00 प्रतिमाह	सम्बन्धित विषय में स्नातक उपाधि सहित प्रशिक्षण उपाधि होगी तथा गृह शिल्प की शिक्षिका का पद कला,काफट एवं संगीत के पद के अर्न्तगत ही माना जायेगा।
3	उर्दू शिक्षिका	उर्दू	02	01	01	00	14520.00 प्रतिमाह	बी0ए0 उर्दू विषय से तथा एल0टी0 या बी0टी0 या बी0एड0 या अन्य समकक्ष शिक्षा अथवा शिक्षण में डिग्री या डिप्लोमा।
4	लेखाकार		01	01	00	00	12100.00 प्रतिमाह	वाणिज्य विषय में स्नातक तथा एम0एस0आफिस पर कार्य का ज्ञान अनिवार्य होगा। डी0ओ0ई0ए0सी0सी0 या समकक्ष संस्था से कम्प्यूटर शिक्षा में ओ0 लेवल डिप्लोमा अथवा समकक्ष अन्य योग्यत की दशा में अभ्यर्थी को चयन में वरियता दी जायेगी।
5	रसोईया		02	01	01	00	7590.00 प्रतिमाह	कक्षा 08 उत्तीर्ण
6	सहायक रसोईया		08	05	00	03	5693.00 प्रतिमाह	कक्षा 08 उत्तीर्ण
7	चपरासी		01	01	00	00	6325.00 प्रतिमाह	कक्षा 08 उत्तीर्ण
8	चौकीदार		03	03	00	00	6325.00 प्रतिमाह	कक्षा 08 उत्तीर्ण
योग			33	21	06	06		

चयन हेतु आवश्यक निर्देश/अर्हता।

⇒ शैक्षिक पदो के लिए, प्रशिक्षित उपाधि के अन्तर्गत एन0सी0टी0ई0 से मान्य बी0एड0/समकक्ष एल0टी0 इत्यादि प्रशिक्षण को सम्मिलित किया जायेगा (मान्यता सम्बन्धी पत्र आवश्य संलग्न करें।)

⇒ कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में ऐसे शिक्षक/शिक्षिका जो शैक्षिक वर्ष 2020—21 में नवीन संविदा से वंचित हो रहे है, उन शिक्षकों द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में रिक्तियों के सापेक्ष होने वाले नवीन चयन में प्रदेश के किसी भी जनपद में आवेदन करने पर, उन्हें चयन हेतु शैक्षिक अर्हता में शासनादेश संख्या के0जी0बी0वी0/3—2/1916/2013—14 दिनांक 29.07.2013 के पूर्व कार्यरत शिक्षिकों के लिए टी0ई0टी0 की अर्हता अनिवार्य नही होगी।

⇒ पूर्णकालिक शिक्षिका, मुख्य रसोईया एवं सहायक रसोइया का पद पूर्णकालिक होगा। इन्हें विद्यालय परिसर में रहना अनिवार्य होगा।

⇒ कस्तूरबा गाधी बालिका विद्यालयों में सभी पदों पर संविदा के आधार पर नवीन नियुक्ति हेतु अनिवार्य रूप से महिला अभ्यर्थियों का ही चयन किया जायेगा।

आयु—

⇒ समस्त स्टाफ की न्यूनतम आयु 01 अप्रैल 2025 को 25 वर्ष होगी।

⇒ समस्त स्टाफ की अधिकतम आयु 01 अप्रैल 2025 को 45 वर्ष से अधिक न हों।

⇒ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में ऐसे शिक्षक/शिक्षिका जो निर्धरित अर्हता रखते हों किन्तु शैक्षिक वर्ष 2020—21 में नवीन संविदा से वंचित हो जा रहे हों, उन शिक्षकों द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में रिक्तियों के सापेक्ष होने वाले नवीन चयन में आवेदन करने पर, उन्हे चयन हेतु आयु सीमा में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कार्यरत रहने की अवधि के समतुल्य छूट प्रदान की जायेगी, किन्तु प्रतिबन्ध यह है कि सम्बन्धित शिक्षक/शिक्षिका की आयु 60 वर्ष से अधिक न हो।

⇒ कस्तूरबा गांधी बलिका विद्यालयों में सेवा हेतु समस्त स्टाफ की अधिकतम आयु 60 वर्ष होगी।

आरक्षण—

⇒ राज्य सरकार के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार आरक्षण देय होगा।

चरित्र—

⇒ किसी सेवा से बर्खास्त, नैतिक/चारित्रिक अधमता के अपराध के लिए दोष सिद्ध एवं दिवालिया व्यक्ति चयन के लिए अर्ह नही होगे। चयन समिति अभ्यर्थी के चरित्र के सम्बन्ध में यथोचित समाधान करेगी।

चयन प्रकिया—

⇒ कस्तूरबा गांधी बलिका विद्यालयों के ऐसे शिक्षक/शिक्षिका जो शैक्षिक सत्र 2020—21 में नवीन संविदा से वंचित हो रहे है, उनके द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयें में रिक्तियों के सापेक्ष होने वाले नवीन चयन में प्रदेश के किसी भी जनपद में आवेदन करने पर उन्हे कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयें में की गयी सेवा अवधि के प्रत्येक सम्पूर्ण शैक्षिक वर्ष के लिए 02 प्रतिशत अतिरिक्त भारांक दिया जायेगा, किन्तु अधिकतम भारांक 30 प्रतिशत से अधिक नही होगा।

⇒ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में पूर्णकालिक शिक्षिका, अंशकालिक शिक्षिका, उर्दू शिक्षिका एवं लेखाकार के पद पर चयन सीधे मैरिट के आधार पर किया जायेगा। पूर्णकालिक शिक्षिका, अंशकालिक शिक्षिका, उर्दू शिक्षिका एवं लेखाकार के पद हेतु अभ्यर्थी के चयन के लिये भारांक के अंकों का निर्धारण निम्न प्रकार किया जायेगा।

क्र.सं.	परीक्षा/उपाधि का नाम	गुणवत्ता अंक
1	हाईस्कूल	परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत x10/100
2	इण्टरमीडिएट	परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत x10/100
3	स्नातक उपाधि	परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत x20/100
4	प्रशिक्षण उपाधि	परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत x30/100
5	भारांक क0गां0बा0वि0 में शिक्षक के रूप में कार्यरत् अनुभव	प्रत्येक पूर्ण अध्यापन वर्ष के लिये 2 अंक, अधिकतम 30 अंक तक जो भी कम हो

⇒ रसोईया एवं सहायक रसोइया का पद पूर्णकालिक होगा तथा इनका साक्षात्कार 50 अंको का होगा, जिसमें शारीरिक क्षमता हेतु 20 अंक पाक विद्या के ज्ञान हेतु 20 अंक तथा अनुभव हेतु 10 अंक निर्धारित होगें।

⇒ चपरासी एवं चौकीदार का साक्षात्कार 50 अंको का होगा, जिसमें शारीरिक स्वास्थ हेतु 25 अंक तथा सामान्य ज्ञान हेतु 25 अंक निर्धारित होगें।

अन्य—

⇒ आवेदन पत्र प्रेषण हेतु पता—कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कोर्ट रोड, मुरादाबाद।

⇒ ऐसे शिक्षक/शिक्षिका जो शैक्षिक सत्र 2020—21 में नवीन संविदा से वंचित हो रहे है द्वारा सम्बन्धित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी अनुभव प्रमाण पत्र लगाना अनिवार्य है।

⇒ प्रत्येक शैक्षिक सत्र में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के समस्त पद मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार की प्रोजेक्ट अप्रूवल बैठक में दिये निर्देश के अधीन होंगे। तत्क्रम में विद्यालयों में कार्यरत् शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों का कार्य एवं व्यवहार संतोषजनक पाये जाने की दशा में आगामी सत्र हेतु जिलाधिकारी महोदय के अनुमोदनोपरान्त नवीन संविदा की जायेगी एवं संविदा का सेवा अनुबन्ध 11 माह 29 दिन के लिये किया जायेगा

⇒ अभ्यर्थी द्वारा आवदेन पत्र के साथ निर्धारित स्थान पर नवीनतम् पासपोर्ट साइज की स्व प्रमाणित फोटो चस्पा किया जायेगा। आवेदन पत्र के साथ रू 40/—का डाक टिकट लगे 02 लिफाफे जिस पर अपना नाम, पता स्पष्ट लिखा हो संलग्न करना अनिवार्य है तथा लिफाफे के ऊपर आवेदित पद का नाम स्पष्ट रूप से अंकित किया जायेगा।

⇒ एक लिफाफे में केवल एक ही आवेदन पत्र स्वीकार किया जायेगा। एक लिफाफे में एक से अधिक आवेदन पत्र भेजने पर सभी आवेदन पत्र निरस्त कर दिया जायेगें।

⇒ विज्ञप्ति के निर्धारित आवेदन पत्र प्रारूप में कोई भी परिवर्तन/परिवर्धन अमान्य होगा। आवेदन पत्र में उल्लिखित सूचनाओं में कोई परिवंर्तन स्वीकार नहीं होगा। सभी सूचनायें निर्धारित स्थान पर स्वच्छता से अंकित की जायेगी। आवेदन पत्र में किसी प्रकार की कटिग/ओवर राइटिंग की दशा में अभ्यर्थी के आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा और न ही इसकी सूचना अभ्यर्थी को दी जायेगी।

⇒ सभी आवेदन पत्र पजीकृत डाक के माध्यम से स्वीकार किये जायेंगे तथा पंजीकृत डाक द्वारा विलम्ब से आवेदन पत्र प्राप्त होने की दशा में विभाग जिम्मेदार नहीं होगा।

⇒ रिक्तियों की संख्या आवश्यकतानुसार घट—बढ़ सकती है तथा किसी भी पद या समस्त पद के लिए विज्ञापन निरस्त करने का सर्वाधिकार अध्यक्ष जिला स्तरीय चयन समिति के पास सुरक्षित होगा। इसमें किसी भी प्रकार का दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

नोट—1—प्रकाशित विज्ञिप्त में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि पायी जाती है तो चयन की सम्पूर्ण कार्यवाही शासनादेश सं0—1553/65—5—2020 दिनांक 11.012.2020 के अधीन रहेगी।

2—के0जी0बी0वी0 चयन में कतिपय रिट याचिकाऐं मा0 न्यायालन में लम्बित होने के कारण उक्त सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया मा0 न्यायलय के आदेशों के अधीन होगी।

(हर्ष वर्धन कपिल)
प्र0 जिला समन्वयक (बालिका शिक्षा)
समग्र शिक्षा, मुरादाबाद।

(विमलेश कुमार)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
मुरादाबाद।

आवेदन पत्र का प्रारूप

1 आवेदित पद का नाम———————————
(सम्बन्धित विषय सहित जिस पद पर आवेदन किया गया है।)

स्व प्रमाणित नवीनतम फोटो चस्पा करें

2. अभ्यर्थिनी का नाम———————————
3 .पिता का नाम———————————
4. पति का नाम———————————
5. स्थायी पता ग्राम/मोहल्ला/मजरा वार्ड————पोस्ट————जनपद————
पिन कोड्———————
6. पत्र व्यवहार का पता पता ग्राम/मोहल्ला/मजरा वार्ड————पोस्ट————जनपद————
पिन कोड———————
7. दूरभाष्/मोबाइल न0———————
8. लिंग———————
9. आरक्षण ———————(अद्यतन जारी प्रमाण पत्र संलग्न करें)
10. जन्म तिथि (हाईस्कूल के प्रमाण पत्र के आधार पर) अंको में———————
जन्म तिथि (हाईस्कूल के प्रमाण पत्र के आधार पर) शब्दों में ———————
01 अप्रैल 2025 को आयु वर्ष ————माह ————दिन————
11. शैक्षिक योग्यता:—

क्र0. सं0	शैक्षिक योग्यता	संस्था/बोर्ड विश्वविद्यालय का नाम	विषय	उत्तीर्ण वर्ष	प्राप्तांक	पूर्णांक	प्रतिशत
1	हाईस्कूल						
2	इण्टरमीडिएट						
3	स्नातक						
4	प्रशिक्षण						
5	उ0प्र0 स्तर की टी0ई0टी0 विवरण का उल्लेख करें						
6	कम्प्यूटर डिग्री/डिप्लोमा						
7	अनुभव						
8	कक्षा—8						

संविदा नवीनीकण से वंचित रहने पर के0जी0बी0वी0 में कार्यरत रहने का अनुभव

क्र0सं0	के0जी0बी0वी0 का नाम	जनपद का नाम	पद एव विषय	कब से	कब तक

घोषणा

मैं————पुत्र/पुत्री/पत्नी———— यह घोषणा करता/करती हूँ कि आवेदन पत्र में उक्तवत् दिया गया विवरण मेरी जानकारी के अनुसार पूर्णतया सत्य है। इसमें किसी प्रकार का तथ्यगोपन नहीं किया गया है। यदि जॉच में कोई तथ्य/संलग्न प्रमाण पत्र फर्जी अथवा कूट रचित प्रकार का पाया जाता है तो जनपदीय समिति द्वारा लिया गया निर्णय मुझे मान्य होगा। मैं किसी प्रकार का वाद किसी भी न्यायालय में दाखिल नहीं करूंगा/करूंगी

दिनांक—
स्थान—

हस्ताक्षर अभ्यर्थिनी का पूरा नाम

छात्रवृत्ति घोटाले में पूर्व निदेशक समाज कल्याण गिरफ्तार

लखनऊ, अमृत विचार : गुरुनानक एजूकेशन ट्रस्ट रुड़की के 336 छात्रों के हिस्से की छात्रवृत्ति हड़पने वाले समाज कल्याण विभाग के पूर्व निदेशक को ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में एसआईटी ने जांच के बाद अक्टूबर 2019 में रिपोर्ट दर्ज किया था। जिसकी जांच आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) की टीम कर रही थी।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक पकड़ा गया घोटाले का आरोपी पूर्व निदेशक मिश्री लाल पासवान को लखनऊ के महानगर इलाके से गिरफ्तार किया गया। वित्तीय वर्ष 2010-11 व 2011-12 के बीच मिश्री लाल पासवान समाज कल्याण निदेशालय में बतौर निदेशक तैनात थे।

औरैया में ट्रेन से कटने पहुंची 7 साल की बच्ची, बोली- घर नहीं जाऊंगी, टेलर चंदन राजपूत ने बच्ची को गोद लिया

पापा मारते हैं, छत से ढकेल देते हैं...मैं मर जाऊंगी, लोगों ने बचाया

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार: मंगलवार की सुबह अछल्दा क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब मुक्खे मड़ैया गांव के सामने डीएफसी रेलवे ट्रैक पर एक 7 वर्षीया मासूम बच्ची आत्महत्या करने पहुंच गई। स्थानीय नागरिकों की सजगता और पुलिस की तत्परता से बच्ची की जान बच गई। वह बोली, अब मुझे घर नहीं जाना है।

खजुरियन का पूर्वा निवासी संतोष राजपूत की 7 वर्षीया बेटी रोशनी मंगलवार की सुबह करीब 8 बजे ट्रैक पर बैठी थी, तभी राह चलते राहुल खान और मोहर सिंह राजपूत की उस पर नजर पड़ी। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उन्होंने तत्काल 112 नंबर डायल कर पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में मौके पर पहुंची पीआरवी-112 की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से बच्ची को सुरक्षित किया फिर उसे थाने लाए। थाने में रोशनी ने जो आपबीती सुनाई, उसे सुनकर हर कोई स्तब्ध रह गया।

रोशनी ने बताया कि वह सुबह 5 बजे घर से भाग निकली। पापा मुझे रोज मारते हैं। कल तो उन्होंने मुझे छत से धक्का दे दिया और फिर हाथ-पैर बांधकर कमरे में बंद कर दिया। जब मौका मिला, तो मैं निकल आई। अब मैं उस घर में नहीं जाना चाहती'। बच्ची की आप बीती सुनकर थाने में मौजूद हर किसी की आंखें भर आईं। संतोष राजपूत की तीन बेटियों और दो बेटों में रोशनी दूसरे नंबर की संतान है। बताया जाता है कि संतोष राजपूत पिछले कुछ समय से आर्थिक तंगी से गुजर रहा है। उसकी पत्नी भी मानसिक रूप से परेशान है। घर में रोज कलह होती है।

घरेलू कलह से बच्चे भी परेशान हैं। थाना प्रभारी रमेश सिंह का कहना है कि फिलहाल बच्ची पूरी तरह सुरक्षित है और उसके स्वास्थ्य की निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि कानूनी लिखा-पढ़ी के बाद बच्ची को बजरंग नगर निवासी चंदन राजपूत के सुपुर्द कर दिया गया है।

अछल्दा थाने में लोगों के साथ मौजूद रोशनी। ● अमृत विचार

चंदन की जिंदगी में आई रोशनी

अछल्दा के बजरंग नगर निवासी चंदन राजपूत पेशे से टेलर होने के साथ खेती-किसानी करते हैं। उन्होंने रोशनी को गोद लेकर मिसाल कायम की है। उनके एक बेटा है। एक बेटी की कमी खल रही थी। जब उन्हें रोशनी के बारे में पता चला, तो उन्होंने उसे गोद लेने का निर्णय लिया। चंदन राजपूत ने कहा कि मैं रोशनी को बेटी की तरह पालूंगा और अच्छे से उसकी शादी करूंगा। उन्होंने मंगलवार को ही रोशनी का एक इंग्लिश मीडियम स्कूल में एडमिशन करवा दिया। बच्ची के लिए उन्होंने नए कपड़े खरीदे और स्कूल की यूनिफॉर्म सिलने को दी है। यूनिफॉर्म तैयार होते ही रोशनी स्कूल जाना शुरू कर देगी।

पिता बोले, पत्नी बीमार हालात ने किया मजबूर

रोशनी के पिता संतोष राजपूत ने कहा कि आर्थिक तंगी के चलते वह बच्चों की परवरिश ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। उनकी पत्नी की मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं है, जिससे हालात और बिगड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि इसीलिए मैंने अपनी बेटी रोशनी को चंदन राजपूत के हाथ सौंप दिया। अब वह उसकी देखभाल अच्छे से कर पाएंगे।

बहन के घर से आ रहे दो भाइयों को कुचला, मौत

अल्हागंज, अमृत विचार: अल्हागंज थाना क्षेत्र में सोमवार को सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों भाई अपनी बहन के घर से बाइक पर सवार होकर जलालाबाद लौट रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल जलालाबाद सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। यह दुखद घटना जलालाबाद थाना क्षेत्र के मगटोरा गांव के निवासी राम लड़ैते के परिवार में हुई है। राम लड़ैते की बेटी मीरा की शादी फर्रुखाबाद के अमृतपुर थाना क्षेत्र के गांव बिचपुरी में हुई है। उनका छोटा बेटा देवेंद्र कुमार (14) कुछ दिन पहले अपनी बहन के घर गया था।

राहुल गांधी के खिलाफ अर्जी पर 18 अगस्त को होगी सुनवाई

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: करीब 12 साल पहले मुजफ्फरनगर दंगा पीड़ित मुस्लिम युवकों को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से संपर्क साधने का बयान देने से जुड़े मामले में सांसद राहुल गांधी के खिलाफ पड़ी निगरानी अर्जी पर सुनवाई मंगलवार को सेशन जज लक्ष्मीकांत शुक्ल की अदालत में 18 अगस्त तक टल गई।

कोतवाली नगर के घरहां खुर्द निवासी मो. अनवर ने 24 अक्टूबर 2013 को मध्य प्रदेश के इंदौर में चुनावी जनसभा के दौरान कांग्रेसी नेता राहुल गांधी के जरिये समुदाय विशेष पर दिए बयान से नाराज होकर एमपी / एमएलए कोर्ट में उन्हें तलब कर दंडित किए जाने की मांग के लिए परिवाद दाखिल किया था। एमपी / एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने 30 जनवरी को यह कहते हुए परिवाद खारिज कर दिया था कि न्यायिक कार्यवाही को अनावश्यक रूप से उत्पीड़न का हथियार नहीं बनाना चाहिए।

रेलवे के 5 इंजीनियर समेत 9 पर रिपोर्ट

3 करोड़ के बिल को पास करने के लिए रिश्वत मांगने का आरोप, पांच गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : रेलवे के गति शक्ति परियोजना में हुए काम के तीन करोड़ रुपये का बिल पास करने के लिए इंजीनियरों व कर्मचारियों ने रिश्वत मांगी थी। इस मामले में सीबीआई से शिकायत की गई। सीबीआई ने रेलवे के पांच इंजीनियरों, फर्म संचालक समेत कुल नौ नामजद व अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किया।

इस मामले में सोमवार को लखनऊ के उत्तर व पूर्वोत्तर रेलवे के डीआरएम कार्यालय में छापा मारकर सीबीआई ने डिप्टी चीफ इंजीनियर, सीनियर सेक्शन इंजीनियर, ओएस, फर्म संचालक और फर्म के कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया। रेलवे ने स्टेशनों व अन्य निर्माण कार्यों के लिए मिशन गति शक्ति नाम से नई यूनिट स्थापित की। इसके तहत कई स्टेशनों के जीर्णोद्धार व निर्माण का काम शुरू कराया गया। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल और पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल का काम टैंगेंट इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के प्रवीण कुमार सिंह और सिकंदर अली को दिया गया। काम डिप्टी चीफ इंजीनियर विवेक कुशवाहा के निर्देशन में होना था। इन दोनों ने पूर्वोत्तर रेलवे डीआरएम कार्यालय में 3 करोड़ रुपये का बिल भुगतान के लिए लगाया। उच्चाधिकारियों ने बिल काम के अनुपात में अधिक होने के कारण आपत्ति लगाई। बिल भुगतान कराने के नाम पर फर्म के अधिकारियों से रिश्वत मांगी गई।

सीबीआई ने इन पर दर्ज की रिपोर्ट : शिकायत होने पर सीबीआई लखनऊ ने एफआईआर दर्ज की। जिसमें उत्तर रेलवे के डिप्टी चीफ इंजीनियर विवेक कुशवाहा, पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी के सीनियर डीईएन समन्वय राकेश रंजन, पूर्वोत्तर रेलवे डीआरएम वाराणसी के ओएस मनीष, एसएसई वर्क्स अभिषेक गुप्ता, एईएन के लेखा अनुभाग योगेश गुप्ता, कार्यालय में वरिष्ठ क्लर्क सुशील कुमार राय, टैंगेंट इंफ्राटेक के अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह और उनके कर्मचारी जिमी सिंह और टैंगेंट इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के अलावा दो अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया।

सीबीआई के रिपोर्ट के मुताबिक टैंगेंट इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारी प्रवीण सिंह व कर्मचार जिमी सिंह द्वारा बिल भुगतान के लिए रिश्वत देने का खेल जून के आखिरी सप्ताह में शुरू हुआ। रिश्वत की पहली किस्त सीनियर डीईएन राकेश रंजन को 21 से 26 जून के बीच दो लाख रुपये जिमी सिंह ने वाराणसी में पहुंचाया।

रिश्वत की दो किस्तों के आने के बाद 3 जुलाई को प्रवीण सिंह का तीन करोड़ का बिल पास करा लिया गया। इसकी जानकारी डीआरएम के ऑफिस सुप्रीटेंडेंट मनीष ने दी।

इन लोगों को किया गया गिरफ्तार

सीबीआई के अधिकारियों के मुताबिक फर्म के अधिकारी प्रवीण ने सोमवार को लखनऊ के कई इंजीनियरों और कर्मचारियों को रिश्वत देने के लिए अपने करीबी कर्मचारी जिमी सिंह को भेजा। इसकी जानकारी होने पर सीबीआई की एंटी करप्शन टीम ने डीआरएम उत्तर रेलवे और डीआरएम पूर्वोत्तर रेलवे के कार्यालय में एक साथ छापा मारा। मौके से डिप्टी चीफ इंजीनियर विवेक कुशवाहा, जिमी सिंह, ऑफिस सुपरिटेंडेंट अंजुम निशा और सीनियर सेक्शन इंजीनियर अशोक रंजन को रंगेहाथ दबोच लिया। वहीं कंपनी संचालक प्रवीण कुमार सिंह को वाराणसी से गिरफ्तार किया। डिप्टी चीफ इंजीनियर विवेक कुशवाहा के पास से ढाई लाख, अंजुम निशा और अशोक रंजन के पास से 50 हजार रुपये बरामद किया।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को अंतिम परिसीमन रिपोर्ट तलब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● 18 से 22 जुलाई तक ग्राम पंचायतवार जनसंख्या का अवधारण तय करने के निर्देश

अमृत विचार: शासन ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए निदेशक पंचायती राज समेत सभी जिलाधिकारियों से परिसीमन के बाद निर्वाचन क्षेत्रों की अंतिम सूची तलब की है। जिन जिलों में नगर निकायों के सृजन व सीमा विस्तार में कोई गांव समायोजित नहीं हुए हैं, उन्हें भी आपत्तियों का निस्तारण करते हुए ब्योरा देना होगा।

शासन ने बीते त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को संज्ञान में लेते हुए उसी अनुरूप अप्रैल-मई-2026 में चुनाव संपन्न कराने की तैयारी तेजी से शुरु कर दी है। इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने भी मतदाता सूची पुनरीक्षण की तिथियां घोषित कर दी गई हैं। प्रमुख सचिव पंचायती राज अनिल कुमार ने मंगलवार को निदेशक समेत सभी जिलाधिकारियों से नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद, नगर निगम के सृजन से लेकर उनके सीमा विस्तार के कारण प्रभावित ब्लाक, ग्राम पंचायतें, क्षेत्र पंचायतें और जिला पंचायतों के प्रादेशिक निवार्चन क्षेत्रों (वार्डों) का आंशिक परिसीमन पूरा करते हुए उनका पूरा ब्योरा तलब किया है। कहा है कि 18 जुलाई से 22 जुलाई तक ग्राम पंचायतवार जनसंख्या का अवधारण तय करें। 23 जुलाई से 28 जुलाई तक ग्राम पंचायतें, क्षेत्र पंचायतें और जिला पंचायतों के प्रादेशिक निवार्चन क्षेत्रों (वार्डों) की प्रस्तावित सूची की तैयारी और उसका प्रकाशन का कार्य पूरा करें। निर्देश दिया है कि 29 जुलाई से 2 अगस्त तक प्रस्तावित निर्वाचन क्षेत्रों पर आपत्तियां प्राप्त कर 3 अगस्त से 5 अगस्त तक निस्तारण सुनिश्चित कराएं। साथ ही 6 अगस्त से 10 से अगस्त तक निवार्चन क्षेत्रों का अंतिम प्रकाशन कराएं।

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल आवास फाइनेंसरस हाउसिंग लि. शाखा बरेली से विनोद वर्मा पुत्र श्री राम सिंह वर्मा निवासी 194 रोहली टोला बरेली एक किता मकान नं. 194 रोहली टोला तह. व जिला बरेली जिसकी चौहददी पूरब में बाकी रिक्त मकान चंदा देवी, पश्चिम में रास्ता गली, उत्तर में मकान वारिसान सीता राम व दक्षिण में मकान रोशन लाल है को बंधक रखकर मेरे मुवक्किल से ऋण ले रहे हैं उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित एक पूर्व मूल बैनामा जिसकी रजिस्ट्री सं. 88 बरेली में दिनांक 14.05.1991 को बही सं. 1 जिल्द 25 के पृष्ठ 235 से 246 में खण्ड सं. 3855 पर रजिस्टर्ड किया गया है जो राष्ट्रीय को.आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि. बरेली से विनोद वर्मा पुत्र श्री राम सिंह वर्मा के हक में निष्पादित किया गया है कहीं खो गया है जिसके खोने की सूचना थाना बारादरी पर दि. 12.07.2025 को दर्ज कराई जा चुकी है।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी अन्य व्यक्ति/बैंक/संस्था आदि को उक्त बंधक सम्पत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सामान्य कार्य दिवस के 07 दिन के अन्दर मेरे मुवक्किल आवास फाईनेंसरस हाउसिंग लि. शाखा बरेली पर या मेरे कार्यालय पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर दर्ज करा सकता है उक्त समयावधि बीत जाने के उपरान्त मेरे मुवक्किल द्वारा उक्त ऋण जारी कर दिया जायेगा।

दिनांक : 22.07.2025

अमिताभ भन्ज एडवोकेट
चैम्बर नं. 11 बड़ा वकालतखाना
सिविल कोर्ट बरेली
सूचीबद्ध अधिवक्ता
आवास फाइनेंसरस हाउसिंग लि. बरेली

7 वर्षीया बच्ची से दरिंदगी, चाकू दिखाकर धमकाया

पीलीभीत, अमृत विचार: सात साल की बच्ची को एक युवक तनवीर 14 जुलाई की शाम बहला-फुसलाकर सुनसान इलाके में ले जाकर छेड़छाड़ की गई। इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। कुछ लोगों ने दरिंदगी करते देख विरोध किया तो आरोपी ने धमकी दी। फिर बच्ची को चाकू दिखाकर और धक्का देकर मौके से भाग गया। पुलिस ने तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बच्ची के साथ दरिंदगी का पता चलने पर परिजन उसे लेकर कोतवाली पहुंचे और शिकायत की। एएसपी विक्रम दहिया ने बताया कि बच्ची से दुष्कर्म मामले में तहरीर दी गई है, जिसके आधार पर रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है। आरोपी की गिरफ्तारी को टीम लगाई गई है।

वैश्विक स्तर पर नेटवर्क खड़ा करना चाहता था छांगुर बाबा

संवाददाता, बलरामपुर

● राजदार नसरीन ने छांगुर बाबा के नेटवर्क का किया खुलासा

अमृत विचार: धर्मांतरण गिरोह के सरगना जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की करीबी राजदार ने नेटवर्क के बारे में कई अहम खुलासे किये। उसने एटीएस के अधिकारियों को बताया कि बाबा का टारगेट धर्मांतरण ही नहीं था। बल्कि वैश्विक स्तर पर एक बड़ा आर्थिक व धार्मिक साम्राज्य खड़ा करना था। इसी योजना के तहत वह पूरे देश में ही नहीं विदेशों में भी हजारों लोगों के संपर्क में थे।

नसरीन, जो छांगुर बाबा गिरोह में दूसरे नंबर की भूमिका में है। उसने बताया कि 2016 से 2020 के बीच बाबा के साथ 19 बार नेपाल, दुबई, तुर्कीए समेत कई देशों की यात्रा पर गई थी। नसरीन ने यह भी बताया कि बेटे की गिरफ्तारी फरवरी में हुई थी। इसके बाद से बाबा विदेश भागने की योजना बना रहा था। उसे संदेह हुआ कि बाबा उसे भी धोखा देकर अकेले भाग निकलेगा। इसी योजना के तहत वह भूमिगत हुआ। दबाव बनाने के बाद बाबा उसे साथ लेकर लखनऊ पहुंचा। जहां 71 दिन तक एक होटल में ठहरा था। इसी दौरान एटीएस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

एटीएस के मुताबिक पूछताछ में सामने आया कि बाबा के आर्थिक साम्राज्य की पूरी जिम्मेदारी नसरीन पर थी। पर, बाबा ने इस जिम्मेदारी को अपने बेटे महबूब को सौंप दिया। इसकी भनक लगते ही नसरीन को खतरा मंडराने लगा। नाराज नसरीन ने एटीएस के सामने बाबा के कई अहम राज खोल दिये।

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सुशील कुमार शर्मा पुत्र श्री उमराव मल शर्मा निवासी 110 सैनिक कालोनी, बरेली का एक मकान ग्राम उम्मेदपुर तह.फरीदपुर गाटा सं. 272 का अंश भाग जिसका कुल आराजी क्षे. 85.28 वर्ग मीटर है इस मकान को यूनियन बैंक आफ इण्डिया प्रेमनगर शाखा से व्यापार हेतु लोन वास्ते बंधक रख रहे हैं इस सम्पत्ति बावत एक पिछला मूल विक्रय पत्र (बुक नं. 1 वाल्यूम 3098 पेज नं. 39 To 56 सीरियल नं. 3186 दिनांक 03/04/2014 बरेली में कहीं खो गया है जिसकी सूचना 14/07/2025 को पुलिस को दी जा चुकी है (LAR-20250000490667) इस विक्रय पत्र की अनुपलब्धता के विषय में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति है तो वह इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर अपनी आपत्ती व्यक्तिगत रूप से समस्त साक्ष्यों एवं दस्तावेजों सहित मेरे कार्यालय में सम्पर्क कर सकता है उक्त अवधि में आपत्ती प्राप्त न होने पर लोन की रकम जारी कर दी जाएगी। **शाखा प्रबंधक- यूनियन बैंक आफ इण्डिया, प्रेमनगर शाखा, बरेली (उ.प्र.)**

कार्यालय सहायक निबन्धक फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स बरेली मण्डल बरेली

193/ए, सिविल लाइन्स, बरेली

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आर.बी. सिंह प्रजापति द्वारा संस्था श्रीमती पार्वती देवी शिक्षा समिति पता 328 कुंवरपुर बरेली जो पत्रावली संख्या बी-25220 पर पंजीकृत है, के प्रबन्धक की हैसियत से संस्था के नवीनीकरण की अनुमति किये जाने हेतु प्रपत्र अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। प्रस्तुत प्रपत्रों के अनुसार प्रबन्ध समिति की सूची वर्ष 2025-26 में निम्न सदस्य दर्शाये गये हैं :-

क्र.सं.	नाम पिता/पति का नाम	पद
1.	मुराद अली पुत्र श्री सहाबुद्दीन	अध्यक्ष
2.	सुशील कुमार पुत्र श्री आर.पी. सिंह	उपाध्यक्ष
3.	रामचन्द्र प्रजापति पुत्र श्री कन्हैया लाल प्रजापति	उपाध्यक्ष
4.	आर.बी. सिंह प्रजापति पुत्र स्व. श्री कन्हैया लाल	प्रबन्धक
5.	कुलदीप कुमार गोला पुत्र श्री सुग्रीव गोला	सह प्रबन्धक
6.	डा. मिन्नी सिंह पुत्र श्री उमाशंकर	मन्त्री
7.	वैभव प्रजापति पुत्र श्री राजेश प्रजापति	कोषाध्यक्ष
8.	नरेन्द्र सिंह कटियार पुत्र श्री रामलाल कटियार	सदस्य
9.	कृष्णपाल सिंह चौहान पुत्र श्री सिताब सिंह	सदस्य
10.	रामपाल सिंह पुत्र श्री नत्थू लाल सिंह	सदस्य
11.	कु. कामिनी मेहरोत्रा पुत्री श्री रामचन्द्र मेहरोत्रा	सदस्य

उक्त के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन से के दो सप्ताह के अन्दर अभिलेखीय साक्ष्यों सहित नोटरी शपथपत्र के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित निर्धारित तिथि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा तथा गुण-दोष के आधार पर संस्था के नवीनीकरण के संबंध में नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी। विदित हो कि उक्त नोटिस सोसा. रजि. अधि. 1860 की धारा 3(1) के अन्तर्गत जारी किया जा रहा है।

आज्ञा से-नीरज उर्फ यादवेन्द्र पाठक
सहायक रजिस्ट्रार

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, सम्पूर्णानगर-खीरी

अल्प-कालीन निविदा सूचना

केवल अनुभवी ठेकेदारों से इस मिल समिति में अल्प-कालीन निविदा दिनांक 23.07.2025 तक आमंत्रित की जाती है।

क्रमांक सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	गोदाम संख्या 08 की वाटर प्रूफ सीमेंट से पुताई एवं मरम्मत का कार्य।	रू0 6400/-	रू0 354/-
2	मिल हाउस मे क्षतिग्रस्त बिल्डिंग कालमों के रिपेयर एवं प्लास्टरिंग का कार्य।	रू0 2000/-	रू0 118/-
3	पावर हाउस में गटर और शटर की मरम्मत का कार्य।	रू0 4000/-	रू0 236/-
4	पुराने एवं नए बॉयलर पर 1, 2, 3, 4 एवं 5 पर गटर की मरम्मत का कार्य।	रू0 3700/-	रू0 236/-
5	आर.बी.सी के क्षतिग्रस्त कॉलम की मरम्मत, नए डी.सी. और बैगास कन्वेयर के पुराने एवं नए बॉयलर पर प्लास्टरिंग का कार्य।	रू0 5000/-	रू0 236/-
6	सभी गोदामों की रोलिंग शटर की मरम्मत का कार्य।	रू0 6400/-	रू0 236/-
7	1750 के.जी. फुल ऑटोमेटिक मशीन पर कमरे का निर्माण कार्य।	रू0 9000/-	रू0 590/-
8	ई.टी.पी. पर नाली रिपेयर का कार्य।	रू0 10000/-	रू0 590/-
9	प्रशासनिक भवन की रंगाई एवं पुताई का कार्य।	रू0 6000/-	रू0 236/-

उक्त कार्यों की नियम व शर्तें निविदा प्रपत्र पर अंकित हैं निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में मिल में धरोहर धनराशि एवं निविदा प्रपत्र मूल्य जमा करने उपरान्त मिल कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है तथा अधोहस्ताक्षरी को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सर्व सुरक्षित होगा।

प्रधान प्रबन्धक

जिम में चल रही शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़

अमरोहा, अमृत विचार : पुलिस और एसओजी ने बंद पड़े जिम में छापामार कार्रवाई करके अवैध शस्त्र फैक्ट्री पकड़ी। पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से बड़ी मात्रा में शस्त्र और शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद हुए हैं। एसपी अमित आनंद ने प्रेसवार्ता कर बताया कि आरोपी काफी समय से हथियार बना रहे थे।

पुलिस ने मौके से सादाब अली और सुमित सिंह निवासी गांव माछरा को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

देहरादून में ड्रग्स फैक्ट्री का पर्दाफाश, सरगना गिरफ्तार

देहरादून। एसटीएफ और नानकमत्ता पुलिस ने एमडीएमए ड्रग्स फैक्ट्री का पर्दाफाश करते हुए उत्तराखंड से नेपाल और मुंबई तक फैले नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। प्रतिबंधित केमिकल्स की 12 करोड़ से ज्यादा की खेप बरामद करते हुए एसटीएफ ने इस गिरोह के सरगना कुनाल कोहली को गिरफ्तार किया है।

कुनाल ने मुम्बई से अपने दोस्तों को लाकर एमडीएमए ड्रग्स फैक्ट्री पहले चम्पावत फिर पिथौरागढ़ लगायी, जिसकी खपत मुम्बई में ही की जा रही थी। इससे पहले हाईप्रोफाइल गैंग के एक महिला सहित सात सदस्य हत्थे चढ़ चुके हैं।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-शाहजहाँपुर। कार्यालय का पता- द्वितीय तल, विकास भवन, शाहजहाँपुर

पत्रांक :- 603 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा / 2025-26 दिनांक 05.07.25

निविदा सूचना

01- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु मुहरबन्द निविदाएं प्रतिशत दर में श्रेणी ए0/बी0/सी0/डी0 में पंजीकृत विभागीय ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्य के लिये निविदा डाल सकता है।

02- तालिका के अनुसार कार्यों का विवरण –

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (बिड सिक्योरिटी) (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जीएसटी सहित) (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
		विधायक निधि क्षेत्र-पुवायाँ।				
1	शाहजहाँपुर	ग्राम पंचायत लालपुर आजादपुर विकास खण्ड बण्डा स्थित पी0एम0श्री संविलियन विद्यालय में टाइलीकरण कार्य	2.50	5000.00	678.00	02 माह

03- निविदा बिक्री की अवधि : दिनांक 04.08.2025 से 06.08.2025 तक (पूर्वान्ह 11:00 से अपरान्ह 04:00 बजे तक)।

04- निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 07.08.2025 (अपरान्ह 12:00 बजे तक)।

05- निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल, विकास भवन, जनपद-शाहजहाँपुर।

06- निविदा खुलने का दिनांक एवं समय: दिनांक 07.08.2025 अपरान्ह 12:30 बजे तक।

अधिक जानकारी के लिये अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग कार्यालय द्वितीय तल, विकास भवन शाहजहाँपुर से सम्पर्क कर सकते हैं।

(इं. सतीश चन्द्र राघवेन्द्रम)
अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड-शाहजहाँपुर।

UP - 235823 **दिनांक:** 09/07/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

एम्स से संचालित एयर एंबुलेंस सेवा के विस्तार का अनुरोध

मुख्य संवाददाता, देहरादून

● सीएम पुष्कर धामी ने स्वास्थ्य मंत्री नड्डा से भेंट में किया अनुरोध, कहा- दुर्गम क्षेत्रों के लिए मिले हेलीकॉप्टर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से उत्तराखंड में एम्स ऋषिकेश से संचालित एयर एम्बुलेंस सेवा के विस्तार के साथ ही पहाड़ी व दुर्गम क्षेत्रों में आपातकालीन सेवाओं के लिए एक अतिरिक्त हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रति एसईसीसी परिवार केंद्रीय योगदान को 1052 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये करने का आग्रह करने के साथ ही चारधाम यात्रा में एम्स के विशेषज्ञों के योगदान और स्नातकोत्तर डॉक्टरों के रेजिडेंसी में यात्रा ड्यूटी सम्मिलित करने के लिए आभार व्यक्त किया। धामी ने कहा कि उत्तराखंड में दो नए मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इसी क्रम में जगजीवन राम मेडिकल कॉलेज पिथौरागढ़ और पं. राम सुमेर शुक्ल मेडिकल कॉलेज रुद्रपुर, शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से शिक्षण कार्य प्रारंभ करने के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन/भारत सरकार के पास आवेदन करेंगे। मुख्यमंत्री ने इन दोनों मेडिकल कॉलेज के संचालन के लिए मंजूरी के साथ ही टीएचडीसी के सहयोग से निर्माणाधीन टिहरी मेडिकल कॉलेज की भी आवश्यक अनुमतियां शीघ्र प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर की स्थापना और उसके सुचारू संचालन के लिए भारत सरकार से तत्काल सहायता का आग्रह करते हुए कहा कि, यह पहल न केवल स्थानीय आबादी के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि चारधाम यात्रा मार्गों और पर्वतीय क्षेत्रों से गुजरने वाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए भी जीवन रक्षक साबित होगी।

पूर्वोत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र संख्या-3

ई-निविदा संख्या : उप मु0इं0-नि0-1-जीकेपी-पी एम एस- 3-2025 खुलने की तिथि : 30.07.2025, **कार्य का नाम** - "पूर्वोत्तर रेलवे के आनंद नगर - घुघुली नई बीजी रेलवे लाइन परियोजना के संबंध में घुघुली (छोड़कर) और महराजगंज (सहित) खंड (लंबाई: 24.500 किमी) की नई सिंगल ब्रॉड गेज लाइन के सिविल इंजीनियरिंग कार्यों, विद्युतीकरण कार्यों और सिग्नलिंग कार्यों के लिए परियोजना प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्राधिकरण इंजीनियर की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव का अनुरोध (आरएफपी)" के सम्बन्ध में आमंत्रित उपरोक्त निविदा हेतु शुद्धि पत्र संख्या 2 जारी कर दिया गया है। इससे सम्बन्धित विवरण के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं।

उप मुख्य इंजीनियर/ निर्माण-1/ गोरखपुर
मुजाधि / डब्ल्यू - 161

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यॉंत्रिक इंजीनियर/रिपेयर, यॉंत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती हैः-

निविदा संख्याः EL-MWS-GKP-2025-26-08, कार्य का विवरणः रिवायरिंग ऑफ डिफेक्टिव पावर पैनल, इनवर्टर पैनल एण्ड डिफेक्टिव/ डैमेज्ड वायरिंग ऑफ ए0सी0 कोचेज ऑब्टेन्ड ड्यूरिंग पी0ओ0एच0 इन मैकेनिकल वर्कशाप, गोरखपुर। अनुमानित लागतः ₹ 25,98,893.53, बयाने की राशिः ₹ 52,000/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः ₹ 0.00, कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकार पत्र जारी होने के तिथि सेः 12 महीना।

● आन लाइन ई-निविदा जमा करने की तिथि 05-08-2025 समय 13:00 बजे तक। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर देखें। ● यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य यॉंत्रिक इंजीनियर/रिपेयर(कार.) गोरखपुर
मुजाधि/विद्युत-89

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय ग्राम पंचायत-लक्ष्मीपुर वि.ख. आसफपुर (बदायूं)

अल्पकालीन निविदा सूचना

दिनांक 15.07.2025

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा)/RGSA/केंद्र वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/मनरेगा योजना आदि के अभिसरन से शासन से प्राप्त धनराशि के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2025-26 ग्राम पंचायत समिति द्वारा तैयार व ग्राम सभा द्वारा पारित/ अनुमोदन कार्ययोजना के सापेक्ष अनुसार निम्न कार्य कराया जाना है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	प्राथमिक विद्यालय कायाकल्प कार्य	प्राक्कलन अनुसार
2.	उच्च प्राथमिक विद्यालय कायाकल्प कार्य	प्राक्कलन अनुसार
3.	सचिवालय कायाकल्प कार्य	प्राक्कलन अनुसार
4.	आंगनवाड़ी केंद्र कायाकल्प एवं लर्निंग लैब कार्य	प्राक्कलन अनुसार
5.	हैन्डपम्प मरम्मत कार्य प्रथम	प्राक्कलन अनुसार
6.	हैन्डपम्प मरम्मत कार्य द्वितीय	प्राक्कलन अनुसार
7.	हैन्डपम्प रिवोर कार्य प्रथम	प्राक्कलन अनुसार
8.	हैन्डपम्प रिवोर कार्य द्वितीय	प्राक्कलन अनुसार
9.	ग्राम पंचायत मे नाले सफाई कार्य	प्राक्कलन अनुसार
10.	ग्राम पंचायत मे सफाई कार्य प्रथम	प्राक्कलन अनुसार
11.	ग्राम पंचायत मे सफाई कार्य द्वितीय	प्राक्कलन अनुसार
12.	ग्यासुद्दीन के मकान से सिकरुद्दीन के मकान तक इन्टरलॉकिंग/सीसी/नाली नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
13.	साबिर के खेत से लाईक अहमद के खेत तक नाला नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
14.	बड़े आजाद के मकान से आसिफ के खेत तक नाला नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
15.	हासम शाह के मकान से सचिवालय तक इन्टरलॉकिंग/सीसी/नाली नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
16.	तेजपाल के मकान से जुल्फिकार के मकान तक इन्टरलॉकिंग/सीसी/नाली नि.कार्य	प्राक्कलन अनुसार
17.	दिनेश कश्यप के मकान से अनवार के मकान तक इन्टरलॉकिंग/सीसी/नाली नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
18.	श्यामवीर के मकान से धर्मदास के मकान तक इन्टरलॉकिंग/सीसी/नाली नि.कार्य	प्राक्कलन अनुसार
19.	माया देवी के मकान से श्यामविहारी के मकान तक इन्टरलॉकिंग/सीसी/नाली नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
20.	कददे के मकान से टंकी तक इन्टरलॉकिंग/सीसी/नाली नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
21.	अफसर खान के प्लॉट से निसार के प्लॉट तक इन्टरलॉकिंग/सीसी/नाली नि कार्य	प्राक्कलन अनुसार
22.	सोनू के मकान से दिलशाद के मकान तक इन्टरलॉकिंग/सीसी/नाली नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
23.	जल भराव निस्तारण हेतु ग्राम पंचायत मे मिट्टी भराव कार्य	प्राक्कलन अनुसार
24.	वसीमुद्दीन के घर से अब्दुल रहीम के खेत तक नाला नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
25.	शेर मुहम्मद के मकान से निजामुद्दीन के मकान तक इन्टरलॉकिंग/सीसी/नाली नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
26.	ग्राम पंचायत मे नाली मरम्मत व नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
27.	ग्राम पंचायत मे नाला मरम्मत व नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
28.	ग्राम पंचायत मे सीसी मरम्मत व नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
29.	ग्राम पंचायत मे पुलिया मरम्मत व नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
30.	ग्राम पंचायत मे नाली पर गाटर जाल मरम्मत व नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
31.	ग्राम पंचायत मे नाली पर चैनल जाल मरम्मत व नि. कार्य	प्राक्कलन अनुसार
32.	सामुदायिक शौचालय सौन्दर्यकरण कार्य	प्राक्कलन अनुसार
33.	प्रशासनिक व्यय	प्राक्कलन अनुसार
34.	ग्राम पंचायत मे सीसी मरम्मत व नि. कार्य द्वितीय	प्राक्कलन अनुसार
35.	ग्राम पंचायत मे पुलिया मरम्मत व नि. कार्य द्वितीय	प्राक्कलन अनुसार

उपरोक्त समस्त कार्यो हेतु प्राक्कलन में दी गई सामग्री एवं मात्रा अनुसार सीमेंट, बजरफुट, गंगा रेता, पत्थर 20 एमएम, पत्थर 25-50 एमएम, ईट प्रथम, ईट बलदार, ईट टुकड़ा, मिट्टी, पसॅलीथीन, ईट सीमेन्ट, हैण्डपंप रिबर एवं मरम्मत सामग्री (यथा चैन, सरिया, पाइप, हत्था, सिलेंडर, चेक वाल्व आदि) गाटर, चादर, टीन, जाली, पिलर पाइप, पॅर्लिन पाइप, पेंटिंग सामग्री (यथा डिस्टेम्पर वार्निश) चूना, सफेद सीमेंट, कलर, पुट्टी समोसम आदि) सफाई उपकरण, कूड़ा गाड़ी क्रय, कूड़ा गाड़ी मरम्मत सामग्री, डेस्कटॉप, प्रिंटर, इन्वर्टर, सीसीटीवी कैमरे, कूड़ादान, ऑफिस, वृक्षारोपण, टाईल्स, ग्रेनाइट पत्थर, वाशबेसिन, पानी टंकी फिटिंग आईटम, सोलर लाइट, पी. पी. ई. किट, मास्क, वाटर कूलर, आर वाटर आंगनबाड़ी केन्द्र हेतु फर्नीचर, ओपन जिम सामग्री, फागिंग मशीन, स्प्रे मशीन, प्राइमरी विद्यालय हेतु फर्नीचरर, उच्च प्राथमिक विद्यालय हेतु फर्नीचर, सचिवालय हेतु फर्नीचर, उक्त सामग्री आपूर्ति हेतु निविदाएं दिनांक 20.07.2025 को 3:00 बजे तक सीलबंद लिफाफे मे जमा की जा सकती है। प्राक्कलन मात्रा सामग्री प्रकार के बारे मे किसी भी कार्यदिवस मे पंचायत कार्यालय प्रधान/सचिव से जानकारी प्राप्त की जा सकती है) व निविदाए अंतिम तिथि को 4:00 बजे प्रधान/ सचिव एवं फर्म प्रतिनिधियों की समक्ष खोली जाएगी। समस्त अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित है।

आस मुहम्मद-ग्राम पंचायत सचिव **सफी अहमद-ग्राम प्रधान**

घरेलू बायोगैस से रसोई गैस की 70 फीसदी कम होगी खपत

ग्राम ऊर्जा मॉडल के तहत नई योजना की शुरुआत, किसान लगाएंगे बायोगैस यूनिट, बनेगी खाद व रसोई गैस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के गांवों की तस्वीर अब बदलने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में ग्राम-ऊर्जा मॉडल के तहत एक नई योजना की शुरुआत हो रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर और ऊर्जा-संपन्न बनाया जाएगा। इस योजना से न केवल घरेलू रसोई गैस की खपत में भारी कमी आएगी, बल्कि जैविक व प्राकृतिक खाद के उत्पादन से कृषि को भी नई दिशा मिलेगी।

इस योजना से एक ओर जहां पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। संयंत्रों के संचालन, रखरखाव, खाद वितरण, तकनीकी सहायता जैसे कार्यों में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को जोड़ा जाएगा। ग्राम-ऊर्जा मॉडल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला साबित होगा।

किसानों के दरवाजे पर स्थापित होंगी बायोगैस यूनिट

सरकार की योजना है कि केवल गोशालाओं तक सीमित न रहते हुए यह मॉडल किसानों के दरवाजे तक पहुंचे। बायोगैस यूनिटों की स्थापना सीधे किसानों के घरों या खेतों के पास की जाएगी, जिससे वे स्वयं के उपयोग के लिए गैस और खाद दोनों का उत्पादन कर सकें। इससे खेती की लागत में भारी कमी आएगी और उत्पादकता में वृद्धि होगी।

मनरेगा से बनेगी किसानों की पशुशाला

इस योजना को मनरेगा से भी जोड़ा गया है, जिसके तहत ग्रामीण किसानों को व्यक्तिगत पशुशाला (इंडिविजुअल कैटल शेड) निर्माण का लाभ मिलेगा। इन पशुशालाओं से उत्पादित गोबर का उपयोग बायोगैस यूनिट में कर किसान खुद की रसोई के लिए गैस बना सकेंगे। साथ ही, इससे निकलने वाली स्लरी को वे आसपास के जैविक खेती करने वाले किसानों को बेचकर अतिरिक्त आय भी प्राप्त कर सकेंगे। इससे वे गैस व खाद दोनों में आत्मनिर्भर बनेंगे।

प्रदेश गोसेवा आयोग के ओएसडी डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि गांवों में घरेलू बायोगैस यूनिटों की स्थापना से रसोई में इस्तेमाल होने वाली एलपीजी की खपत में करीब 70 फीसद तक की कमी आएगी। इससे न केवल ग्रामीण परिवारों की बचत होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। योगी सरकार 43 चयनित गोशालाओं में बायोगैस और जैविक खाद संयंत्रों को चालू करने जा रही है। इन संयंत्रों से न सिर्फ गैस का उत्पादन होगा, बल्कि गोबर से तैयार स्लरी से जैविक/प्राकृतिक खाद भी बनेगी। हर गोशाला से प्रतिमाह 50 क्विंटल स्लरी तैयार होने की संभावना है, जिसे आसपास के किसान उपयोग में ला सकेंगे।

डिजिटल खतरों से ग्रामीणों को बचाएगा एआई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- देशभर में 30 सितंबर तक चलेगा वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान

अमृत विचार : वित्त मंत्रालय की पहल पर उत्तर प्रदेश के भी ग्रामीण नागरिकों को डिजिटल खतरों से बचाने के लिए आर्टिफिशियल इंटिलिजेंस का इस्तेमाल होगा। इस क्रम में देशभर में 1 जुलाई से 30 सितंबर वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत फिशिंग ईमेल्स, फर्जी कॉल्स व अन्य डिजिटल खतरों को लेकर सभी जिलों के 57,702 ग्राम पंचायतों में वित्तीय समावेशन सम्बन्धी जागरुकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

इस क्रम में मंगलवार को राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उप्र.) एवं पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) लखनऊ के तत्वाधान में एक संयुक्त प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें बैंक आफ बड़ौदा के आंचलिक प्रमुख एवं राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उप्र.) के संयोजक शैलेन्द्र कुमार सिंह ने अभियान से सम्बन्धित जानकारियों को साझा किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि ग्रामीण नागरिकों को साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के लिए उन्हें ओटीपी साझा न करने, फिशिंग ईमेल्स, फर्जी कॉल्स व अन्य डिजिटल खतरों के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से हो ग्रामीण नागरिकों के साथ हो रही धोखाधड़ी से बचने के लिये लोगों को जागरुक किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान बैंकों द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों की 57,702 ग्राम पंचायतों में प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से शून्य शेष राशि पर प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के अंतर्गत खाता खोले जा रहे हैं।

एक नजर

लखनऊ में आज जुटेंगे 38 जिलों के डीएम

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी में बुधवार को उत्तर प्रदेश के 38 जिलों के जिलाधिकारी (डीएम) जुटेंगे। महात्मा गांधी मार्ग स्थित आवास विकास मुख्यालय के नवीन सभागार में मतदाता सूचियों के सम्बंध में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक प्रशिक्षण कार्यक्रम होगा। जिसमें प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा जिलाधिकारियों को मतदाता सूचियों के सम्बंध में जानकारी देंगे। इस मौके पर जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विशाख जी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी शुभी सिंह सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

18 हजार नवजातों को दिया गया ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने 1 से 7 जुलाई के बीच सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले कुल 18,348 नवजातों को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इसमें लखनऊ मंडल में सर्वाधिक 2555 नवजात शामिल हैं। पौधे हासिल करने वाले अभिभावकों ने बच्चों के साथ ही पौधों की भी देखभाल का संकल्प लिया है। अभिभावकों को लकड़ी, फल व सहजन समेत कई प्रजातियों के पौधे प्रदान किए गए। देवीपाटन मंडल दूसरे व आगरा तीसरे स्थान पर रहा।

नई बिजली दरों के निर्धारण को लेकर हुई जनसुनवाई

अमृत विचार, लखनऊ : नई बिजली दरों के निर्धारण को लेकर राज्य विद्युत नियामक आयोग ने आगरा में जनसुनवाई की। जनसुनवाई में दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के अधिकारी व उपभोक्ता प्रतिनिधि शामिल हुए। उप्र. राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि बिजली उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 33,122 करोड़ सरप्लस है। ऐसे में बिजली दरों में बढ़ोतरी के बजाय 45 प्रतिशत की कमी होनी चाहिए।

सूख चुकी नून और पीली नदी हुईं पुनर्जीवित

एक जिला-एक नदी अभियान से कानपुर और जौनपुर की दोनों नदियों को मिला नया जीवन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 48 किमी लंबी है नून नदी और 43 किमी में प्रवाहित है पीली नदी

अमृत विचार : कानपुर नगर की सूख चुकी नून नदी अब दोबारा बहने लगी है। एक समय जो नदी पूरी तरह खत्म हो चुकी थी, नक्शे से गायब, गाद से भरी, अतिक्रमण से दब चुकी थी, वह अब जलधारा बनकर फिर से जीवन देने लगी है। वहीं जौनपुर में आदिगंगा गोमती की सहायक पीली नदी भी जनसहयोग से पुनर्जीवित हो उठी है।

यह परिवर्तन यूं ही नहीं आया, इसके पीछे है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच और प्रतिबद्धता है। जिन्होंने एक जिला-एक नदी पहल के माध्यम से राज्य की मृतप्राय नदियों को पुनर्जीवित करने का बीड़ा उठाया। 48 किमी. लंबी नून नदी का पुराना रास्ता खोजने में राजस्व अभिलेख, ग्रामीणों की यादें, ड्रोन सर्वेक्षण और सैटेलाइट इमेज का सहारा लिया गया। करीब 6000 श्रमिकों ने 58 ग्राम पंचायतों से मिलकर करीब 23 किलोमीटर की खुदाई और सफाई का कार्य किया। मशीनों की जगह श्रमिकों के श्रम का उपयोग किया गया, जिससे न केवल काम की संवेदनशीलता बनी रही, बल्कि रोजगार भी मिला। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग 57 लाख रुपये खर्च हुए और 23 हजार से अधिक मानव दिवस का सृजन हुआ।

अथक प्रयासों के बाद कानपुर की नून नदी में फिर से बहता पानी।

इसी तरह जौनपुर में गोमती नदी की सहायक पीली नदी का जनसहयोग से पुनरोद्धार किया गया। इससे पीली नदी अपने पुराने स्वरूप में दिखने लगी है। वहीं नदियों के किनारे पौधों को रोपा गया है, जिससे पर्यावरणीय संतुलन बना रहे और किसानों को फायदा मिले। जौनपुर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि 61.2 किमी पीली नदी में से 43 किमी जौनपुर में प्रवाहित होती है। यह नदी बदलापुर तहसील के देहुणा गांव से निकलकर भलुआ, खनपुर, बहुर, सिरिकना, रामपुर आदि गांव से गुजरती हुई बेलवां गांव के पास गोमती नदी में मिल जाती है।

1416 करोड़ के निवेश के लिए 20 कंपनियों को यूनिक आईडी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एम्पावर्ड कमेटी की पहली बैठक

अमृत विचार : मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स नीति-2022 के तहत गठित एम्पावर्ड कमेटी की प्रथम बैठक मंगलवार को आयोजित की गई।

यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी ने बताया कि उप्र. वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स नीति-2022 के तहत अब तक प्रदेश में कुल 1416 करोड़ रुपये के निवेश के लिए यूपीसीडा द्वारा 20 कंपनियों को यूनिक आईडी आवंटित कर दी गई है। इन सभी कंपनियों का कार्य प्रगति पर है। इसमें से दो कंपनियों को लेटर ऑफ कंफर्ट जारी करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा रहा है। इसके तहत मेसर्स ओडब्ल्यूएम लॉजीपार्क वाराणसी एलएलपी को 4.89 करोड़ रुपये तथा मेसर्स केएमआरए एसोसिएट्स एलएलपी, उन्नाव को 4.90 करोड़ रुपये की पूंजीगत सब्सिडी दी जायेगी। मेसर्स ओडब्ल्यूएम लॉजीपार्क वाराणसी एलएलपी ने वाराणसी के ग्राम बिहरा, तहसील राजातालाब में 8.94 एकड़ क्षेत्र में 33.29 करोड़ रुपये का पूंजीगत निवेश कर स्टोरेज फैसिलिटी (वेयरहाउस) परियोजना स्थापित की है। वहीं, मेसर्स केएमआरए एसोसिएट्स एलएलपी ने उन्नाव के ग्राम रसूलपुर, तहसील हसनगंज में 12 एकड़ क्षेत्र में 44.58 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

दिव्यांगजनों से अभद्रता पर होगी कार्रवाई

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में दिव्यांगजनों से अभद्रता करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पिछड़ा वर्ग कल्याण व दिव्यांगजन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने अधिकारियों को निर्देश दिये। राज्यमंत्री मंगलवार को योजना भवन में दिव्यांगजनों के लिए गठित राज्य सलाहकार बोर्ड की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

राज्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में दिव्यांगजनों को चढ़ने-उतरने में ड्राइवर-कंडक्टर की ओर से सहायता दी जाए और उनके साथ मित्रवत व्यवहार सुनिश्चित किया जाय। शिकायत की स्थिति में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कौशल मेले में दिखी आत्मनिर्भर यूपी की झलक

विश्व युवा कौशल दिवस पर हुए आयोजन में 100 से अधिक स्टॉल के जरिए प्रस्तुत की प्रदेश की बदलती तस्वीर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर आयोजित कौशल मेला में प्रदेश की बदलती तस्वीर को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। कुशल उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की भावना के साथ आयोजित इस मेले में 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए, जिनमें हस्तशिल्प, टेक्सटाइल, हेल्थकेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स और खाद्य उत्पादों की प्रदर्शनी देखने को मिली।

मेले में कौशल विकास मिशन से जुड़े कई प्रशिक्षण संस्थानों, एनजीओ और स्टार्टअप्स ने अपनी सेवाएं और प्रशिक्षण मॉडल प्रदर्शित किए। कई जगह लाइव डेमो के माध्यम से युवाओं को स्किल डेवलपमेंट की प्रक्रिया और परिणाम दोनों को देखने का अवसर मिला। इस मौके पर सॉफ्ट स्किल्स से जुड़े वर्कशॉप जैसे स्पोकन इंग्लिश, इंटरव्यू स्किल्स, पर्सनालिटी ग्रूमिंग तथा सीवी मेकिंग ने युवाओं को व्यावहारिक ज्ञान देने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, फूड जोन में उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता झलकती रही, जिसमें लखनऊ की भेलपुरी, अयोध्या का सिरका, मुजफ्फरनगर की कचौरी, आगरा का पेठा और प्रतापगढ़ का आंवला विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

बच्चों ने यहां पर अपने हाथों से बनाए पोटली बैग्स, कुशन कवर, बाल हैंगिंग्स, जूट के पेंटिंग बैग्स, डोरमैट, आसनी प्रदर्शित किए।

आयुषी निगम।

शिवानी सिंह।

महिला उद्यमियों और बेटियों की दिखी छाप

कौशल मेले की सबसे उल्लेखनीय झलक रही महिला उद्यमियों और ग्रामीण बेटियों की भागीदारी। आरएसडब्ल्यूएम प्रालि. की सेंट्रल कोऑर्डिनेटर आयुषी निगम ने बताया कि संस्था द्वारा ग्रामीण लड़कियों को सॉफ्ट स्किल और आईटी की नि:शुल्क ट्रेनिंग दी जाती है, जिसमें आवास, भोजन और चिकित्सा सुविधाएं भी शामिल हैं। इन बेटियों द्वारा बनाए गए इको-फ्रेंडली हैंडमेड उत्पाद, पोटली बैग्स, कुशन कवर, बाल हैंगिंग्स, जूट बैग्स, डोरमैट, और दीवार सजावट सामग्री मेले में आकर्षण का केंद्र बने। कार्यक्रम में श्री सिद्धि विनायक एजुकेशन सोसाइटी की ट्रेनर शिवानी सिंह ने बताया कि यहां बच्चों को तीन महीने तक मुफ्त आवास, भोजन, किताबों के साथ प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण के बाद युवाओं को नोएडा समेत कई कंपनियों और हॉस्पिटल में प्लेसमेंट दिलाया जा रहा है।

स्थानांतरित न्यायाधीशों के लिए फुल कोर्ट रेफरेंस आज

विधि संवाददाता, लखनऊ : इलाहाबाद हाईकोर्ट और इसकी लखनऊ खंडपीठ के चार न्यायाधीशों का स्थानांतरण अन्य राज्यों के उच्च न्यायालयों में कर दिया गया है। लखनऊ बेंच के न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला का स्थानांतरण दिल्ली हाईकोर्ट में किया गया है, जबकि न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा को पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट तथा न्यायमूर्ति जयंतीलाल बनर्जी को कर्नाटक हाईकोर्ट भेजा गया है। केंद्र सरकार ने इन न्यायाधीशों के स्थानांतरण संबंधी अधिसूचना सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय की अनुशंसा पर जारी की। इन न्यायाधीशों को बुधवार को फुल कोर्ट रेफरेंस में विदाई दी जाएगी।

ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष हुआ तो दलित हो सकता उप मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बसपा और सपा को एक साथ साधने की तैयारी में जुटे भाजपा के रणनीतिकार

अमृत विचार : अक्सर चौंकाने वाले निर्णयों के लिए चर्चित भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने यूपी में प्रदेश अध्यक्ष को लेकर अभी पत्ते नहीं खोले हैं। सिर्फ नामों का शिगूफा छोड़ चर्चा-परिचर्चा समेत पक्ष-विपक्ष में अपने नेताओं-कार्यकर्ताओं की भी परीक्षा ली जा रही है। मगर, धीरे-धीरे साफ हो रहा है कि केशव प्रसाद मौर्य को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया तो उनकी उप मुख्यमंत्री की कुर्सी दलित समाज को मिलेगी।

राजस्थान व एमपी में दलित उप मुख्यमंत्री के सफल प्रयोग को यूपी में भी दोहराकर पंचायत से लेकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में बसपा के साथ सपा-कांग्रेस को भी झटका देने की तैयारी है। वैसे केशव प्रसाद मौर्य के यहां जुटने वाले विधायकों-नेताओं, पंचायत प्रतिनिधियों आदि का मजमा उन्हें भावी प्रदेश अध्यक्ष मानकर अपने-अपने टिकट की सेंटिंग करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। हालांकि केशव प्रसाद के लिए यह पद खास मायने नहीं रख रहा है। वे कार्यकर्ताओं-नेताओं से लेकर मंचों पर भी अपने पहले कार्यकाल की उपलब्धियों को ही मील का पत्थर बताते हैं। कहते हैं कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में यूपी के लोगों ने उनके सांगठिक क्षमता को देखा है। पहली बार भाजपा ने नरेंद्र मोदी के नाम पर रिकार्ड 71 सीटें जीतीं। यह सिलसिला उनकी अगुवाई में 2017 के विधानसभा चुनाव में भी दिखा, भाजपा ने 325 सीटों के साथ तीन-चौथाई बहुमत से चुनाव जीता। मौर्य बार-बार 2027 में 2017 दोहराने के पीछे संदेश देना चाहते हैं कि वे बड़े अगुवाकार हैं।

यूपी में ओबीसी के बाद दलित वोट की सबसे बड़ी हिस्सेदारी

सपा के पीडीए के प्रति बीते लोकसभा चुनाव में दलितों के रूझान और बसपा की नई टीम की तैयारी से भाजपा दलित समाज से प्रदेश अध्यक्ष न दे पाने की सूरत में उप मुख्यमंत्री बनाकर दलित वोटबैंक साधने की रणनीति पर मुहर लगा सकती है। प्रदेश में ओबीसी के बाद दलित वोट की सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। आंकड़ों के मुताबिक, यूपी में 42-45 फीसदी ओबीसी हैं, उसके बाद 20-21 फीसदी संख्या दलितों की है। इसमें सबसे अधिक 14 फीसदी जाटव हैं, जो राजनीतिक रूप से बसपा का आधार वोट रहा है। इसके अलावा दलितों की 66 उपजातियां हैं, जिनमें 55 ऐसी उपजातियां हैं, जिनका संख्या बल ज्यादा नहीं हैं। इसमें मुसहर, बसोर, सपेरा और रंगरेज शामिल हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 16 जुलाई, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी-21.01 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

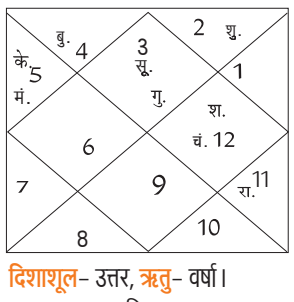

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-पूर्व भाद्रपद 05.46 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद 17 जुलाई 4.50 तक।

मेष — आज विदेशी कंपनियों से नौकरी या व्यवसाय के प्रस्ताव मिल सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपको बातचीत अवश्य करनी चाहिए। घरेलू कलह होने की संभावना है। लंबी दूरी की यात्रा पर जानें से बचें। बनते कार्यों में रुकावट आने से चिड़चिड़े हो सकते हैं।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। लोग आपके कार्य की प्रशंसा करेंगे। दोस्तों के साथ पिकनिक पर जा सकते हैं। शांति और धैर्य का परिचय दें। व्यापार में बड़े लाभ मिलने की भरपूर संभावना है। रिश्तेदारों का भरपूर सहयोग मिलेगा।

मिथुन — आज दिन की शुरुआत बहुत ही अच्छी रहेगी। मार्केटिंग से जुड़े कार्यक्षेत्र में आपको लाभ मिलेगा। घरेलू जीवन में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। बड़े अधिकारियों के साथ अपने संबंध मधुर रखें। संतान की उपलब्धियों से उत्साहित रहेंगे।

कर्क — आज अपनी मनोवृत्ति सदैव सकारात्मक रखें। आपको स्वास्थ्य की समस्या हो सकती है। कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा की हानि होने की सम्भावना है। सम्पत्ति विवादों को लेकर आपको बचना चाहिये। व्यवसाय में आपको कुछ आवश्यक फेरबदल करने पड़ सकते हैं।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर कार्य का अतिरिक्त दबाव हो सकता है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के रखरखाव में सावधानी रखें। गूढ़ विषयों का अध्ययन कर सकते हैं। महिलाओं को हार्मोन संबंधी कुछ समस्या हो सकती है। कानूनी विवादों में आपको परेशान होना पड़ सकता है।

कन्या — आज कार्यक्षेत्र का वातावरण ऊर्जावान रहेगा। बच्चे अपनी जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान रहेंगे। परिस्थितियां पूरी तरह से आपके लिए अनुकूल हैं। लंबे समय से रुका हुआ कार्य आज पुन: प्रारम्भ हो सकता है। जीवनसाथी का पर्याप्त सहयोग आपको मिलेगा।

तुला — आज जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। सहकर्मियों से अत्यधिक सहायता मिलेगी। आत्मविश्वास में कमी होने की सम्भावना है। गर्मी और उमस के कारण सिरदर्द की समस्या हो सकती है। परीक्षा परिणामों में उत्तम सफलता मिलने वाली है।

वृश्चिक — आज नए कार्यों को आरम्भ करना उचित नहीं है। सरकारी कार्यों में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को उत्तम परिणाम मिलेंगे। अपनी प्रतिभा को और विकसित करने की आवश्यकता है। वाहन धीमी गति से चलायें।

धनु — आज व्यापार में आप नए प्रयोग कर सकते हैं। सरकार की ओर से आपको लाभ प्राप्त होगा। महंगी वस्तुओं की खरीदी करेंगे। धर्म-कर्म के प्रति आप अत्यधिक रुचि लेने वाले हैं। माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। मित्र आपसे सहायता की अपेक्षा रखेंगे।

मकर — आज आपकी आर्थिक स्थिति अति उत्तम रहने वाली है। जीवनसाथी के साथ आज एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे। महत्वपूर्ण मुद्दों पर परिवार के सदस्यों के साथ चर्चा करेंगे। आपके व्यक्तित्व में निखार आयेगा। नई नौकरी आरम्भ करने के अवसर मिलेंगे।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में परिश्रम का सार्थक परिणाम मिलने में देरी होगी। बैंकिंग से जुड़े मामलों में सावधानी रखने की आवश्यकता है। बच्चों के साथ आप समय व्यतीत करेंगे। प्रेमी जन के साथ मतभेद होने की संभावना है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मीन — आज संपत्ति के क्रय-विक्रय से धन लाभ मिलेगा। किसी बड़ी समस्या का समाधान मिलने से प्रसन्नता होगी। मूल्यवान वस्तुओं की खरीदी कर सकते हैं। किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होंगे। सभी कार्य सुगमता से पूर्ण हो जायेंगे।

वर्ग पहेली-33

बाएं से दाएं

1.1. पायल, नूपुर 2. हाथी के पैर में बांधने की ज़ंजीर।
2.1. कटोरे के आकार की कोई वस्तु 2. पत्तों का बना हुआ दोना 3. हथेली की अंजलि 4. डिब्बा, संदूक, पिटारी, (बॉक्स) 5. मृतक का कपाल, खोपड़ी 6. औषधि आदि पकाने के लिए कपड़े और गीली मिट्टी से लपेटकर बनाया गया एक पात्र 7. कोश 8. गीत का टेक, (केविटी)।
5. मस्जिद का वह ऊंचा चबूतरा जिसपर बैठकर इमाम या मुल्ला उपदेश देते हैं अथवा लोगों को नमाज़
7. बरफ़ के कण, हिम के अति सूक्ष्म टुकड़े; जमी हुई बरफ़ के क्रिस्टलों के समूह।
9.1. मुगल संबंधी, मुगलों का-सा, मुगली, मुगलों की तरह का 2. एक विशेष प्रकार का व्यंजन
10.1. मनगढ़ंत किस्सा या कहानी; कल्पित कहानी 2. ब्योरा, विवरण, हाल।

ऊपर से नीचे

2.1. संवर्धन, पालन-पोषण 2. समर्थन।
3.1. एड़ी के ऊपर और पिंडली के नीचे की उभरी हुई हड्डी 2. उक्त हड्डी के आस-पास का भाग।
4. शोथ, सूजन।
6.1. बाहरी या ऊपरी अंग 2. पूजा के आरंभ में किए जाने वाले औपचारिक और बाह्य कृत्य।
8.1. हिनहिनाना 2. घनघनाना, घंटे का बजाना 3. रक्षा करना 4. किसी काम को करते हुए सोच-विचार करने या बनाने-संवारने के लिए बीच-बीच में ठहरना, धीरे-धीरे धैर्य के साथ करना 5. बनाना, निर्माण करना, संवारना।

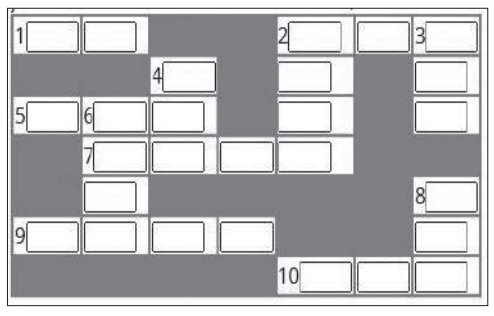

वर्ग पहेली -32 का हल

		1 कि		2 टि	3 पा	रा
4 रँ	ह	च	टा		ग	
		पि		5 गि	ल	6 न
	7 प	च	मे	ल		फ़
	रि			गि		सा
	षे			ला		नी
8 नि	क	ष	ण			

सुडोकू-40

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

							2	
4		3		6	1		8	
5		7	8	2				9
		9			5		1	
	5		3		8		7	
	8		4			5		
8				5	2	1		3
	6		7	3		4		8
	3							

सुडोकू - 39 का हल

5	3	2	4	8	6	1	7	9
7	8	9	1	2	5	3	4	6
6	1	4	9	3	7	8	5	2
8	9	3	6	4	2	5	1	7
4	6	5	7	1	8	9	2	3
1	2	7	3	5	9	4	6	8
9	5	8	2	6	4	7	3	1
2	7	1	5	9	3	6	8	4
3	4	6	8	7	1	2	9	5

बेरोजगारी दर जून में 5.6 प्रतिशत पर स्थिर

सरकार ने जारी किए सीडब्ल्यूएस में एकत्रित नवीनतम आंकड़े, महिलाओं के लिए बेरोजगारी दर घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

इस साल जून के महीने में देश में बेरोजगारी दर 5.6 प्रतिशत पर स्थिर रही है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने इस साल अप्रैल में पहली बार मासिक आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) जारी किया था। इसके जरिये देश में नौकरियों के लिए पात्र लोगों में बेरोजगार लोगों के अनुपात की वास्तविक समय में निगरानी की कोशिश की गई है।

वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में एकत्रित नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि मई एवं जून, 2025 के दौरान सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए बेरोजगारी दर 5.6% पर अपरिवर्तित रही, जो इस साल अप्रैल के 5.1% आंकड़े से थोड़ा अधिक है। जून महीने में महिलाओं और पुरुषों के बीच बेरोजगारी दर राष्ट्रीय स्तर पर 5.6% पर अपरिवर्तित रही।

महिलाओं के लिए बेरोजगारी दर पिछले महीने घटकर 5.6% पर गई, जबकि इस साल मई में यह 5.8% थी। वहीं, 15-29 आयु वर्ग के लोगों में बेरोज़गारी दर जून में बढ़कर 15.3% हो गई, जो मई, 2025 में 15% थी। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर जून में बढ़कर 18.8% हो गई, जो मई में 17.9% थी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह आलोच्य महीने में 13.8% थी, जो मई में 13.7% थी।

सीडब्ल्यूएस, सर्वेक्षण की तारीख से पहले के सात दिन में निर्धारित गतिविधियों को दर्शाता है। इस सर्वेक्षण से पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए बेरोजगारी दर में कमी का कारण मई, 2025 की तुलना में खुद का काम करने वाले श्रमिकों की हिस्सेदारी में वृद्धि और बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या में कमी है। सर्वेक्षण के मुताबिक, 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर भी पिछले महीने बढ़कर 17.4% हो गई, जबकि मई में यह 16.3% थी, जिसमें ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्र शामिल हैं। शहरों में बेरोजगारी दर भी मई के 24.4%से बढ़कर जून में 25.8% हो गई और गांवों में मई के 13 से बढ़कर पिछले महीने 13.7% हो गई।

15-29 वर्ष की आयु के पुरुषों बढ़ी बेरोजगारी दर

15-29 वर्ष की आयु के पुरुषों में बेरोज़गारी दर मई के 14.5 से बढ़कर जून में 14.7% हो गई। शहरों में यह दर पिछले महीने के 15.8% की तुलना में जून में बढ़कर 16.6% हो गई, जबकि गांवों में बेरोजगारी दर जून के 14 से घटकर 13.8% हो गई। आंकड़ों से पता चला है कि 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों में श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) जून, 2025 के दौरान 54.2% थी, जबकि मई, 2025 के दौरान यह 54.8% थी। ग्रामीण क्षेत्रों में, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों में एलएफपीआर 56.1% थी और शहरी क्षेत्रों में उक्त आयु वर्ग में जून, 2025 के दौरान 50.4% थी। जून, 2025 के दौरान, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों के लिए सीडब्ल्यूएस में एलएफपीआर क्रमशः 78.1 और 75% था, जो मई, 2025 के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए क्रमशः 78.3 और 75.1% था। जून, 2025 में एलएफपीआर और श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) में मामूली गिरावट मुख्य रूप से मौसमी कृषि रुझान, भीषण गर्मी और कुछ अवैतनिक सहायकों के घरेलू कामों की ओर रुख करने से प्रभावित थी।

4 दिन बाद शेयर बाजार में लौटी तेजी

सेंसेक्स 317, निफ्टी 113 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को पिछले चार दिन से जारी गिरावट पर विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 317 अंक चढ़ गया। वहीं एनएसई निफ्टी में 113 अंक की तेजी रही। खुदरा महंगाई दर के छह साल के निचले स्तर पर आने के साथ वाहन और औषधि शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई।

बीएसई का सेंसेक्स 317.45 अंक की बढ़त के साथ 82,570.91 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी 113.50 अंक की बढ़त के साथ 25,195.80 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले, पिछले चार कारोबारी सत्रों में, सेंसेक्स 1,459.05 अंक यानी 1.74% और निफ्टी 440 अंक यानी 1.72% टूटा था। सेंसेक्स की कंपनियों में सन फार्मा, ट्रेंट, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फाइनेंस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, आईटी सेवा कंपनी एचसीएल टेक का शेयर 3.31% के नुकसान में रहा।

जून तिमाही में कंपनी के एकीकृत शुद्ध लाभ में 9.7% की गिरावट आई है, जिससे इसका शेयर नीचे आया। वहीं, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 2.82%

अच्छे मानसून के कारण सब्जियों सहित खाने का सामान सस्ता होने खुदरा मुद्रास्फीति जून में छह साल के निचले स्तर 2.1 प्रतिशत पर आ गई। यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संतोषजनक स्तर (2 से 6%) के करीब है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मई में 2.82% और जून, 2024 में 5.08% थी। पिछले साल नवंबर से मुद्रास्फीति में गिरावट आ रही है। बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.95% चढ़ा जबकि मिडकैप 0.83% के लाभ में रहा। बीएसई के 2,576 शेयरों में तेजी रही जबकि 1,479 में गिरावट दर्ज की गयी। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरावट के साथ बंद हुआ।

फर्जी कॉल्स व साइबर खतरों से बचाने के लिए होगा एआई का प्रयोग: बैंकर्स समिति

लखनऊ, एजेंसी

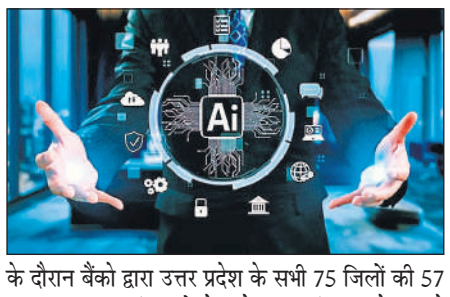

बैंक उपभोक्ताओं खासकर ग्रामीण नागरिकों को साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल ठगी से बचाने को बैंक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की मदद लेंगी। बैंक आफ बड़ौदा के आंचलिक प्रमुख एवं राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उप्र) के संयोजक शैलेन्द्र सिंह ने मंगलवार को बताया कि केंद्र सरकार 1 जुलाई से 30 सितंबर के बीच वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान चला रही है। सरकारी योजनाओं के माध्यम से वित्तीय समावेशन की जानकारी दी जा रही है।

उन्होने बताया कि लोगों को ओटीपी साझा न करना, फिशिंग ईमेल्स, फर्जी कॉल्स व अन्य डिजिटल खतरों के प्रति जागरूक किया जाएगा। एआई की मदद से ग्रामीण नागरिकों के साथ हो रही धोखाधड़ी से बचने के लिए लोगों को जागरुक किया जा रहा है। सिंह ने कहा कि इस अभियान के दौरान बैंको द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों की 57 हजार 702 ग्राम पंचायतों में प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से शून्य शेष राशि पर प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत खाता खोले जा रहे हैं। केवल 436 रुपये प्रति वर्ष के प्रीमियम पर दो लाख के जीवन बीमा के लिए प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा में लोगों का नामांकन किया जा रहा है।

औद्योगिक परिदृश्य सर्वेक्षण आरबीआई ने किया शुरू

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसने कारोबारी धारणा का आकलन करने के लिए भारतीय विनिर्माण क्षेत्र का तिमाही औद्योगिक परिदृश्य सर्वेक्षण शुरू किया है। आरबीआई ने तिमाही सेवा एवं बुनियादी ढांचा परिदृश्य सर्वेक्षण (एसआईओएस) का 46वां दौर भी शुरू किया है। भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के तिमाही बुनियादी ढांचा परिदृश्य सर्वे (आईओएस) का 111वां दौर चालू तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए कारोबारी धारणा और आगामी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के लिए उम्मीद का आकलन करेगा। एसआईओएस का 46वां दौर सेवा और बुनियादी ढांचा क्षेत्र के कारोबारी स्थिति और मांग की स्थिति, वित्तीय स्थिति, रोजगार की स्थिति और मूल्य स्थिति से संबंधित संकेतकों से जुड़े सवालों पर आगामी तिमाही के लिए उनकी अपेक्षाओं का आकलन करेगा।

- **सेवा एवं बुनियादी ढांचा परिदृश्य सर्वेक्षण के 46वें दौर की भी शुरुआत**

6.5% की दर से बढ़ेगा भारत : ईएसी-पीएम

नई दिल्ली, एजेंसी

- **भू-राजनीतिक तनाव व अनिश्चितताओं के बाद भी अर्थव्यवस्था के बढ़ने की उम्मीद**

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने मंगलवार को कहा कि भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार नीति से जुड़ी अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष (2025-26) में 6.5% की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

देव ने कहा कि अच्छे मानसून और नीतिगत ब्याज दर में तीन कटौतियों से मुद्रास्फीति कम रहने से घरेलू वृद्धि को समर्थन मिलेगा। प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार नीति से जुड़ी अनिश्चितताओं के दोहरे झटके जैसी कई वैश्विक चुनौतियां हैं। हालांकि, भारत की अर्थव्यवस्था जुझारू है और यह बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना हुआ है। 2025-26 के पहले दो महीनों के प्रमुख संकेतक घरेलू अर्थव्यवस्था के जुझारू प्रदर्शन का संकेत देते हैं। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 6.5% की दर से बढ़ पाना संभव है। उन्होंने कहा, मजबूत राजकोषीय प्रबंधन के साथ भारत की मध्यम अवधि की वृद्धि संभावनाएं मजबूत प्रतीत होती हैं। बढ़ते सरकारी पूंजीगत व्यय का निजी उपभोग में स्वस्थ वृद्धि के साथ वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) व विश्व बैंक ने अनिश्चित वैश्विक परिवेश और व्यापार तनाव को देखते हुए चालू वित्त वर्ष में भारत के वृद्धि दर अनुमान को घटाकर क्रमशः 6.2 और 6.3% कर दिया है। देव ने कहा कि घरेलू स्तर पर मौजूद कई अनुकूल परिस्थितियां निवेश, उपभोग और निर्यात को बढ़ावा देकर ग्रामीण और शहरी दोनों मांग को बढ़ा सकती हैं।

राष्ट्रीय

लोग किसी को कुछ भी कह देते हैं : सुप्रीम कोर्ट

मोदी, आरएसएस पर आपत्तिजनक कार्टून पर कार्टूनिस्ट को मिला संरक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री मोदी व आरएसएस के आपत्तिजनक कार्टून सोशल मीडिया पर साझा करने के आरोपी कार्टूनिस्ट को मंगलवार को दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण प्रदान किया। शीर्ष अदालत ने सोशल मीडिया पर बढ़ती आपत्तिजनक पोस्ट पर भी चिंता व्यक्त की और अंकुश लगाने को न्यायिक आदेश पारित करने पर बल दिया।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया व अरविंद कुमार की पीठ ने कहा, लोग किसी को भी, कुछ भी कह देते हैं। हमें इस बारे में कुछ करना होगा। पीठ ने कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को मध्य प्रदेश में दर्ज प्राथमिकी के मद्देनजर राज्य की दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण प्रदान किया। मालवीय की वकील वृंदा ग्रोवर ने आश्वासन दिया कि इस मामले में माफी मांग ली गई है। हालांकि, पीठ ने आगाह किया कि अगर कार्टूनिस्ट सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालते रहे, तो राज्य सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने 'एक्स' पर न्यायपालिका के खिलाफ भी मालवीय के कुछ अन्य पोस्ट का जिक्र किया, जिसके बाद पीठ ने कहा, यदि याचिकाकर्ता सोशल मीडिया पर कोई आपत्तिजनक पोस्ट डालते हैं, तो प्रतिवादी राज्य (मध्य प्रदेश) को कानून के अनुसार आगे बढ़ने की स्वतंत्रता होगी। ग्रोवर ने विधि अधिकारी की दलील का विरोध करते हुए कहा, इससे तो समस्याओं का पिटारा खुल जाएगा।

ईडी के अधिकार संबंधी फैसले की मांग पर 31 को सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 2022 के उस फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 31 जुलाई की तारीख तय की, जिसमें पीएमएलए के तहत धन शोधन में शामिल लोगों की गिरफ्तारी और संपत्ति कुर्क करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारों को बरकरार रखा गया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध मामले को 31 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया, जब केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वह उपलब्ध नहीं हैं। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर मामला 31 जुलाई को सूचीबद्ध किया जाता है, तो उन्हें आपत्ति नहीं है। 7 मई को, शीर्ष अदालत ने केंद्र और याचिकाकर्ताओं से उस फैसले को चुनौती देने को लेकर मुद्दे तय करने को कहा, जिसमें आरोपियों की गिरफ्तारी और संपत्ति कुर्क करने की ईडी की शक्तियों को बरकरार रखा गया था।

उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर आज सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट कन्हैया लाल दर्जी हत्याकांड में आरोपियों की उस याचिका पर बुधवार को सुनवाई करेगा, जिसमें मामले पर आधारित फिल्म की रिलीज का विरोध किया गया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जे. बागची की पीठ ने कहा कि उदयपुर फाइल्स: कन्हैया लाल दर्जी मर्डर की रिलीज पर रोक लगाने के दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली फिल्म निर्माताओं की याचिका 16 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। यह फिल्म पिछले हफ्ते 11 जुलाई को रिलीज़ होने वाली थी। शीर्ष अदालत में यह याचिका मोहम्मद जावेद ने दायर की थी, जो आठवें आरोपी के रूप में मुकदमे का सामना कर रहा है।

आप कुत्तों को घर पर खाना क्यों नहीं देते: कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा में आवारा कुत्तों को खाना देने पर परेशान किए जाने का आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए मंगलवार को याचिकाकर्ता से पूछा, आप उन्हें घर में खाना क्यों नहीं देते हैं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, क्या हमें इन बड़े दिलवाले लोगों के लिए हर गली, हर सड़क खुली छोड़ देनी चाहिए? जानवरों के लिए तो जगह है, लेकिन इंसानों के लिए जगह नहीं है। आप उन्हें अपने घर में खाना क्यों नहीं देते? आपको कोई नहीं रोक रहा है।यह याचिका इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मार्च 2025 के आदेश से संबंधित है।

मोदी शासन में औसत मुद्रास्फीति 5.1, संप्रग में 8.1% थी : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

- **नरेन्द्र मोदी की सरकार के महंगाई से निपटने के तरीके की सराहना की**

भाजपा ने नरेन्द्र मोदी की सरकार के महंगाई से निपटने के तरीके की मंगलवार को सराहना की। खुदरा मुद्रास्फीति जून में घटकर छह साल के निचले स्तर 2.1% पर आने के बाद पार्टी ने यह बात कही।

पार्टी के अनुसार, भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शासन में औसत मुद्रास्फीति 5.1% रही है, जबकि कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में यह औसत 8.1% थी। भाजपा के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि जनवरी 2012 से अप्रैल 2014 के बीच जब संप्रग सत्ता में था तब खुदरा मुद्रास्फीति 28 महीनों में से 22 महीनों में नौ प्रतिशत से अधिक रही।

उन्होंने कहा कि यहां तक कि कई बार यह दोहरे अंकों में भी पहुंच गई थी। मालवीय ने एक्स पर लिखा, इसके विपरीत मोदी सरकार ने खुदरा मुद्रास्फीति को अधिकतर 5% से नीचे बनाए रखा और इसे कभी 8% से ऊपर नहीं जाने दिया।

संप्रग के अंतिम तीन साल के कार्यकाल में भारत औसतन 9.8% की खुदरा मुद्रास्फीति से जूझ रहा था। यह इस लिहाज से और खराब थी कि उस समय वैश्विक मुद्रास्फीति अपेक्षाकृत स्थिर तथा 4-5% के बीच थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने सोमवार को बयान में कहा कि सब्जियों, दालों, मांस और दूध सहित खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी से खुदरा महंगाई दर जून में घटकर छह साल से भी अधिक के निचले स्तर 2.1% पर आ गई है।

एक नजर

जम्मू कश्मीर में वाहन खाई में गिरा, 7 की मौत

जम्मू। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में मंगलवार को यात्री वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिरने से एक महिला समेत 7 लोगों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि वाहन में क्षमता से अधिक लोग थे। यह दुर्घटना डोडा शहर से 30 किलोमीटर दूर पोंडा के पास डोडा-भर्थ मार्ग पर हुई।

करंट से झुलसे बच्चे के काटने पड़े हाथ, चार पर केस

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले के गांव में करंट लगने से झुलसे 7 वर्षीय बच्चे के दोनों हाथ काटने पड़े जिसके बाद पुलिस ने बिजली विभाग के उपमंडल अधिकारी (एसडीओ), कनिष्ठ अभियंता (जेई) समेत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। दनकौर थाना क्षेत्र के गांव अच्छेजा बुजुर्ग में 22 मई को हुई घटना के संबंध में सोमवार रात शिकायत दर्ज कराई गई।

बेंगलुरु जा रहे शख्स के बैग से मिला दो कारतूस

जबलपुर। मप्र के जबलपुर स्थित डुमना हवाई अड्डे पर मंगलवार को बेंगलुरु जा रहे यात्री के बैग से दो कारतूस मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। खमरिया पुलिस थाने की प्रभारी सरोजनी टोप्पो ने बताया कि शहडोल जिला के अतीक अहमद को बेंगलुरु जाने के लिए इंडिगो के विमान में सवार होना था। हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान अहमद के बैग से दो कारतूस मिले जिसके बाद उसके खिलफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया।

जांच दोषपूर्ण बताते हुए मृत्युदंड पाए व्यक्ति को सुप्रीम कोर्ट ने किया बरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **डीएनए साक्ष्य प्रबंधन को लेकर जारी किए दिशानिर्देश**

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को हत्या के मामले में मौत की सजा पाए व्यक्ति को बरी कर दिया। इस मामले में फॉरेंसिक साक्ष्यों में खामियों को रेखांकित किया गया और डीएनए नमूनों के प्रबंधन पर देशव्यापी निर्देश जारी किए गए।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संजय करोल और संदीप मेहता की पीठ ने निर्देश दिया कि अब से फॉरेंसिक साक्ष्य वाले ऐसे मामलों में उचित देखभाल के बाद डीएनए नमूने एकत्र किए जाने चाहिए और त्वरित एवं उचित पैकेजिंग सहित सभी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए उनका दस्तावेजीकरण किया जाना चाहिए। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जांच को दोषपूर्ण बताते हुए मामले में एकत्र किए डीएनए साक्ष्यों में कमियों को रेखांकित किया। पीठ मद्रास हाईकोर्ट द्वारा मार्च, 2019 में पारित आदेश के खिलाफ दोषी की अपील पर सुनवाई कर रही थी। हाईकोर्ट ने हत्या और दुष्कर्म में मृत्युदंड की पुष्टि की थी। आदेश में जांच अधिकारी को डीएनए साक्ष्य को संबंधित अस्पताल तक पहुंचाने तथा यह सुनिश्चित करने की बात कही कि नमूने 48 घंटे में फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला तक पहुंच जाएं।

पीड़िता के दावों की जांच को पुलिस ने परिसर की सीसीटीवी फुटेज मांगी

कोलकाता। पुलिस ने छात्रावास के अंदर छात्र द्वारा महिला से दुष्कर्म किए जाने की जांच के तहत मंगलवार को आईआईएम-कलकत्ता के पूरे परिसर की 11 जुलाई की सीसीटीवी फुटेज मांगी। पुलिस को महिला के दावे में विसंगतियां मिलीं और वह यह पता लगाना चाहती है कि पीड़िता ने उस दिन वहां रहने के दौरान संस्थान के किन स्थानों का दौरा किया था। जांचकर्ताओं ने भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) कलकत्ता के अधिकारियों को पत्र लिखकर उन तीन छात्रों से पूछताछ की अनुमति मांगी है जो अपराध के बाद आरोपियों के संपर्क में थे। उन्होंने कहा, हमने पूरे परिसर की 11 जुलाई की सीसीटीवी फुटेज मांगी है। हमें यह देखना है कि पीड़िता परिसर के अंदर किन-किन जगहों पर गई थी।

आईआईएम कलकत्ता दुष्कर्म कांड

अमरनाथ यात्रा

अमरनाथ यात्रा को लेकर सेना और केंद्र व राज्य सरकार काफी सतर्क है, जिसे लेकर सुरक्षा एजेंसियों और सेना ने चौकसी बढ़ा रखी है। इसी क्रम में श्रीनगर के लाल चौक पर मुस्तैदी से खड़े सुरक्षाकर्मी। एजेंसी

अपमानजनक टिप्पणी पर भाजपा नेता अर्जुन सिंह को नोटिस

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपने खिलाफ कथित अपमानजक बयान को लेकर भाजपा नेता और पूर्व सांसद अर्जुन सिंह को कानूनी नोटिस भेजा है। हुड्डा के दो वकीलों के माध्यम से नोटिस दिया गया। इसमें आरोप लगाया गया कि अर्जुन सिंह ने 8 जुलाई को प. बंगाल के उत्तर 24 परगना में हुड्डा के खिलाफ अपमानजनक, झूठी और दुर्भावनापूर्ण टिप्पणी की। नोटिस अनुसार यदि पूर्व सांसद कानूनी मामले से बचना चाहते हैं तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए। आपके निराधार आरोप एक अत्यंत सम्मानित सार्वजनिक हस्ती की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास हैं, जिसने दशकों की समर्पित सार्वजनिक सेवा और अटूट सामाजिक प्रतिबद्धता के माध्यम से लोगों का - विशेष रूप से हरियाणा में - स्थायी विश्वास और प्रशंसा अर्जित की है।

- **कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने लिया कानून का सहारा**

हैदराबाद में भाकपा नेता की हत्या

हैदराबाद। तेलंगाना में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेता की मंगलवार सुबह यहां मलकपेट में अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भाकपा की राज्य परिषद सदस्य के. चंदू नाइक (47) सुबह की सैर पर निकले थे, तभी एक पार्क के पास कार सवार हमलावरों ने उन पर गोलियां चलाईं, जिससे भाकपा नेता की मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पूर्व क्षेत्र) एस चैतन्य कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। कुमार ने कहा कि वारदात को तीन-चार लोगों ने अंजाम दिया है।

ओडिशा : छात्रा की मौत, सीएम बोले- दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

भुवनेश्वर, एजेंसी

- **एम्स के दीक्षांत समारोह में पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मू ने भी की थी पीड़िता से मुलाकात**

एक शिक्षक द्वारा यौन उत्पीड़न किए जाने के मामले में न्याय न मिलने पर आत्मदाह करने वाली छात्रा ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में दम तोड़ दिया। बालासोर के फकीर मोहन (स्वायत्त) महाविद्यालय की बीएड की द्वितीय वर्ष की छात्रा ने तीन दिन तक मौत से लड़ने के बाद सोमवार रात दम तोड़ दिया। शिक्षक पर कार्रवाई नहीं किए जाने से आहत छात्रा ने शनिवार को यह कदम उठाया।

छात्रा की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि सभी दोषियों को कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। छात्रा को पहले बालासोर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था और फिर भुवनेश्वर स्थित एम्स भेज दिया गया। मुख्यमंत्री माझी ने एक्स पर कहा, छात्रा की मृत्यु की खबर से बेहद दुखी हूं। सरकार द्वारा सभी जिम्मेदारियों को निभाने और विशेषज्ञ चिकित्सा दल के अथक प्रयासों के बावजूद, छात्रा को नहीं बचाया जा सका।

भुवनेश्वर स्थित एम्स के पांचवें दीक्षांत समारोह में शामिल होने पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार शाम को बिना किसी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के 'बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी' विभाग का दौरा किया था और छात्रा का हालचाल जाना था।

विपक्ष ने 17 जुलाई को ओडिशा बंद का किया आह्वान

कांग्रेस नीत आठ विपक्षी दलों ने कॉलेज छात्रा की मौत के विरोध में 17 जुलाई को ओडिशा बंद का आह्वान किया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा कि बंद को वाम दलों सहित आठ दलों का समर्थन प्राप्त है। महाविद्यालय में हुई यह घटना दर्शाती है कि राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा करने में नाकाम रही है। दास ने सत्तारूढ़ भाजपा पर हमला करते हुए कहा, छात्रा पेट्रोल लेकर आई और सब देखते रहे। किसी ने कोई कदम नहीं उठाया। छात्रा को न्याय दिलाने के लिए बंद का आह्वान किया गया है।

परिजनों को 20 लाख की अनुग्रह राशि देंगे मुख्यमंत्री माझी

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने आत्मदाह करने वाली छात्रा के परिवार के लिए 20 लाख की अनुग्रह राशि देने की मंगलवार को घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, माझी ने घटना की उचित जांच का निर्देश दिया है। राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने भी छात्रा की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर कहा, महाविद्यालय की छात्रा की मृत्यु की खबर सुनकर स्तब्ध हूं। उसकी मृत्यु सिर्फ घटना नहीं है, यह हमारे परिसरों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की सख्त जरूरत का एक साफ संकेत है। कानून के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं।

एक नजर

मुंबई : गोवा एसेस जेए रेसिंग के मालिक जॉन अब्राहम (दाएं), कोलकाता रॉयल टाइगर्स के मालिक सौरव गांगुली (मध्य) और स्पीड डेमन्स दिल्ली के मालिक अर्जुन कपूर इंडियन रेसिंग फेस्टिवल 2025 के संबंध में जानकारी देते हुए।

स्पिनर डॉसन की आठ साल बाद इंग्लैंड टेस्ट टीम में वापसी

लंदन : बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन ने आठ साल के अंतराल के बाद मंगलवार को इंग्लैंड की टेस्ट टीम में वापसी की। उन्हें भारत के खिलाफ 23 जुलाई से मैनचेस्टर में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच के लिए चोटिल शोएब बशीर की जगह टीम में शामिल किया गया है। तीसरे टेस्ट मैच में भारत की पहली पारी के दौरान अपनी ही गेंद पर क्षेत्ररक्षण करते समय बशीर के बाएं हाथ में फ्रैक्चर हो गया था। चोट के बावजूद बशीर ने भारत की दूसरी पारी में गेंदबाजी की और मोहम्मद सिराज को आउट करके अपनी टीम को जीत दिलाने में मदद की।

'कीबोर्ड योद्धाओं' को चुप कराकर खुश हूं : जोफ्रा आर्चर

लंदन : इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने अपने आलोचकों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि उन्होंने उन 'कीबोर्ड योद्धाओं' को चुप करा दिया जो कई चोटों से उबरने के बाद रिहैबिलिटेशन के दौरान उनके पीछे पड़े थे। 2021 के बाद से अपना पहला टेस्ट खेल रहे आर्चर ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी में भारत की हार का कारण बने। उन्होंने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को शून्य पर आउट किया और फिर ऋषभ पंत और वाशिंगटन सुंदर के विकेट लेकर सोमवार को इंग्लैंड को 22 रन से जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आर्चर ने 'स्काई स्पोर्ट्स' से कहा मुझे लगता है कि मैं (इंग्लैंड की जीत के बाद) थोड़ा भावुक हो गया था। यह सफर काफी लंबा रहा। मैं आपको बता नहीं सकता कि पिछले तीन या चार वर्षों में कितने कीबोर्ड योद्धा मेरे पीछे पड़े हुए थे।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट का तय हुआ खाका

लॉस एंजिल्स : लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक में क्रिकेट की 128 साल बाद बहुप्रतीक्षित वापसी लॉस एंजिल्स से लगभग 50 किलोमीटर दूर पोमेना शहर के फेयरग्राउंड्स स्टेडियम में 12 जुलाई को होगी, जिसमें पदक मैच 20 और 29 जुलाई, 2028 को खेले जाएंगे। पुरुष और महिला वर्ग में कुल छह-छह टीमें और 180 खिलाड़ी ओलंपिक में क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप टी20 में भाग लेंगे। प्रतियोगिता के कार्यक्रम के अनुसार अधिकतर दिन दो मैच खेले जाएंगे जबकि 14 और 21 जुलाई को कोई मैच नहीं होगा। ओलंपिक में इससे पहले केवल एक बार 1900 में पेरिस ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किया गया था। उसमें तब केवल दो टीम ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस ने भाग लिया था। ग्रेट ब्रिटेन ने प्रतियोगिता के एकमात्र मैच में जीत हासिल करके स्वर्ण पदक जीता था। पुरुष और महिला वर्ग में कुल 90 खिलाड़ियों का कोटा आवंटित होने के कारण 12 प्रतिस्पर्धी टीमें 15 सदस्यीय दल की घोषणा कर सकती हैं।

ऋतुपर्णा-श्वेतापर्णा की जोड़ी जापान ओपन बैडमिंटन से बाहर

टोक्यो : ऋतुपर्णा पांडा और श्वेतापर्णा पांडा की भारतीय महिला युगल जोड़ी को मंगलवार को जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में कोकोना इशिकावा और माइको कावाजोई से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी जापान की जोड़ी को कोई टक्कर नहीं दे पायी। इशिकावा और कावाजोई ने मैच की शुरुआत से दबदबा कायम करते हुए महज 32 मिनट में 21-13, 21-7 से एकतरफा जीत हासिल की। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, लक्ष्य सेन और पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी बुधवार को अपने अभियान का आगाज करेंगे।

जडेजा जोखिम उठाकर खेल सकते थे आक्रामक शॉट

रविंद्र जडेजा।

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा को स्पिनर शोएब बशीर के खिलाफ मोहम्मद सिराज को स्ट्राइक देने की जगह खुद जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेलना चाहिए था।

जडेजा के साथ पुछल्ले बल्लेबाजों के संघर्ष से भारत मैच में वापसी करने में काफी हद तक सफल रहा लेकिन उसे 22 रन से शिकस्त का सामना करना पड़ा। कुंबले को इस मैच ने चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट की याद दिला दी जिसमें सचिन तेंदुलकर ने पीठ दर्द के बावजूद 136 रन की पारी खेली, लेकिन भारतीय टीम को 12 रन से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में ऑफ स्पिनर सकलैन मुश्ताक

● अनिल कुंबले ने जीत के करीब पहुंचकर हार पर जताई निराशा

द्वारा जवागल श्रीनाथ का आउट होना सोमवार को सिराज के स्टंप्स की गिल्लियों को गिराने वाली गेंद के समान था। चेन्नई में जनवरी 1999 में खेले गए उस टेस्ट मैच में टीम का हिस्सा रहे कुंबले ने 'जियोहॉटस्टार' पर कहा मुझे इस मैच को देखकर चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया टेस्ट मैच याद आ गया। इसमें हम 12 रन से हार गए थे। (सिराज का आउट होना) कुछ वैसा ही था। टीम लक्ष्य से सिर्फ 22 रन दूर थी।

जडेजा एक छोर पर बस खड़े रहे। मेरा मतलब है, वह भारत को जीत के इतने करीब लाने की योजना में सफल रहे, लेकिन इंग्लैंड ने कोई ढिलाई नहीं बरती। जडेजा ज्यादातर ओवर की चौथी या पांचवीं गेंद पर एक रन चुरा रहे थे, लेकिन कुंबले का मानना है कि उन्हें कम गति के गेंदबाजों के खिलाफ जोखिम उठाना चाहिए था। कुंबले ने कहा उन्हें उन गेंदबाजों का चयन करना चाहिए थे जिसके खिलाफ वह आक्रामक रूख अपना सकते थे। क्रिस वोक्स, जो रूट और बशीर ऐसे गेंदबाज थे। बशीर और रूट भले ही ऑफ स्पिनर है लेकिन उनकी गेंद बहुत ज्यादा टर्न नहीं ले रही थी। उन्होंने कहा अगर किसी को जोखिम उठाना था तो वह जडेजा ही थे जिन्हें ऐसा करना चाहिए था। उन्होंने बुमराह और सिराज के साथ बल्लेबाजी के दौरान अपने पास ज्यादा स्ट्राइक रखकर अच्छा काम किया लेकिन सिराज को बशीर का पूरा ओवर खेलने के लिए देना जोखिम भरा था। उन्हें इसकी जगह खुद ही आक्रामक रुख अपनाना चाहिए थे।

कुंबले ने जडेजा की नाबाद 61 रन की जुझारू पारी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने जीत के लिए 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को 170 रन पहुंचा कर लगभग चमत्कार कर दिया था। कुंबले ने कहा वह पूरे समय बेहतरीन रहे। वह दिन के छठे ओवर में ही बल्लेबाजी के लिए आ गये थे और आखिर तक नाबाद रहे। बुमराह और सिराज के साथ 82 पर 7 विकेट गिरने के बाद स्कोर को दोगुना करना अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा उनकी बल्लेबाजी देखकर टीम के अन्य बल्लेबाज खुद के प्रदर्शन से निराश होंगे। भारत को दोनों पारियों में लगभग 65 अतिरिक्त रन देना भी भारी पड़ा। यह चर्चा का एक बड़ा विषय होगा। कुंबले ने कहा कि जोफ्रा आर्चर की गेंद कंधे पर लगने से सिराज थोड़े असहज हो गये और उनका ध्यान थोड़ा भंग हो गया।

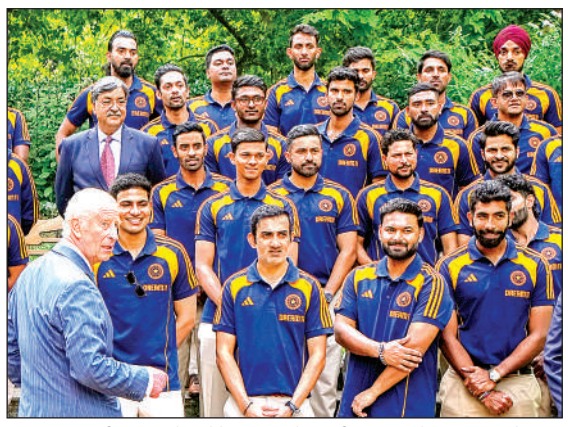

किंग चार्ल्स तृतीय लंदन के क्लेरेंस हाउस में भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीम के सदस्यों के साथ मुलाकात करते हुए। ● एजेंसी

किंग चार्ल्स तृतीय ने गिल से पूछा

आखिरी बल्लेबाज के आउट होने पर आपको कैसा महसूस हुआ था

लंदन : किंग चार्ल्स तृतीय ने मंगलवार को क्लेरेंस हाउस के बगीचे में भारत की पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों से मुलाकात के दौरान मोहम्मद सिराज के आउट होने को 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार दिया लेकिन इसके बारे में भारतीय कप्तान शुभमन गिल से पूछे बिना नहीं रह सके। ब्रिटेन के 76 वर्षीय महाराजा ने भारतीय क्रिकेटरों के साथ इस खेल को लेकर काफी समय तक चर्चा की। गिल ने उनसे टीम की मुलाकात को अद्भुत करार दिया। भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी और उप उच्चायुक्त सुजीत घोष के साथ कांग्रेस राज्यसभा सांसद एवं बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला तथा सचिव देवजीत सैकिया इस दौरान वहां मौजूद थे। गिल ने मुलाकात के बाद कहा यह अद्भुत था। मुझे लगता है कि वह (किंग चार्ल्स) बहुत दयालु और उदार हैं। हमारी उन से बहुत अच्छी बातचीत हुई। भारत को सोमवार को लॉर्ड्स मैदान पर शृंखला के रोमांचक तीसरे टेस्ट मैच में 22 रन से हार का सामना करना पड़ा। भारत के आखिरी बल्लेबाज मोहम्मद सिराज थोड़े दुर्भाग्यशाली रहे कि शोएब बशीर की गेंद उनके बल्ले का किनारा लेने के बाद धीरे से विकेट से टकराई और फिर गिल्लियां गिर गयी। गिल ने कहा उन्होंने (किंग चार्ल्स) हमें बताया कि हमारे आखिरी बल्लेबाज के आउट होने का तरीका काफी दुर्भाग्यपूर्ण था, गेंद लुढ़कती हुई विकेट पर लग गई। वह हमसे बस पूछ रहे थे उसके बाद आपको कैसा महसूस हुआ? और हमने उन्हें बताया कि यह हमारे लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण मैच था। उम्मीद है कि अगले दोनों मैचों में हमें किस्मत का अच्छा साथ मिलेगा। गिल ने कहा कि भारतीय टीम जब भी इंग्लैंड में खेलती है, उसे प्रवासियों भारतीय से जबरदस्त समर्थन मिलता है।

पंत का रन आउट होना निर्णायक पल था : गिल

लंदन : भारत के कप्तान शुभमन गिल ने लॉर्ड्स टेस्ट के रोमांचक आखिरी दिन सोमवार को अपनी टीम की जुझारू कोशिशों पर गर्व जताया। लेकिन साथ ही कहा कि चौथे दिन लंच से ठीक पहले हुए पंत का रनआउट होना मैच का टर्निंग प्वाइंट था। लंच से ठीक पहले जब भारत का स्कोर 82 पर 7 हो गया था, तब लगा कि मैच जल्दी खत्म हो जाएगा। लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाजों ने डटकर मुकाबला किया और मैच को आखिरी सत्र तक ले गए। अंतत : भारत 170 रन पर ऑल आउट हो गया और 22 रन से हार गया। गिल ने पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में कहा मैं बेहद गर्व महसूस कर रहा हूं। कोई भी टेस्ट मैच इससे ज्यादा करीबी नहीं हो सकता। पांच दिन तक कड़ा मुकाबला चला, जिसका फैसला आखिरी सत्र और आखिरी विकेट गिरने के बाद आया। हमारी टीम ने इस मैच में जिस तरह का जुझारूपन दिखाया, उससे मैं बहुत खुश हूं।

गिल तकनीकी रूप से उतने मजबूत नहीं दिखे : वॉन

लंदन : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा कि भारतीय कप्तान शुभमन गिल तीसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरे तो वह तकनीकी रूप से मजबूत नहीं दिखे और उन्होंने धैर्य की कमी भी नजर आई। शुभमन गिल ने शृंखला के पहले दो टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने हेडिंग्ले में पहले टेस्ट में शतक बनाया और फिर बर्मिंघम में शतक और दोहरा शतक जड़कर कई रिकॉर्ड तोड़े।

भारत को लॉर्ड्स टेस्ट जीतना चाहिए था : गांगुली

मुंबई : पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारत की हार पर निराशा व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि इस टीम में असाधारण प्रतिभा होने के बावजूद उसे गलत नतीजे का सामना करना पड़ा। गांगुली का मानना है कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का बेहतर प्रदर्शन भारत को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की शृंखला में बढ़त दिला देता। भारतीय टीम तीसरे टेस्ट में जीत के लिए 193 रन का पीछा करते हुए लक्ष्य से 22 रन दूर रह गयी।

इस हार के साथ ही टीम पांच मैचों की शृंखला में 1-2 से पिछड़ गयी। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के बाद रविंद्र जडेजा (नाबाद 61) की अगुवाई में निचले क्रम के बल्लेबाजों से जिस तरह का संघर्ष दिखाया वह काबिले तारीफ था। गंगुली ने इंडियन रेसिंग लीग और एफ 4 इंडिया चैम्पियनशिप कार्यक्रम के इतर कहा इस शृंखला में भारत के बल्लेबाजी के तरीके से थोड़ी निराशा हुई, उन्हें यह 190 रन बनाने चाहिए थे। उन्होंने कहा जब आप जडेजा को इस तरह से संघर्ष करते हुए देखते है तो मुझे लगता है कि इस टीम में जो प्रतिभा है उससे खिलाड़ी मुझसे ज्यादा निराश होंगे। यह इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला में 2-1 की बढ़त लेने का मौका था।

आक्रामक बल्लेबाज शेफाली टी20 रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंची

दुबई, एजेंसी

भारत की आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा मंगलवार को जारी आईसीसी महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रही। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला में 158.56 के स्ट्राइक रेट से 176 रन बनाने वाली शेफाली इस रैंकिंग में 655 अंकों के साथ चार स्थान की छलांग लगाकर नौवें स्थान पर पहुंच गई है।

उप-कप्तान स्मृति मंधाना तीसरे नंबर के साथ इस सूची में शीर्ष भारतीय खिलाड़ी है। मध्यक्रम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान नीचे 14वें स्थान पर खिसक गयी। भारत की ऐतिहासिक 3-2 से शृंखला जीत में अहम योगदान देने वाली अरुंधति रेड्डी गेंदबाजी रैंकिंग में चार स्थान की सुधार के साथ 39वें स्थान पर और हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में 26 स्थान की छलांग लगाकर 80वें स्थान पर पहुंच गयी। अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा को गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह तीसरे पायदान पर खिसक गयी है। राधा यादव तीन पायदान के सुधार के साथ रैंकिंग में 15वें स्थान पर है। इस रैंकिंग में शृंखला गंवाने वाली इंग्लैंड की टीम के कई खिलाड़ियों को रैंकिंग में फायदा हुआ है। शृंखला के आखिरी मैच में 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार हासिल करने वाली स्पिनर चार्ली डीन रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रही।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 27 रनों पर ढेर किया

किंग्स्टन (जमैका), एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क 400वां विकेट हासिल करने के बाद जश्न मनाते हुए।

● सीरीज 3-0 से जीती, मिशेल स्टार्क ने नौ रन देकर झटके छह विकेट

मिशेल स्टार्क ने नौ रन देकर छह विकेट लिए और स्कॉट बोलैंड ने हैट्रिक ली जिससे ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को टेस्ट क्रिकेट के दूसरे न्यूनतम स्कोर 27 रनों पर आउट कर दिया तथा तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच 176 रनों से जीत कर शृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

वेस्टइंडीज पर एक समय टेस्ट क्रिकेट में न्यूनतम स्कोर पर आउट होने का खतरा मंडरा रहा था लेकिन खराब फील्डिंग का फायदा उठाकर वह न्यूजीलैंड के 26 रनों के विश्व रिकॉर्ड से एक रन आगे निकलने में सफल रहा। अपना 100वां टेस्ट मैच खेल रहे स्टार्क ने अपनी पहली 15 गेंद पर पांच विकेट लिए जो टेस्ट इतिहास में सबसे तेज पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने करियर में 15वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट लिए। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने इस दौरान टेस्ट क्रिकेट में 400 विकेट भी पूरे किए। उन्होंने वेस्टइंडीज़ की दूसरी पारी की पहली ही गेंद पर एक विकेट और पहले ही ओवर में तीन विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया को सबीना पार्क में पहले दिन-रात्रि टेस्ट में 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरे वेस्टइंडीज को हराने और श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप करने में केवल 14.3 ओवर लगे।

यह मैच केवल ढाई दिन में समाप्त हो गया। वेस्टइंडीज के शीर्ष छह बल्लेबाजों ने कुल मिलाकर केवल छह रन बनाए। उसके सात बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाए। उसकी तरफ से जस्टिन ग्रीव्स ने सर्वाधिक 11 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने पहला टेस्ट मैच 159 रनों और दूसरा टेस्ट मैच 133 रनों से जीता था और इस तरह से फ्रैंक वारेल ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखी। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए स्टार्क ने कहा यह शानदार श्रृंखला रही। पूरे मैच में बल्लेबाजों के लिए हालत बहुत अच्छे नहीं रहे। ऐसी परिस्थितियों में दूधिया रोशनी में सख्त गुलाबी गेंद से खेलना आसान नहीं होता लेकिन हमें विश्वास नहीं था कि मैच इतनी जल्दी खत्म हो जाएगा। स्टार्क ने लगातार गेंदों पर केवलन एंडरसन और ब्रैंडन किंग को आउट किया लेकिन उन्होंने हैट्रिक का मौका गंवा दिया।

प्रतिबद्धता और जज्बे की अद्भुत मिसाल थे फौजा सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी

● 114 वर्ष की उम्र में वाहन की टक्कर से हो गया है निधन

● 89 वर्ष की उम्र में मैराथन दौड़ना किया था शुरू

वर्ष 2016 में मुंबई में जॉगिंग करते हुए फौजा सिंह। ● एजेंसी (फाइल फोटो)

पुरानी कहावत है कि दोबारा शुरुआत करने में कभी देर नहीं होती और अगर कभी इस बात के प्रमाण की जरूरत पड़े तो एक बार फौजा सिंह के जीवन पर गौर कर लेना जिन्होंने प्रतिबद्धता और जज्बे की अद्भुत मिसाल पेश की। फौजा सिंह ने 89 वर्ष की उम्र में मैराथन दौड़नी शुरू की और फिर दुनिया भर में अपने जोश और जज्बे का डंका जमाया। उनका सोमवार को 114 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनकी उम्र के बावजूद, यह एक दिल दहला देने वाला अचानक अंत था। वह जालंधर स्थित अपने पैतृक गांव ब्यास पिंड में टहलने निकले थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

फौजा सिंह ने अपने जीवन में कई मुश्किलों का सामना किया। वह जब मैराथन धावक बने तो उन्होंने अपने करियर का एक बड़ा हिस्सा ब्रिटेन में बिताया, लेकिन संन्यास लेने के बाद तीन साल पहले वह अपने गांव लौट आए थे। उनकी जीवनी 'द टर्बन्ड टॉरनेडो' के लेखक खुशवंत सिंह ने कहा हम हमेशा उनसे कहते थे कि भारत में दौड़ने वाले उनकी उम्र के व्यक्ति को हमेशा टक्कर लगने का खतरा बना रहता है, क्योंकि यहां वाहन चलाने का तरीका बहुत लापरवाही वाला है। दुर्भाग्यवश आखिर में ऐसा ही हुआ। फौजा की असली कहानी तब शुरू हुई जब ज्यादातर लोगों के लिए समय धीमा पड़ जाता है, खासकर उन लोगों के लिए जो जिंदगी की कई त्रासदियों से जूझ चुके हैं। वह भी जीवन के इन थपेड़ों से जूझ रहे थे।

फौजा सिंह 90 के दशक के मध्य में अपने छोटे बेटे की मौत से काफी व्यथित हो गए थे। इसके बाद जब उनकी पत्नी और बेटी का भी निधन हो गया तो उन्हें इंग्लैंड के एसेक्स में एक स्थानीय क्लब में दौड़ने से सांत्वना मिली। खुशवंत ने बताया गांव वालों ने उनके एक बेटे से कहा कि वह उन्हें ब्रिटेन ले जाए, क्योंकि वह श्मशान घाट जाते रहते थे और घंटों वहीं बैठे रहते थे। इसलिए वह इलफोर्ड (पूर्वी लंदन का एक शहर) चले गए। फौजा सिंह ने वहां पहुंचने के बाद ही दौड़ना शुरू किया। इसके बाद वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर के धावक बन गए और उन्होंने अपने दमखम और जज्बे से दुनिया भर के लोगों को हैरान कर दिया। उन्होंने लंदन, न्यूयॉर्क और हांगकांग की प्रसिद्ध मैराथनों सहित अन्य मैराथनों में भाग लिया और कमजोर पैरों के साथ पैदा हुए 90 वर्ष से अधिक उम्र के इस व्यक्ति ने इस दौरान कुछ अच्छा समय भी निकाला जिससे पेशेवर धावक भी हैरान थे।

मैराथन से कमाए हर पैसे को कर देते थे दान

फौजा सिंह ने कहा वह ऐसे व्यक्ति थे जिनमें कोई लालच नहीं था। मैराथन दौड़कर कमाए गए हर एक पैसे को वह दान में देते थे। जब वह प्रसिद्ध हो गए, तो लोग गुरुद्वारों में भी उनके पास पैसे देने आते थे, लेकिन वह तुरंत ही उस धनराशि को वहां के दानपात्रों में डाल देते थे। एक सच्चे, बड़े दिल वाले रूमानी पंजाबी की तरह, फौजा को अपनी पिन्नियां (घी, आटे और गुड़ से बनी मीठी गोलियां जिन पर सूखे मेवे लगे होते हैं) और मैकडॉनल्ड्स से कभी-कभार मिलने वाला स्ट्रॉबेरी शेक बहुत पसंद था। लेकिन वह एक अनुशासित धावक भी थे जो दौड़ से पहले कड़ा अभ्यास करते थे। उनकी सबसे यादगार दौड़ में से एक 2011 की थी जब वह 100 वर्ष के हो गए थे। टोरंटो में आयोजित आमंत्रण प्रतियोगिता का नाम उनके सम्मान में रखा गया था।

महिला विश्व कप से पहले इंग्लैंड और न्यूजीलैंड से अभ्यास मैच खेलेगा भारत

दुबई, एजेंसी

भारत इस साल सितंबर-अक्टूबर में अपनी और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले महिला एकदिवसीय विश्व कप से पहले बेंगलुरु में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा। पाकिस्तान अपने अभ्यास मैच और विश्व कप मैच दोनों श्रीलंका में खेलेगा। यह बीसीसीआई और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आपसी सहमति से तय किया है। भारत 25 सितंबर को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एक मैदान पर पहले अभ्यास मैच में इंग्लैंड से भिड़ेगा और 30 सितंबर को चिन्नास्वामी स्टेडियम में टूर्नामेंट शुरू होने से तीन दिन पहले 27 सितंबर को न्यूजीलैंड से उसी स्थान पर खेलेगा। पाकिस्तान 25 और 28 सितंबर को कोलंबो के कोलंबो क्रिकेट क्लब में क्रमशः श्रीलंका और श्रीलंका 'ए' टीम के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा। आईसीसी ने कहा 25 से 28 सितंबर तक एम चिन्नास्वामी स्टेडियम, बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एक मैदान (दोनों बेंगलुरु), आर प्रेमदासा स्टेडियम और कोलंबो क्रिकेट क्लब (दोनों कोलंबो) में कुल नौ दिन-रात्रि मैच खेले जाएंगे।

अभ्यास मैचों का कार्यक्रम

25 सितंबर : भारत बनाम इंग्लैंड, बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान। दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम। श्रीलंका बनाम पाकिस्तान, कोलंबो क्रिकेट क्लब। बांग्लादेश बनाम श्रीलंका 'ए', आर प्रेमदासा स्टेडियम।

27 सितंबर : ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान। भारत बनाम न्यूजीलैंड, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम। श्रीलंका बनाम बांग्लादेश, कोलंबो क्रिकेट क्लब।

28 सितंबर : दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत 'ए', बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान पाकिस्तान बनाम श्रीलंका 'ए', कोलंबो क्रिकेट क्लब।

यहां होगा विश्व कप

एकदिवसीय विश्व कप की 12 साल बाद उपमहाद्वीप में वापसी हो रही है। यह टूर्नामेंट 30 सितंबर से दो नवंबर तक पांच स्थानों - एम चिन्नास्वामी स्टेडियम (बेंगलुरु), एसीए स्टेडियम (गुवाहाटी), होल्कर स्टेडियम (इंदौर), एसीए-वीडीसीए स्टेडियम (विशाखापत्तनम) और आर प्रेमदासा स्टेडियम (कोलंबो) में खेला जाएगा।

ऑर्थोडॉक्स पार्टी गठबंधन से अलग, नेतन्याहू को झटका

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गठबंधन सरकार में प्रमुख सहयोगी दल रहे अति-रूढ़िवादी दल ने मंगलवार को कहा कि वह गठबंधन सरकार छोड़ रही है। अति-रूढ़िवादी दल की इस घोषणा को गाजा में युद्ध के निर्णायक समय में इजराइली नेता के शासन को अस्थिर करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

यूनाइटेड टोरा जूडिज्म नामक पार्टी के दो गुटों ने कहा कि वे एक कानून पर असहमति के कारण सरकार पर निशाना साध रहे हैं। यह कानून अपने सदस्यों के लिए व्यापक सैन्य मसौदा छूट को संहिताबद्ध करेगा। इन दलों के सदस्यों में से कई लोग सेना में भर्ती होने के बजाय यहूदी ग्रंथों का अध्ययन

● गाजा में युद्ध के निर्णायक दौर में सरकार अस्थिर होने की आशंका

करते हैं। इस मुद्दे ने यहूदी इजराइलियों को विभाजित कर रखा है, जिनमें से अधिकांश को सेना में भर्ती होने की आवश्यकता होती है। इजराइलियों में यह दरार तब से और गहरी होती जा रही है, जब से गाजा में युद्ध शुरू हुआ है और सैनिकों की मांग लगातार बढ़ रही है। इजराइल की राजनीति में लंबे समय से 'किंगमेकर' की भूमिका निभाने वाली पार्टी के जाने से नेतन्याहू को तत्काल कोई खतरा नहीं है।

आग्रहः सत्यजीत रे का पैतृक आवास न ढहाए बांग्लादेश

नई दिल्ली। भारत ने बांग्लादेश से प्रख्यात फिल्म निर्माता सत्यजीत रे की पैतृक संपत्ति को ध्वस्त करने के उसके फैसले पर पुनर्विचार का अनुरोध किया और इस प्रतिष्ठित इमारत के बांग्ला सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक होने के कारण इसे संरक्षित करने में मदद की पेशकश की।

भारत ने मैमनसिंह में स्थित इस इमारत को ध्वस्त करने के कदम को बहुत दुखदायी बताते हुए बांग्लादेश से इसे दोनों देशों की साझा संस्कृति के प्रतीक संग्रहालय में परिवर्तित करने का आग्रह किया और इसके लिए सहयोग देने का वादा किया। यह प्रतिष्ठित इमारत फिल्म निर्माता के दादा उपेंद्र किशोर रे चौधरी की थी जो एक प्रसिद्ध साहित्यकार भी थे।

मुस्लिम देशों में शरीया कानून का हिस्सा है

ब्लड मनी परंपरा

केरल की नर्स निमिषा को यमन में फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद इस इस्लामी देश की 'ब्लड मनी' नाम की वह परंपरा भी चर्चा में आई है जो पैसों के बदले मौत की सजा माफ कर देती है। ब्लड मनी को अरबी में दिया कहा जाता है और यह परंपरा उन कई और मुस्लिम देशों में लागू है जहां इस्लामी शरीया कानून का प्रभाव है। इस पारंपरिक कानून के तहत अगर कोई व्यक्ति किसी की हत्या का गुनहगार है तो वह मृतक के परिवार को मुआवजा देकर सजा में छूट या माफी हासिल कर सकता है।

इन देशों में भी ब्लड मनी जैसा कानून

सऊदी अरब : दिया यानी ब्लड मनी यहां शरीया कानून के अनुसार लागू है। हत्या, दुर्घटना और मेडिकल लापरवाही में भी ब्लड मनी दी जा सकती है। पीड़ित परिवार चाहे तो ब्लड मनी लेकर दोषी को माफ कर सकता है और इससे फांसी की सजा रुक सकती है।

ईरान : ईरान की इस्लामी दंड संहिता में ब्लड मनी को मान्यता है। अब तक यहां महिला और पुरुष की ब्लड मनी में अंतर होता था लेकिन अब इसे बराबरी की ओर लाया जा रहा है। विदेशी नागरिकों को भी कुछ मामलों में इसका फायदा या नुकसान झेलना पड़ता है।

पाकिस्तान : पाकिस्तान में सन् 1990 के दशक में दिया और किसास कानून लागू किए गए। ये कानूनी दंड संहिता से हटकर शरीया आधारित है। इसमें पीड़ित के परिवार को मुआवजा लेकर दोषी व्यक्ति को माफ करने का अधिकार है। अदालत इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं करती।

संयुक्त अरब अमीरात : यूएई में भी शरीया कानून दिया लागू है। अफगानिस्तान, सूडान, नाइजीरिया समेत कई और देशों में आंशिक या पूर्ण रूप से दिया लागू है, वहां भी पीड़ित परिवार को सजा माफ करने का अधिकार है।

समर्थन

ब्लड मनी परंपरा इस्लामी न्याय प्रणाली का हिस्सा है। इससे पीड़ित के परिवार को कुछ राहत मिलती है, साथ ही बदले की भावना को रोकने में मदद मिलती है।

आलोचना

अमीर अपराधियों को बच निकलने का मौका मिलता है और न्यायिक समानता पर सवाल उठते हैं। इसके अलावा गरीब पैसे के अभाव में न्याय नहीं दिला पाते।

पश्चिमी देश

पश्चिमी देशों में सीधे तौर पर ब्लड मनी जैसा शरीया आधारित सिस्टम नहीं है, लेकिन वहां सिविल सूट और मुआवजा/क्षतिपूर्ति की व्यवस्था होती है।

ब्लड मनी के चर्चित केस

- उत्तर प्रदेश के रईस खान को सऊदी अरब में एक पाकिस्तानी नागरिक की हत्या के मामले में फांसी की सजा सुनाई गई थी। भारतीय सामाजिक संगठनों और परिवार ने मृतक के परिवार को लगभग 30 लाख रुपये ब्लड मनी देकर माफी दिलवा दी।
- एक अमीर व्यवसायी के बेटे शाहरुख जटोई ने कराची में युवा छात्र शाहजेब खान की हत्या कर दी थी। जनता में भारी गुस्सा फैला मगर शाहजेब के परिवार ने शाहरुख से ब्लड मनी लेकर उसे माफ कर दिया। लोगों ने इसे पैसे वालों का न्याय तंत्र से खिलवाड़ कहा।
- पंजाब के नवदीप पर 2019 में एक साथी भारतीय की हत्या का आरोप लगा। सऊदी कोर्ट ने उसे फांसी की सजा सुनाई। लेकिन एनजीओ और गुरुद्वारों की मदद से करीब 1 करोड़ रुपये की ब्लड मनी दिए जाने के बाद मृतक के परिवार ने उसे माफ कर दिया।

एक नजर

दिग्गज अभिनेता-निर्माता धीरज कुमार का निधन

मुंबई। मनोज कुमार की फिल्म 'रोटी कपड़ा और मकान' में अभिनय करने और हिट टेलीविजन शो 'ओम नमः शिवाय' और 'अदालत' के निर्माण के लिए पहचाने जाने वाले दिग्गज अभिनेता-निर्माता धीरज कुमार का यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। उनके एक पारिवारिक मित्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वह 79 वर्ष के थे। कुमार निमोनिया से गंभीर रूप से पीड़ित थे और उन्हें कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल की गहन चिकित्सा यूनिट में भर्ती कराया गया था।

छत्तीसगढ़: 30 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेश के 30 नागरिकों को उनके देश वापस भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार से इन लोगों को निर्वासित करने की अनुमति मिलने के बाद राज्य सरकार और रायपुर पुलिस ने मंगलवार को 30 बांग्लादेशी नागरिकों को रायपुर हवाईअड्डे से विमान के जरिए गुवाहाटी भेजा गया। घुसपैठियों को रायपुर पुलिस बीएसएफ को सौंपेगी फिर असम से बंगलादेश सीमा पर बीएसएफ के जरिए निर्वासन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

गजनी में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या

काबुल। अफगानिस्तान के गजनी प्रांत में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने एक ही परिवार के पांच लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। प्रांतीय सरकार के एक प्रवक्ता ने सोमवार रात को यह जानकारी दी। गजनी के गवर्नर के प्रवक्ता एजातुल्लाह सईदी ने बताया कि यह घटना कारा बाग ज़िले के तोलाखैल इलाके में हुई। यहां एक घर में हमलावर घुस आए और गोलीबारी शुरू कर दी जिससे परिवार के पांच सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। इस मामले में कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

सिन्हा सीएम अब्दुल्ला से दुर्व्यवहार पर माफी मांगें

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उप मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने प्रदेश की पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ की गई धक्कामुक्की के लिए उप राज्यपाल मनोज सिन्हा से माफी मांगने की मांग की है। चौधरी ने कहा कि जुलाई 1931 के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए जाते समय निर्वाचित मुख्यमंत्री के साथ दुर्व्यवहार लोकतंत्र और जनता द्वारा दिए गए जनादेश का अपमान है। चौधरी ने कहा, उमर अब्दुल्ला सिर्फ मेरे नेता नहीं हैं, बल्कि जम्मू-कश्मीर के निर्वाचित मुख्यमंत्री हैं। यह सिर्फ़ उमर साहब का अपमान नहीं था। यह जम्मू-कश्मीर और पूरे देश में लोकतंत्र का अपमान था।

आतंकवाद से निपटने के अपने उद्देश्य पर कायम रहे एससीओ

जयशंकर ने एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में किया पहलगाम हमले का जिक्र

तियानजिन, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत की कार्रवाई को उचित ठहराते हुए मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन में कहा कि समूह को आतंकवाद और चरमपंथ से निपटने के अपने स्थापना उद्देश्य पर कायम रहना चाहिए और इन चुनौतियों से निपटने में कोई समझौता नहीं करने वाला रुख अपनाना चाहिए।

पाकिस्तान, चीन और अन्य एससीओ सदस्य देशों के अपने समकक्षों की उपस्थिति में जयशंकर ने कहा कि पहलगाम हमला जम्मू-कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और धार्मिक विभाजन पैदा करने की साजिश के तहत किया गया था। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद का सामना करने के लिए अपनी प्रतिक्रिया में दृढ़ रहेगा। चीन के शहर तियानजिन में एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते

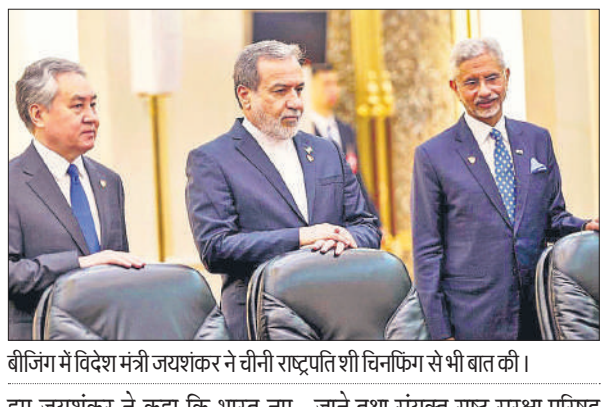

बीजिंग में विदेश मंत्री जयशंकर ने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से भी बात की।

हुए जयशंकर ने कहा कि भारत नए विचारों और प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख अपनाता रहेगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह का सहयोग परस्पर सम्मान, संप्रभु समानता और सदस्य देशों की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के अनुरूप होना चाहिए। यह टिप्पणी चीन की वृहद कनेक्टिविटी परियोजना ''बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव'' (बीआरआई) की बढ़ती वैश्विक आलोचना की पृष्ठभूमि में आई है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान चीन द्वारा पाकिस्तान को सहयोग दिए जाने तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान के आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने के प्रयासों में चीन द्वारा बाधा डाले जाने के मामलों को लेकर भारत में चिंता के बीच, विदेश मंत्री ने एससीओ से आतंकवाद से निपटने में 'कोई समझौता नहीं करने वाला' रुख अपनाने का आह्वान किया। जयशंकर ने संघर्ष, प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ आर्थिक अस्थिरता पर भी चिंता जताई और वैश्विक व्यवस्था को स्थिर करने तथा दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

पहलगाम हमले के जवाब में जो किया, वैसा ही करते रहेंगे

विदेश मंत्री के संबोधन का मुख्य केंद्रबिंदु आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने का उनका आह्वान था। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम हमले की निंदा की है और इस निंदनीय कृत्य के दोषियों, इसके पीछे जिम्मेदार लोगों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को पकड़कर उन्हें न्याय के कठघरे में लाने की आवश्यकता पर बल दिया है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने बिल्कुल यही किया और वह ऐसा करता रहेगा। जयशंकर ने कहा, "एससीओ की स्थापना जिन तीन बुराइयों से निपटने के लिए की गई थी, वे हैं आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि ये अक्सर एक साथ घटित होती हैं। विदेश मंत्री ने समूह से अफगानिस्तान को विकास सहायता बढ़ाने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान लंबे समय से एससीओ के एजेंडे में रहा है।

दुनिया के 1.4 करोड़ बच्चों को नहीं लगा एक भी टीका, आधे भारत समेत 9 देशों के

लंदन। दुनियाभर में पिछले साल 1.4 करोड़ से अधिक बच्चों को एक भी टीका नहीं लगा जो 2023 की संख्या के लगभग बराबर है। इन बच्चों में से आधे से ज्यादा भारत समेत नौ देशों से हैं। संयुक्त राष्ट्र के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

वैश्विक टीकाकरण के संबंध में मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ ने बताया कि 2024 में एक वर्ष से कम उम्र के लगभग 89 प्रतिशत बच्चों को डिप्थीरिया, टेटनस और काली खांसी के टीके की पहली खुराक मिली जो 2023 के बराबर है। इसने कहा कि लगभग 85 प्रतिशत बच्चों ने ही इन टीकों की तीनों खुराक लीं, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 84 प्रतिशत था। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा कि टीकाकरण अब भी आसान नहीं है और संघर्ष व मानवीय संकटों के कारण टीकाकरण में हुई प्रगति तुरंत ही कमजोर पड़ने लग जाती है।

● संयुक्त राष्ट्र के स्वास्थ्य अधिकारियों ने जारी की 2024 की रिपोर्ट

एनएचएआई के दो उप प्रबंधकों समेत पांच लोग रिश्वतखोरी में गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

सीबीआई ने एनएचएआई के विवाद समाधान बोर्ड के एक सदस्य और राजमार्ग प्राधिकरण के दो उप प्रबंधकों को निजी अवसंरचना कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए कथित तौर पर रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

एजेंसी ने झारखंड में एक राजमार्ग परियोजना के संबंध में 10 लाख रुपये से अधिक की रिश्वत लेने के मामले में विवाद समाधान बोर्ड सदस्य के रूप में तैनात पूर्व इंजीनियर राकेश भसीन और एनएचएआई के उप प्रबंधक स्वतंत्र गौरव और विश्वजीत सिंह को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने इस मामले में भारत वाणिज्य ईस्टर्न प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) मनीष मिश्रा और उनके कर्मचारी उमेश माथुर को भी गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि दिनेशचंद्र आर अग्रवाल इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड को झारखंड में भोगू और सांखा के बीच एक राजमार्ग को चार लेन का बनाने के लिए एनएचएआई का 818 करोड़ रुपये का अनुबंध मिला था। कंपनी ने इस परियोजना को 769.36 करोड़ रुपये की लागत से एक निजी कंपनी बीवीईपीएल को दे दिया। सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि कथित कदाचार का मामला गुणवत्ता ऑडिट टीम से संबंधित है, जिसमें भसीन, गौरव और सिंह शामिल थे।

● झारखंड में 769 करोड़ की हाईवे को फोरलेन करने की परियोजना में हेराफेरी करने का आरोप

मुख्तार अंसारी मामले में चार करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने बताया कि उसने धनशोधन के एक गंभीर मामले में बसपा के पूर्व सांसद अतुल राय एवं दिवंगत बाहुबली मुख्तार अंसारी के एक करीबी सहयोगी से संबंधित 4.18 करोड़ रुपये मूल्य की छह अचल संपत्तियां कुर्क की हैं, जिनमें दिल्ली स्थित एक अपार्टमेंट भी शामिल है। संपत्तियां कुर्क करने की यह कार्रवाई अंसारी द्वारा नियंत्रित कंपनी विकास कंस्ट्रक्शन से जुड़ी एक जांच का हिस्सा है। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि पीएमएलए के तहत इन संपत्तियों को कुर्क करने का अस्थाई आदेश जारी किया गया है।

मानव रहित विमानों के निर्माण में आत्मनिर्भर होने की कवायद

नई दिल्ली, एजेंसी

सेना के अधिकारी, रक्षा विशेषज्ञ, नीति निर्माता और निजी उद्योगों के प्रतिनिधि बुधवार को एकत्रित होंगे और स्वदेशीकरण के लिए एक 'रणनीतिक रोडमैप' विकसित करने पर विचार करेंगे, जिसका व्यापक उद्देश्य महत्वपूर्ण मानवरहित वायु यानों (यूएवी) और काउंटर-मानवरहित हवाई प्रणालियों (सी-यूएएस) के घटकों के लिए विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम करना है।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ द्वारा थिंक-टैंक 'सेंटर फॉर ज्वाइंट वारफेयर स्टडीज' के सहयोग से आयोजित की जाने वाली कार्यशाला-सह-प्रदर्शनी 'ऑपरेशन सिंदूर' सहित भारत-पाकिस्तान के हालिया सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में आयोजित की जा रही है, जिसमें यूएवी और सी-यूएएस के सामरिक महत्व तथा परिचालन प्रभावशीलता पर प्रकाश डाला गया था।

● हाल ही में पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष के बाद लिया गया फैसला

स्वदेशी तकनीक से तैयार किया सस्ता कार्बन फाइबर कृत्रिम पैर

नई दिल्ली। डीआरडीओ की एक प्रयोगशाला और तेलंगाना स्थित एम्स बीबीनगर ने स्वदेशी तकनीक से अपनी तरह का पहला उन्नत कार्बन फाइबर कृत्रिम पैर विकसित किया है जो 125 किलोग्राम तक का भार सहन करने में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, प्रदर्शन के मामले में बाजार में उपलब्ध विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मॉडल को टक्कर देने वाला यह कृत्रिम पैर जरूरतमंद आबादी को उच्च गुणवत्ता वाला किफायती समाधान मुहैया कराने के लिए डिजाइन किया गया है।

भारत में उतरी टेस्ला 59.89 लाख कीमत का मॉडल वाई पेश

मुंबई। इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता कंपनी टेस्ला ने मंगलवार को भारत में उतरते हुए 59.89 लाख रुपये की शुरुआती कीमत वाला मॉडल 'वाई' पेश किया। इसके साथ ही टेस्ला ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में पहला एक्सपीरियंस सेंटर खोला है।

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने इसका उद्घाटन किया। टेस्ला अमेरिकी अरबपति एलन मस्क के स्वामित्व वाली कंपनी है। मस्क ने इससे पहले उच्च आयात शुल्क को कंपनी के भारत में नहीं आने की वजह बताया था। कंपनी चीन में अपने शंघाई विनिर्माण संयंत्र से मॉडल 'वाई' को पूरी तरह से निर्मित इकाई (सीबीयू) के रूप में आयात करेगी। मध्यम आकार की इलेक्ट्रिक एसयूवी 'वाई' कभी दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार थी और यह भारत में दो संस्करणों में उपलब्ध होगी।

आस्था का सैलाब

हरिद्वार में हर की पौड़ी पर पवित्र श्रावण मास शुरू होने के बाद रोज लाखों कांवड़िए गंगाजल लेने पहुंच रहे हैं। मंगलवार को भी यहां भगवान शिव के भक्तों का सैलाब उमड़ता दिखाई दिया। शिव के अभिषेक के लिए गंगाजल लेने से पहले कांवड़ियों ने गंगा नदी में स्नान भी किया। एजेंसी

विमान हादसे की जांच रिपोर्ट में किसी सवाल का जवाब नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन (इफाल्पा) ने कहा है कि एअर इंडिया विमान दुर्घटना पर एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट अपनी प्रकृति के अनुसार ही कई सवाल उठाती है लेकिन जवाब मुहैया नहीं कराती। संगठन ने इस मामले में सभी पक्षों से अटकलों से बचने का आग्रह किया है।

गत 12 जून को अहमदाबाद में एअर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान की दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में एएआईबी ने शनिवार को कहा था कि उड़ान भरने के तुरंत बाद 1 सेकंड के अंतराल में इंजन के ईंधन स्विच बंद हो गए, जिससे विमान के कॉकपिट में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। रिपोर्ट

● अब इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ पायलट एसोसिएशन असंतुष्ट

में कहा गया है कि एक पायलट ने पूछा कि स्विच क्यों बंद हुआ और दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया। हालांकि प्रारंभिक रिपोर्ट में कोई निष्कर्ष नहीं निकाला गया है।

इफाल्पा ने एक बयान में कहा, हालांकि यह प्रारंभिक रिपोर्ट अपने आप में कई सवाल उठाती है, लेकिन इसमें कोई जवाब नहीं है, और इसकी सामग्री का कोई भी अनुमान केवल अनुमान ही माना जा सकता है, जो जांच के सुचारू संचालन के लिए उपयुक्त नहीं है।

ट्रंप को शिक्षा विभाग में 1,400 कर्मचारियों की छंटनी की अनुमति

वाशिंगटन। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शिक्षा विभाग को समाप्त करने की उनकी योजना को फिर से आगे बढ़ाने और लगभग 1,400 कर्मचारियों की छंटनी की अनुमति दे दी है।

तीन न्यायमूर्तियों की असहमति बावजूद, उच्चतम न्यायालय ने बोस्टन के डिस्ट्रिक्ट न्यायाधीश मयोंग जॉन के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें उन्होंने कर्मचारियों की छंटनी को रद्द करते हुए अंतरिम रोक लगाई थी। जॉन ने आदेश में कहा था, छंटनी से विभाग कमजोर हो जाएगा।'एक संघीय अपीलीय अदालत ने भी प्रशासन की अपील पर इस आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप प्रशासन को विभाग को समाप्त करने की प्रक्रिया फिर शुरू करने की अनुमति मिल गई है।

नसीहत सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को किया आगाह, कहा- हरियाणा सरकार की ओर से दायर मुकदमा सभी की आंखें खोलने वाला

दुर्लभतम मामलों में बनाई जाए जमीन के बदले जमीन की नीति

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने राज्यों को उनकी 'जमीन के बदले जमीन' संबंधी नीतियों के प्रति आगाह करते हुए कहा है कि ऐसी योजनाएं दुर्लभतम मामलों में ही लागू की जानी चाहिए। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि राज्य सरकार के भूमि अधिग्रहण का विरोध करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत आजीविका के अधिकार से वंचित करने की दलील टिकने वाली नहीं है।

पीठ ने हरियाणा सरकार की ओर से दायर मुकदमे को सभी राज्यों के लिए आंखें खोलने वाला बताया। पीठ हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के संपदा अधिकारी और

अन्य द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के 2016 के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें विस्थापितों के पक्ष में निचली अदालत के आदेशों को बरकरार रखा गया था। न्यायमूर्ति पारदीवाला ने 14 जुलाई को 88 पृष्ठों के अपने फैसले में कहा, हमने स्पष्ट कर दिया है कि भूमि अधिग्रहण के मामलों में संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत आजीविका के अधिकार से वंचित किए जाने का तर्क टिकने योग्य नहीं है। उच्च न्यायालय ने उन विस्थापित भूस्वामियों को 2016 की पुनर्वास नीति के तहत लाभ पाने का हकदार माना था, जिनकी भूमि हरियाणा के अधिकारियों ने सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए अधिगृहीत की थी, न कि 1992 की अधिक रियायती योजना के तहत।

यह फैसला हरियाणा की भूमि अधिग्रहण संबंधी उस बेहद असामान्य नीति की आलोचना करता है, जिसके तहत यदि सरकार सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए भूमि अधिग्रहण करती है, तो वह विस्थापितों को वैकल्पिक भूमि के भूखंड प्रदान करती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि केवल दुर्लभतम मामलों में ही सरकार विस्थापित व्यक्तियों को मुआवज़ा देने के अलावा उनके पुनर्वास के लिए कोई योजना शुरू करने पर विचार कर सकती है। पीठ ने कहा, ''कभी-कभी राज्य सरकार अपनी प्रजा को खुश करने के लिए अनावश्यक योजनाएं पेश करती है और अंततः मुश्किलों में फंस जाती है।

कैदियों को महंगा खाना न मिलना मौलिक अधिकारों का हनन नहीं

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि जेल में कैदियों को पसंदीदा भोजन या महंगे खाद्य पदार्थ न दिया जाना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन का अधिकार सभी कैदियों को हासिल है, लेकिन यह पसंदीदा भोजन की मांग करने का अधिकार नहीं देता। पसंदीदा खाद्य सामग्री की आपूर्ति न किए जाने को मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं माना जा सकता। राज्य का दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि दिव्यांगों सहित सभी कैदियों को पर्याप्त, पौष्टिक और चिकित्सकीय रूप से उपयुक्त भोजन मिले। जेल सुधारात्मक संस्थान है न कि नागरिक सुविधाओं का विस्तार। सर्वोच्च अदालत ने बेकर मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित अधिवक्ता एल. मुरुगनन्थम की मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जिसमें उन्हें पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया गया था। मुरुगनन्थम को सजा एक जमीन विवाद में मिली थी जिसमें उनका परिवार एक अन्य व्यक्ति के साथ उलझा हुआ था।